



नरेंद्र मोदी, शाह और भागवत... 02



विग बॉस से बाहर आते ही... 11

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 185

गाजियाबाद / बुधवार 07 अक्टूबर 2026

PRGI No. - UPHIN/25/A0086

पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रुपए

संक्षिप्त समाचार

बीसीसीआई मीटिंग के बाद हरमनप्रीत ने छोड़ी कप्तानी

उनकी अगुआई में भारत ने पहली बार महिला वर्ल्ड कप जीता; स्मृति बन सकती है अगली कप्तान



नईदिल्ली (एजेंसी)। हरमनप्रीत कौर ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तीनों फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ दी है। उन्होंने मंगलवार को इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। यह फैसला एक दिन पहले गुवाहाटी में हुई

बंगाल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी की 6 सीटों पर वोटिंग

बंगाल में पुलिस ने हुमायूं कबीर को गिरफ्तार किया; ममता न सीएम-विधायक, न उम्मीदवार

नईदिल्ली (एजेंसी)। देश के चार राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में 6 सीटों पर मंगलवार को वोटिंग हुई। इस दौरान आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी)



के प्रमुख और विधायक हुमायूं कबीर को बंगाल के मुर्शिदाबाद में उनके पार्टी कार्यालय से पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उन पर चुनाव में अनियमितताओं का आरोप लगाया है। उनके बेटे गुलाम नबी आजाद भी रेजीनगर से उम्मीदवार हैं। वहीं, मीडिया से बात करते हुए नंदीग्राम से कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान ने आरोप लगाया है कि उनके पोलिंग एजेंट्स को जबरन उठाया जा रहा है।

मप्र में दो बार आयोजित की जाएगी एमपीपीएससी की परीक्षा, मुख्यमंत्री डॉ.मोहन की बड़ी घोषणा

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 06 अक्टूबर को भोपाल के लाल परेड मैदान में आयोजित सीएम यूथ कॉन्क्लेव-2026 में युवाओं से संवाद कर रहे हैं। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कॉन्क्लेव में प्रदेश के 20 हजार से अधिक युवा शामिल हुए। कॉन्क्लेव में युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, स्वरोजगार, उद्यमिता, नवाचार, अनुसंधान और उभरती प्रौद्योगिकियों से जुड़े अवसरों की जानकारी दी गई और सीएम मोहन ने सीधा संवाद किया। इस दौरान सीएम मोहन ने प्रदेश के युवाओं के लिए बड़ी घोषणाएं भी की। सीएम मोहन ने युवाओं को बड़ी सौगात देते हुए ऐलान किया कि अगले वर्ष से मध्य प्रदेश में एमपीपीएससी की परीक्षा दो बार आयोजित की जाएगी।



सीएम यूथ कॉन्क्लेव-2026 की बड़ी घोषणाएं

- प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग क्लासेस शुरू होंगी।
- उच्च शिक्षा में शोध को प्रोत्साहन देने के लिए शोधार्थियों मिलने वाली राशि 16 हजार से बढ़ाकर 25 हजार रुपए प्रतिमाह की जाएगी।
- सभी शासकीय महाविद्यालयों में अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एडवांस्ड कमप्यूटिंग लैब की स्थापना की जाएगी।
- स्टार्टअप के लिए अच्छे आईडियाज मिलें, इसके लिए 5 करोड़ रुपए का आईडिया फंड बनाने का प्रावधान किया गया है।
- स्नातकोत्तर की छात्राओं को गांव की बेटी और प्रतिभा किरण योजना के

- दायरे में शामिल किया जाएगा।
- युवाओं के प्लेसमेंट कराने के लिए एक एजेंसी नियुक्त की जाएगी। सरकार युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए काम करेगी।
- राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की 500 नई ईकाइयां बनाई जाएंगी।
- शोध संस्था में 1 करोड़ रुपए का फंड विश्वविद्यालय निधि से स्थापित किया जाएगा।
- प्रदेश के एक लाख युवाओं को कौशल उत्पन्न योजना से जोड़ा जाएगा।
- प्रत्येक संभाग में कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल बनाए जाएंगे।
- प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में वर्ष 2027 में फिर ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) का आयोजन होगा।

27 के लिए 6.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत किया, पहली तिमाही के मजबूत आंकड़ों का फायदा मिला

वर्ल्ड बैंक ने भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले अप्रैल में वर्ल्ड बैंक ने एफबाय 27 के लिए जीडीपी ग्रोथ रेट का अनुमान 6.6 प्रतिशत बताया था। मंगलवार, 6 सितंबर को जारी लेटेस्ट रिपोर्ट 'इंडिया डेवलपमेंट अपडेट' में वर्ल्ड बैंक ने यह बात कही है।

ग्लोबल ट्रेड और दुनिया में तनाव के बावजूद भारत की इकोनॉमी ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। वित्त वर्ष-27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून में भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 7.8 प्रतिशत रही थी।



गांव-शहरों में मांग बड़ी, एक्सपोर्ट भी बढ़ा- वर्ल्ड बैंक के अनुसार, भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ में निवेश और घरेलू खपत यानी प्राइवेट कंजम्पशन का सबसे बड़ा योगदान रहा है।

गांव और शहर दोनों में मांग- अच्छी खेती, सरकारी से किसानों को सिंधी सहायता और सब्सिडी के चलते डिमांड बढ़ी है। वहीं दूसरी ओर टैक्स में राहत और जीएसटी कटौती के बाद शहरी खपत में भी उछाल देखने को मिला है।

स्कूलों में रोजाना संविधान की प्रस्तावना का पाठ अनिवार्य करने की याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- सिलेबस में पहले से ही शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दाखिल कर एक ऐसी राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग की गई थी जिसके तहत स्कूलों में सुबह की असेंबली के दौरान छात्रों को संविधान की प्रस्तावना पढ़ाई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने आज मंगलवार को इस पीआईएल पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। जस्टिस विक्रम नाथ,



संदीप मेहता और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि प्रस्तावना पहले से ही स्कूल के पाठ्यक्रम का हिस्सा है और इसे छुटी कक्षा से ही छात्रों को पढ़ाया जाता है। संविधान की प्रस्तावना को राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग खारिज- दिल्ली यूनिवर्सिटी के राजधानी कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर धीरज कुमार ने सुप्रीम कोर्ट में ये याचिका दायर की थी। इस याचिका में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और CBSE के स्कूली बच्चों में संवैधानिक जागरूकता को बढ़ावा देने वाली राष्ट्रीय नीति बनाने का निर्देश देने की मांग की गई थी।



नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र की सत्ताधारी बीजेपी पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने विपक्षी सांसदों के संसद से चुनाव आयोग तक मार्च को बीच में ही रोके जाने पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयुक्त हमसे क्यों नहीं मिल रहे हैं? पुलिस हमें चुनाव आयोग जाने से क्यों रोक रही है

बीजेपी का कांग्रेस पर बड़ा हमला, राहुल गांधी से पूछे 10 सवाल

‘हमारी मदद ज्ञानेश कुमार नहीं, गणेश जी कर रहे’

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कांग्रेस पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने कहा कि कुछ विपक्षी पार्टियां खासकर कांग्रेस पार्टी देश में सरकार बदलने और किसी तरह राहुल गांधी को सत्ता में बिठाने की पूरी कोशिश कर रही है। इसके लिए भारतीय लोकतंत्र और देश की संवैधानिक संस्थाओं पर एक साथ हमला किया जा रहा है। यह प्रक्रिया कुछ महीने पहले शुरू नहीं हुई है बल्कि यह कई सालों से चल रही है। शुरू से ही कांग्रेस पार्टी ने बार-बार किसी भी तरह से राहुल गांधी को लॉन्च और रिलॉन्च करने की कोशिश की है।

संबित बोले- हमारी मदद गणेश जी कर रहे- संबित पात्रा ने आगे कहा कि हमारी मदद ज्ञानेश कुमार नहीं कर रहे हैं, हमारी मदद गणेश जी कर रहे हैं।



बुद्धि, विद्या, ज्ञान और विवेक के देवता गणेश जी हैं। देश की जनता के पास बुद्धि, विवेक, ज्ञान है और जनता जानती है कि परिवारवाद, भ्रष्टाचार, आतंकवादियों के साथ खड़े होने वाले लोगों को वोट नहीं देना है। वोट उसको देना है जिसने कहा है कि मैं देश नहीं झुकने दूंगा। एसआईआर पर फैलाई जा रही

फेक न्यूज- बीजेपी नेता ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से एसआईआर को लेकर गलतफहमियां और फेक न्यूज फैलाई जा रही हैं। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया को लेकर एक याचिका दाखिल की गई थी। उस याचिका में मुख्य मांग थी कि चीफ इलेक्शन कमिशनर को हटा दिया जाए, उन्हें बर्खास्त किया जाए।

राहुल गांधी के झूठ का पुलिंदा खोलूंगा: पात्रा

संबित पात्रा ने कहा कि आज, मैं एक-एक करके राहुल गांधी के झूठ का पुलिंदा खोलूंगा। इस पूरे एक्स पोस्ट में, राहुल गांधी ने चार गुमराह करने वाले शब्दों इस्तेमाल किए हैं। पहला, 'फॉर्म 6 को गैरकानूनी तरीके से बदला गया है।' दूसरा, 'फॉर्म 6 को एकतरफा बदला गया।' तीसरा, 'इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया भारतीय जनता पार्टी की मदद करने की कोशिश कर रहा है।' और चौथा, 'इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया का भारतीय लोकतंत्र पर क्रिमिनल हमला।'।

कैबिनेट के दो बड़े फैसले

परिवहन और एमएसएमई क्षेत्र के लिए सरकार का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कैबिनेट ने मंगलवार को दो महत्वपूर्ण फैसलों को मंजूरी दी है। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकारी दी। इन फैसलों में इंटेग्रेटेड ट्रांसपोर्ट एंड लॉजिस्टिक्स अथॉरिटी (आईटीएलए) की स्थापना और 10,000 करोड़ रुपये के स्मॉल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज ग्रोथ फंड (एसजीएफ) का गठन शामिल है। ये पहल देश के परिवहन और लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्रों को नई दिशा देंगी। आईटीएलए का लक्ष्य परिवहन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों में अनुसंधान, योजना, मूल्यांकन, निगरानी और प्रभाव आकलन को मजबूत करना है। यह परिवहन परियोजनाओं की योजना, मूल्यांकन और निगरानी में तालमेल बिठाएगा। आईटीएलए नीति अनुसंधान, परियोजना योजना व मूल्यांकन, निगरानी व समीक्षा, और डेटा विश्लेषण को एक साथ लाएगा।



विपक्षी गठबंधन ‘इंडिया’ के सांसदों के मार्च को पुलिस ने रोका

- ज्ञानेश कुमार से मिलने पर अड़े राहुल गांधी, आकाशवाणी भवन में धरना
- चुनाव आयुक्त हमसे क्यों नहीं मिल रहे
- राहुल गांधी बोले- 300 सांसदों को रोका गया, पुलिस हमें धमका रही

और धमका रही है। राहुल गांधी ने कहा कि संसद से हमारे साथ 300 सांसद चुनाव आयोग जाना चाहते थे। हालांकि, उन्हें बीच में ही रोक दिया गया। हम करोड़ों भारतीयों का प्रतिनिधित्व करते हैं। आखिर 300 सांसदों को क्यों रोका गया है।

देश में क्या हो रहा- लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि करीब 300 सांसद चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो अन्य चुनाव आयुक्तों से मिलना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने हमें यहीं रोक



दिया। हम चुने हुए प्रतिनिधि हैं, लेकिन हमें नहीं पता कि हमें यहाँ क्यों रोका गया है। हमें समझ नहीं आ रहा कि समस्या क्या है,

जबकि चुनाव आयोग का दफ्तर यहाँ से सिर्फ 50 मीटर दूर है। विपक्ष के 300 सांसद ज्ञानेश कुमार से मिलना चाहते हैं, लेकिन वे डरे हुए हैं। देश में क्या हो रहा है? लोकतंत्र का क्या मतलब है अगर चुनाव आयोग चुने हुए प्रतिनिधियों से ही न मिले? मैं यहाँ लोकतंत्र को बचाने के लिए खड़ा हूँ- राहुल गांधी ने कहा कि हम सिर्फ भाजपा का मुकाबला नहीं कर रहे हैं, हम उन्हें खत्म कर देंगे। भाजपा क्या कहती है, इसमें मेरी कोई दिलचस्पी नहीं है।

इंडिया गठबंधन के विरोध मार्च में पहली बार दिखी बीजेपी की ‘न्यूट्रल सहयोगी’

नई दिल्ली (एजेंसी)। निर्वाचन आयोग के खिलाफ विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के सांसदों के सांसदों ने मंगलवार को विरोध मार्च निकाला। जिसमें पहली बार बीजेपी की 'न्यूट्रल सहयोगी' मानी जाने वाली बीजेडी ने भी शिरकत की। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने इस बात का जिक्र किया। बीजेपी नेता जयराम रमेश ने अपने एक्स पोस्ट में बीजेडी सांसदों के मार्च में शामिल होने की जानकारी दी। संसद के मकर द्वार से निकला विपक्ष का मार्च नीति आयोग के पास ही रुक गया। ऐसा इसलिए क्योंकि वहाँ पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी थी।



गुजरात में भीषण सड़क हादसा

तेज रफ्तार एसयूवी ट्रेलर ट्रक से टकराई, सात लोगों की दर्दनाक मौत

भावनगर (गुजरात) (एजेंसी)। गुजरात के भावनगर जिले में मंगलवार को उस समय चीखपुकार मच गई जब हाईवे पर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। इस घटना में सात लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक गुजरात के भावनगर जिले



में एक हाईवे पर खड़ी ट्रेलर ट्रक से एसयूवी के टकराने से सात लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक नितेश पांडे ने बताया कि पॉइंट भावनगर से अलंग जा रहे थे, जहाँ वे एक

शिपयार्ड में काम करते थे। पुलिस के अनुसार, यह हादसा सुबह करीब 10 बजे जिले के तलाजा तालुका में ट्रायाज गाँव के पास भावनगर-सोमनाथ नेशनल हाईवे के किनारे सर्विस रोड पर हुआ, जब तेज रफ्तार एसयूवी खड़ी ट्रेलर से टकरा गई।

2026 का फिजिक्स नोबेल फ्रांसिस हाल्जेन को मिला

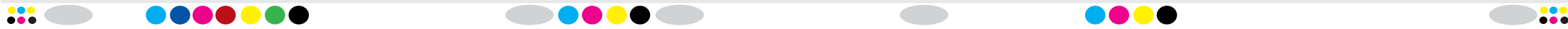
अंतरिक्ष से आने वाले रहस्यमयी कणों को पकड़ने का तरीका खोजा

स्टॉकहोम (एजेंसी)। बेल्ट्रियम में जन्मे अमेरिकी वैज्ञानिक फ्रांसिस हैल्जेन को 2026 का भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला है। उन्हें यह पुरस्कार अंतरिक्ष से धरती तक आने वाले बेहद ताकतवर न्यूट्रिनो को पकड़ने और उनके बारे में पता लगाने में अहम काम के लिए दिया गया है। उन्होंने दक्षिणी ध्रुव की बर्फ में न्यूट्रिनो पकड़ने वाली आइसक्यूब ऑब्जर्वेटरी बनाने का विचार दिया था।



नोबेल पुरस्कार के विजेताओं को दिसंबर में स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में सम्मानित किया जाएगा। उन्हें मेडल, डिप्लोमा और पुरस्कार राशि दी जाएगी। 2026 नोबेल पुरस्कार की राशि करीब 11.5 करोड़ रुपए है। आइसक्यूब न्यूट्रिनो ऑब्जर्वेटरी दक्षिणी ध्रुव में है। इसके

सेंसर दक्षिणी ध्रुव की करीब 1.5 से 2.5 किलोमीटर गहरी बर्फ के अंदर लगाए गए हैं। अंतरिक्ष के न्यूट्रिनो पकड़ने के लिए बर्फ का इस्तेमाल- न्यूट्रिनो बहुत छोटे कण हैं, जो सूरज, तारों और अंतरिक्ष की बेहद ताकतवर घटनाओं से निकलते हैं। अर्थात् न्यूट्रिनो हर सेकंड हमारे शरीर और धरती के आर-पार निकल जाते हैं, लेकिन हमें उनका पता तक नहीं चलता। इन कणों की खास बात यह है कि वे अंतरिक्ष से निकलकर लगभग सीधी दिशा में धरती तक पहुँचते हैं और रास्ते में बहुत कम बदलते हैं। इसलिए अगर वैज्ञानिक इन्हें पकड़ लें, तो वे पता लगा सकते हैं कि ये ब्रह्मांड में कहाँ और किस घटना से निकले थे। लेकिन न्यूट्रिनो को पकड़ना आसान नहीं है।



एयरपोर्ट के लेबर कैंप में आग, 33 कमरे जले

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ एयरपोर्ट परिसर में बने लेबर कैंप में मंगलवार सुबह 6-30 बजे आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि कुछ ही देर में तीन मंजिला बिल्डिंग जल गई। धुआं 2 किमी दूर तक दिखाई दिया। तुरंत फायर ब्रिगेड की 6 गाडियां पहुंची। करीब एक घंटे की मशकत के बाद आग पर काबू पाया। दो मजदूर घायल हुए हैं। एक आग की चपेट में आने से झूलस गया, जबकि दूसरा दूसरी मंजिल से कूदने की वजह से चोटिल हुआ। जिस बिल्डिंग में आग लगी, वह टर्मिनल से करीब 250–300 मीटर दूर है। इसे मजदूरों के रहने के लिए अस्थायी तौर पर पीवीसी यानी प्लास्टिक से बनाया गया था। यही वजह थी कि आग बहुत तेजी से फैली। हालाँकि, इस हादसे से विमानों के संचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। किसी के हताहत होने की भी सूचना नहीं है। आग कैसे लगी, इसकी जांच की जा रही है। एयरपोर्ट परिसर की इस बिल्डिंग में 33 छोटे कमरे हैं। इसमें करीब 300 मजदूर रहते हैं। वे परिसर में एक होटल का निर्माण कर रहे हैं।

अवैध हथियारों की बिक्री में शामिल युवक पकड़ाया, भारी मात्रा में हथियार बरामद

इंफाल(एजेंसी)। मणिपुर के इंफाल पूर्व जिले में अवैध हथियारों की बिक्री में शामिल व्यक्ति को सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को एक बयान जारी कर बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर सुरक्षा कर्मियों के एक दल ने सोमवार को थम्बालनू बाजार में अभियान चलाया और संदिग्ध को पकड़ा। वह अवैध हथियारों, गोला-बारुद और विस्फोटकों की खरीद और बिक्री में शामिल है। जांच में पता चला कि आरोपी ने जुलाई में दो महिलाओं के जरिए 10,000 रुपए में एक व्यक्ति को एक हथगोला मुहैया कराया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक अलग अभियान में सुरक्षा बलों ने सोमवार को चुराचांदपुर जिले के कुकिमुन गांव में बड़ी मात्रा में हथियार और विस्फोटक जब्त किए। पुलिस के मुताबिक फ़दो 9 एमएम कार्बाइन मशीन गन, तीन 9 एमएम पिस्तौल, सात सिंगल बैरल बोल्ट-एवशन राइफल, एक हैंड ग्रेनेड, एक मोर्टार बम और दो देसी मोर्टार बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि जब हथियार और गोला-बारुद जिले के हेंगलेप पुलिस थाने को सौंप दिए हैं। बता दें मई 2023 में जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से सुरक्षा बल मणिपुर के सभी जिलों के सीमावर्ती और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और क्षेत्र पर नियंत्रण के लिए अभियान चला रहे हैं। घाटी में रहने वाले मेझती और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी समुदायों के बीच मई 2023 में शुरू हुए जातीय संघर्ष में कम से कम 306 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 49 लोग अब भी लापता हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

कर्नाटक में वीयर की बढ़ती खपत से डीके सरकार की ताबड़तोड़ कमाई

बेंगलुरु(एजेंसी)। शराब मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होने के बावजूद, राज्य सरकारों के लिए राजस्व का एक बड़ा स्रोत बनी हुई है। इसी कड़ी में, कर्नाटक की डीके शिवकुमार सरकार ने हाल ही में आबकारी विभाग से जबरदस्ती कमाई दर्ज की है। जुलाई से सितंबर 2026 के दूसरे क्वार्टर के दौरान, राज्य को 11,595.88 करोड़ का राजस्व मिला, जो पिछले साल इसी अवधि के 10,303.94 करोड़ रुपये से 12.54 प्रतिशत अधिक है। इस महत्वपूर्ण वृद्धि का मुख्य कारण वीयर और इंडियन मेड लिंकर (आईएमएल) की बिक्री में उल्लेखनीय बढ़ोतरी रही है। कर्नाटक सरकार के आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में वीयर की बिक्री में अप्रत्याशित उछाल दिखाई दिया। जुलाई-सितंबर 2026 के दौरान 126.68 लाख केस बॉक्स वीयर बेची गईं, जबकि बीते साल यह आंकड़ा 84.63 लाख केस बॉक्स था। यह सालाना आधार पर करीब 49.69 प्रतिशत की भारी वृद्धि को दिखाता है। वीयर की बढ़ती लोकप्रियता का सीधा असर सरकार की आय पर पड़ा, जिससे आबकारी राजस्व 1,234.50 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,463.07 करोड़ रुपये हो गया, जो 18.52 प्रतिशत की बढ़ोतरी है।

नई दिल्ली में सीजेपी प्रदर्शन से पहले पुलिस नोटिस पर हंगामा, दिपके ने लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। काँकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) संस्थापक अभिजीत दिपके ने आरोप लगाया कि पुलिस दिल्ली में 10 अक्टूबर को होने वाले पार्टी के प्रस्तावित आंदोलन से पहले कार्यकर्ताओं को नोटिस भेजकर उन पर दबाव बना रही है। दिपके ने बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधकर दावा किया कि एक देश, एक चुनाव सिर्फ एक नारा है और इसका असली मकसद एक देश, एक राजनीतिक पार्टी स्थापित करना है। सीजेपी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफ़े की मांग को लेकर 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन करने का संभावनाओं को लेकर गहन बहस प्रेसवार्ता को संबोधित कर दिपके ने बताया कि चंद्रपुर पुलिस ने सीजेपी कार्यकर्ताओं को नोटिस भेजकर उनसे दिल्ही के जंतर-मंतर पर होने वाले प्रदर्शन में शामिल न होने को कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने कार्यकर्ताओं के दिल्ली यात्रा खर्च के स्रोत के बारे में भी पूछछछ की। दिपके ने महाराष्ट्र पुलिस को देश की सर्वश्रेष्ठ पुलिस फ़ोर्स बताकर दुख व्यक्त किया कि चंद्रपुर पुलिस ने इस तरह की कार्रवाई की है।

नई दिल्ली/आसपास

नरेंद्र मोदी, शाह और भागवत देश में लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं: राहुल गांधी

चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस योजना में उनकी मदद कर रहे

नई दिल्ली , एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र की सत्ताधारी भाजपा पर बड़ा हमला बोलकर आरोप लगाया कि देश के लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश हो रही है। उन्होंने विपक्षी सांसदों के संसद से चुनाव आयोग तक मार्च को बीच में ही रोकने पर तीखे सवाल उठाए और कहा कि चुनाव आयुक्त हमसे क्यों नहीं मिल रहे हैं? राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पुलिस उन्हें चुनाव आयोग जाने से रोक रही है और धमका रही है, जबकि 300 सांसद उनसे मिलना चाहते थे। राहुल गांधी ने कहा कि करीब 300 सांसदों को चुनाव आयोग के दफ्तर से मात्र 50 मीटर दूर ही रोक दिया गया। उन्होंने सवाल किया कि जब चुने हुए प्रतिनिधि करोड़ों भारतीयों का प्रतिनिधित्व करते हैं, तब उन्हें क्यों रोका जा रहा है? राहुल गांधी ने पूछा, देश में क्या हो रहा है? लोकतंत्र का क्या मतलब है अगर चुनाव आयोग चुने हुए प्रतिनिधियों से ही न मिले? उन्होंने आरोप



लगाया कि चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो अन्य चुनाव आयुक्त डरे हुए हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि वे केवल भाजपा से मुकाबला नहीं कर रहे, बल्कि उन्हें खत्म कर देने वाले हैं। उन्होंने भाजपा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, मोहन भागवत और चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर देश में लोकतंत्र को खत्म करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने

कहा कि पूरा देश और यहां तक कि पुलिसकर्मी भी इस बात से सहमत हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी, अमित शाह और मोहन भागवत ने वोट चोरी के जरिए देश पर कब्जा कर लिया है, और राहुल गांधी और प्रियंका गांधी सहित कई कांग्रेस नेता आकाशवाणी भवन में ही बने खिलाफ कार्रवाई होगी और कहा कि हमारे

देश के साथ जो किया गया है, इस देशद्रोह कहा जाता है, कोई भी बच नहीं पाएगा। विपक्षी गठबंधन इंडिया का मार्च मुख्य निर्वाचन आयुक्त कुमार को हटाने और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को रद्द करने की मांग को लेकर संसद मार्ग से निर्वाचन आयोग मुख्यालय तक जा रहा था। हालांकि, पुलिस ने उन्हें नीति आयोग के दफ्तर के सामने ही रोक दिया, जिसके बाद विपक्षी सांसद धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन के दौरान, राहुल गांधी और तृणमूल कांग्रेस के अभिषेक बनर्जी पुलिस बैरिकेड पर चढ़ गए। प्रियंका गांधी बाइक को हिरासत में लिए जाने के लिए एक बस में ले जाया गया, लेकिन वह जल्द ही उतरकर आकाशवाणी भवन परिसर में राहुल गांधी के पास पहुंच गईं। पुलिस ने कई विपक्षी सांसदों को हिरासत में ले लिया, जिसके बाद धरना खत्म हो गया। हालांकि, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी सहित कई कांग्रेस नेता आकाशवाणी भवन में ही बने रहे।

भ्रष्टाचार से घिरी पंजाब सरकार, राहत के लिए पहुंची सुप्रीम कोर्ट

-**हाईकोर्ट दे चुका है सीबीआई जांच का आदेश**

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा राज्य सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारियों, जिनमें मुख्यमंत्री के एक विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) भी शामिल हैं, पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की सीबीआई जांच के आदेश दिए जाने के बाद पंजाब में सियासी भूचाल आ गया है। इस आदेश को अपनी सरकार पर सीधा हमला मानते हुए भगवंत मान सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख कर लिया है। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने यह पुष्टि की थी कि राज्य सरकार उच्च न्यायालय के इस फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय जाएगी। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा साझा किए गए दस्तावेज प्रथम दृष्ट्या इन अधिकारियों के भ्रष्टाचार में संलिप्त होने का संकेत देते हैं, जिसके बाद

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को जांच सौंपना उचित होगा। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब आम आदमी पार्टी (आप) सरकार भ्रष्टाचार के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं की अपनी नीति का लगातार दावा करती रही है। हाई कोर्ट के इस फैसले के बाद विपक्षी दलों ने राज्य सरकार को आड़े हाथों लिया है। भाजपा की पंजाब इकाई के अध्यक्ष केवल सिंह दिव्हे ने उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान से तत्काल इस्तीफे की मांग की। दिव्हे ने आरोप लगाया कि अदालत के फैसले ने आप सरकार के भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन के दावों की पोल खोल दी है। इसी तरह, पंजाब कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष परराट सिंह ने भी उच्च न्यायालय के निर्णय का स्वागत किया और जोर दिया कि जांच निष्पक्ष, पारदर्शी और तय समय-सीमा के भीतर होनी चाहिए, जिसमें किसी भी प्रकार की देरी या राजनीतिक दबाव की गुंजाइश न हो।

भगत सिंह चौक से मां मंसा देवी मार्ग तक बनेगा 6.5 किलोमीटर लंबा पैदल यात्री अनुकूल फुटपाथ

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कुंभ मेला-2027 की तैयारियों के तहत बिल्केश्वर क्षेत्र में चल रहे अवस्थापना विकास कार्यों को लेकर बिल्केश्वर कॉलोनी के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को मेलाधिकारी सोनिका से मुलाकात की। हरिद्वार सहकारी गृह निर्माण समिति की अध्यक्ष अंजना चट्टा, सचिव महेंद्र अरोड़ा और कोषाध्यक्ष सजीव वर्मन के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र में कराए जा रहे सड़क, फुटपाथ और सौंदर्यीकरण कार्यों की सराहना की। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि इन कार्यों से स्थानीय निवासियों के साथ बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को भी बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने राज्य सरकार का आभार जताते हुए क्षेत्र में सुविधाओं के और विस्तार का आग्रह किया।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि परियोजना की लागत को लेकर कुछ लोगों द्वारा बढ़ा-चढ़ाकर गलत जानकारी देकर भ्रम फैलाने का प्रयास किया जा रहा है, जो अनुचित है। फुटपाथ का निर्माण पूरा होने के बाद क्षेत्रवासियों और श्रद्धालुओं को सुरक्षित पैदल



आवागमन की सुविधा मिलेगी। साथ ही यह मार्ग सुबह की सैर के लिए भी बेहतर स्थान के रूप में विकसित हो सकेगा।

कुंभ मेला-2027 के तहत भगत सिंह चौक से बिल्केश्वर-मां मंसा देवी मार्ग तक करीब 6,500 मीटर लंबाई में पैदल यात्री अनुकूल फुटपाथ विकसित किया जा रहा है। परियोजना के लिए 7.84 करोड़ रुपये स्वीकृत हैं। इसमें ऊंचा फुटपाथ, दोनों ओर पक्के किनारे, क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवारों का पुनर्निर्माण, मां मंसा देवी मार्ग का सुधार, केसी नालियों का निर्माण और आवश्यक

स्थानों पर सड़क निर्माण सहित अन्य कार्य शामिल हैं। मेलाधिकारी सोनिका ने कहा कि कुंभ मेला-2027 की तैयारियों में श्रद्धालुओं की सुविधा के साथ स्थानीय नागरिकों की दीर्घकालीन जरूरतों का भी ध्यान रखा जा रहा है। कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी व्यवस्था की गई है। प्रतिनिधिमंडल में वीरेंद्र कुमार चट्टा, विवेक मिश्रा, भारत केसवानी, गंगा सिंघल और रणजीत सिंह आदि शामिल रहे। इस अवसर पर अपर मेलाधिकारी दयानंद केसी नालियों का निर्माण और आवश्यक

नवरात्रि से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग की सघन कार्रवाई, 6 विधिक नमूने लिए

हरिद्वार (शिखर समाचार)। आगामी नवरात्रि पर्व और यात्रा सीजन को देखते हुए खाद्य पदार्थों में मिलावट, गुणवत्ता में कमी तथा एक्सपायरी सामग्री के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की ओर से सघन निरीक्षण अभियान चलाया गया। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तराखंड विनय शंकर पांडे और जिलाधिकारी हरिद्वार मनूर दीक्षित के निर्देश पर मंगलवार को सहायक आयुक्त एवं अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन हरिद्वार महिमाकंद जोशी के नेतृत्व में नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न प्रतिष्ठानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। अभियान के दौरान कनखल स्थित ब्लिंकिट कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड के वेयरहाउस का निरीक्षण किया गया। सदैह के आधार पर कुट्टू के आटे के दो और पनीर के दो, कुल चार विधिक नमूने जांच के लिए लिए गए। निरीक्षण के दौरान कार्मिकों का चिकित्सकीय स्वास्थ्य प्रमाणपत्र, कीट नियंत्रण रिपोर्ट, चूहों की रोकथाम संबंधी व्यवस्था और खाद्य सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली योजना से जुड़े अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए गए। इस पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 32 के तहत नोटिस जारी किया गया। इसके अलावा जगजीतपुर, कनखल स्थित सुकून बाय द गगेज होटल का भी निरीक्षण किया गया। होटल का संचालन परफेक्ट स्टेज होटल्स एंड रिजॉर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा



रहा है। यहाँ आटा और चावल सहित दो विधिक नमूने लिए गए। रसोई में खाद्य पदार्थों के निर्माण में इस्तेमाल की जा रही कुछ कच्ची सामग्री एक्सपायरी तिथि के बाद की मिली। इस पर संबंधित अधिनियम की धाराओं के तहत होटल के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। होटल प्रबंधन द्वारा कार्मिकों की चिकित्सकीय जांच, कीट नियंत्रण, पेयजल और खाद्य पदार्थों की जांच से संबंधित अभिलेख भी प्रस्तुत नहीं किए गए। इन्हें एक सप्ताह के भीतर कार्यालय में जमा करने के निर्देश दिए गए। अभियान में कुल छह विधिक नमूने लिए गए हैं, जिन्हें प्रयोगशाला जांच के लिए भेजा जा रहा है। रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया कि नवरात्रि और यात्रा सीजन के दौरान निरीक्षण तथा नमूना संग्रहण अभियान लगातार जारी रहेगा।

बद्रीनाथ धाम में 2023 का टूटा रिकॉर्ड, इस साल अब तक 18.67 लाख श्रद्धालु पहुंचे

चमोली (एजेंसी)। बद्रीनाथ धाम की तीर्थयात्रा ने इस साल एक नया रिकॉर्ड बनाया है। अब तक 18.67 लाख से ज्यादा श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। तीर्थयात्रियों की संख्या 2023 में बने 18.39 लाख भक्तों के पिछले रिकॉर्ड को पहले ही पार कर चुकी है। बद्रीनाथ धाम आने वाले भक्तों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी के बीच, इस साल अक्टूबर के पहले हफ्ते में ही रिकॉर्ड टूट गया। तीर्थयात्रा में लोगों की भारी भीड़ को देखते हुए उम्मीद है कि इस साल भक्तों की संख्या 20 लाख का आंकड़ा पार कर जाएगी। अधिकारी और प्रशासन स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रविवार को 14,000 से ज्यादा भक्त बद्रीनाथ धाम पहुंचे और भगवान बद्री नाथ की पूजा-अर्चना की। तीर्थयात्रा को कड़ी निगरानी और तैयारी के साथ आयोजित किया जा रहा है, जिसमें भक्तों की सुरक्षा को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी जा रही है। रुद्रप्रयाग, चमोली और उत्तरकाशी जिलों में आपदा प्रबंधन विभाग को चौबीसों घंटे अलर्ट है। ये जिले चार धाम यात्रा मार्ग से जुड़े अहम जिले हैं। चार धाम यात्रा के दूसरे चरण में मानसून के बाद तीर्थयात्रियों की आवाजाही में फिर से तेजी आई है और बद्रीनाथ धाम की ओर जाने वाले भक्तों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक तीर्थयात्रियों की बढ़ती भीड़ के कारण बद्रीनाथ नेशनल हाइवे पर कई जगहों पर जाम जैसी स्थिति पैदा हो गई, जिससे मंदिर की ओर जाने वाले भक्तों को परेशानी का सामना करना पड़ा। रास्ते में गाड़ियों की संख्या बढ़ने के कारण कर्णप्रयाग और बद्रीनाथ के बीच कई जगहों पर लंबी कतारें देखी गईं। अधिकारी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं।

मणिशंकर के बयान पर सिब्बल का पलटवार: भारत ही क्यों करे शांति के लिए रियायत?

पूर्व विदेश सचिव ने कांग्रेस नेता को दिखा दिया आईना

नई दिल्ली, एजेंसी।

पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर के भारत-पाकिस्तान और भारत-चीन संबंधों को लेकर दिए बयान ने नई बहस छेड़ दी है। उनके बयान पर पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने तीखी प्रतिक्रिया देकर सवाल उठाया है कि क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए भारत ही क्यों एकतरफा रियायतें दे, जबकि पड़ोसी देश बदले में क्या देने को तैयार हैं? दरअसल पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर ने कहा था कि दक्षिण एशिया की एक मजबूत आवाज तभी सामने आ सकती है, जब भारत पाकिस्तान के साथ शांति स्थापित करे और चीन के साथ सीमा विवाद सुलझाए। उन्होंने जोर दिया कि इन दोनों मामलों का समाधान बातचीत से ही संभव है। पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर ने सवाल उठाया कि जब भारत सर्जिकल स्ट्राइक करने का साहस दिखा सकता है, तब फिर



पाकिस्तान के साथ बातचीत की मेज पर बैठने का साहस क्यों नहीं दिखाता। वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर के बयान पर कंवल सिब्बल ने पलटवार कर दिखा

आतंकी हमले के बाद भी शांति की कोशिश की, लेकिन इसका कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने सार्क को भी प्रभावी रूप से निष्क्रिय कर दिया है। पूर्व विदेश सचिव सिब्बल ने सवाल किया कि



की प्रधानमंत्री उम्मीदवारी को लेकर नए सिरे से बहस शुरू हो सकती है।हाल ही में ऐसी खबरें भी आई थीं कि द्रविड़ मुन्नेत्र कडगम सांसद कनिमोई कांग्रेस के बिना तीसरे मोर्चे के लिए एकत्रिय दलों

को एकजुट करने का प्रयास कर रही हैं। इस संबंध में उन्होंने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से भी मुलाकात की थी, हालांकि इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी।

एंबुलेंसों पर परिवहन विभाग का शिकंजा, 22 वाहनों पर सीज और चालान की कार्रवाई



बिजनौर (शिखर समाचार)। मरीजों के सुरक्षित सफर को सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग ने असुरक्षित एंबुलेंस के खिलाफ जिलेभर में सघन जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाली 22 एंबुलेंस के विरुद्ध सीज और चालान की कार्रवाई की गई। अचानक हुई इस कार्रवाई से एंबुलेंस संचालकों और वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। मरीजों के असुरक्षित परिवहन पर रोक लगाने के लिए सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी महेश शर्मा ने दो विशेष टीमों का गठन किया था। पहली टीम का नेतृत्व स्वयं महेश शर्मा ने किया, जबकि दूसरी टीम की कमान यात्री कर अधिकारी मुन्ना लाल ने संभाली। दोनों टीमों ने जिला मुख्यालय के अलावा धामपुर, नगीना रोड, नजीबाबाद और नूरपुर क्षेत्रों में एक साथ जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान अधिकारियों ने सवेदनशीलता का भी पूरा ध्यान रखा। टीमों ने केवल उन्हीं एंबुलेंस वाहनों को जांच के लिए रोका, जो खाली थीं और जिनमें कोई मरीज सवार नहीं था। जांच के दौरान वाहनों के वैधता प्रमाण पत्र, बीमा तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की बारीकी से पड़ताल की गई। नियमों में खामियां मिलने पर संबंधित वाहनों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई। कार्रवाई से बचने के लिए कुछ वाहन चालकों ने अधिकारियों से सिफारिश करने का प्रयास भी किया, लेकिन टीमों ने नियमों के अनुरूप कार्रवाई जारी रखी। अधिकारियों ने एंबुलेंस चालकों को जागरूक करते हुए कहा कि एंबुलेंस में पहले से ही अस्वस्थ मरीज सफर करता है। ऐसे में वाहन में तकनीकी खराबी या जरूरी दस्तावेजों का अभाव मरीज की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। इसलिए एंबुलेंस का पूरी तरह फिट और नियमों के अनुरूप होना बेहद जरूरी है।

स्वच्छता अभियान में स्वयंसेवकों ने किया श्रमदान, भाषण प्रतियोगिता में इरम प्रथम और तनु ने पाया दूसरा स्थान खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। श्री कुंद-कुंद जैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खतौली में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में सेवा संकल्प अभियान एवं स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण के लिए प्रेरित करना रहा। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए महाविद्यालय परिसर, कक्षाओं और आसपास के सार्वजनिक क्षेत्रों में श्रमदान कर सफाई की। स्वयंसेवकों ने



पॉलीथिन और प्लास्टिक कचरे का निस्तारण करने के साथ लोगों को अपने आसपास का वातावरण स्वच्छ रखने के लिए जागरूक किया। इस दौरान विद्यार्थियों और प्राध्यापकों ने स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने तथा समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर नीतू वशिष्ठ ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मां शाकुमरी विप्लविद्यालय, सहारनपुर परिसर में आयोजित विषयविद्यालय स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में महाविद्यालय के चार विद्यार्थियों इरम, समद, तनु और अनुका ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में शामली, मुजफ्फरनगर और सहारनपुर जणपदों के करीब 150 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने विकसित भारत की विभिन्न योजनाओं पर अपने विचार रखे। महाविद्यालय की छात्रा इरम ने प्रथम और तनु ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर संस्थान का नाम रोशन किया। विद्यार्थियों के वापस लौटने पर प्राचार्या नीतू वशिष्ठ सहित महाविद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों ने विजेता छात्राओं को शुभकामनाएं दीं।

रामलीला के मंचन से गुंजा शाहपुर, भगवान राम के आदर्शों को जीवन में उतारने का आह्वान



शाहपुर/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। शाहपुर कस्बे में श्री आदर्श रामलीला कमेटी के तत्वावधान में आयोजित 15 दिवसीय रामलीला महोत्सव का विधिवत शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि सुधीर अग्रवाल, अशोक कुमार अग्रवाल, राज्यमंत्री कपिलदेव अग्रवाल, पूर्व मंत्री योगराज सिंह और पूर्व विधायक उमेश मलिक ने फीता काटकर रामलीला महोत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अतिथियों ने भगवान राम के आदर्शों और उनके जीवन चरित्र से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। राज्यमंत्री कपिलदेव अग्रवाल ने कहा कि भगवान राम त्याग और मयादां के अनूठे उदाहरण हैं। उनके जीवन चरित्र को अपनाकर खलि अपने जीवन को बेहतर बना सकता है। पूर्व मंत्री योगराज सिंह ने कहा कि रामायण का प्रत्येक पात्र, चाहे वह नायक हो अथवा खिलनायक, समाज को कोई न कोई महत्वपूर्ण शिक्षा प्रदान करता है। पूर्व विधायक उमेश मलिक ने कहा कि मयादां पुरुषोत्तम भगवान राम के जीवन से प्रेरणा लेकर उनके बताए मार्ग पर चलने से मनुष्य जीवन की कठिनाइयों को पार कर सकता है। रामलीला कमेटी के संरक्षक श्यामपाल सिंघल ने कहा कि युगों से चली आ रही रामलीला की परंपरा आज भी लोगों के बीच पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ कायम है। रामलीला का मंचन देखने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इससे पहले समाजसेवी अरविंद पात और सपा नेता सत्येंद्र पात ने दीप प्रज्वलित किया। कार्यक्रम में समाजसेवी उमेश मितल, पूर्व चेयरमैन राजेश सिंघल, पूर्व सभासद चंदवीर सिंह, डॉ. गौरव सेनी, सपा नेता श्यामपाल, बच्ची सेनी, सभासद मनोज सेनी सहित रामलीला कमेटी के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

दौड़ प्रतियोगिता में युवाओं ने दिखाया दमखम, जूनियर वर्ग में साहिल और सीनियर में फरमान अव्वल
थानाभवन/शामली (शिखर समाचार)। युवाओं में खेल भावना, अनुशासन और स्पर्ध प्रतियर्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर पंचायत थानाभवन की ओर से मंगलवार को दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ग्राम रशीदगढ़ के पास स्थित अंडरपास से किसान इंटर कॉलेज मेला मैदान तक आयोजित प्रतियोगिता में जूनियर और सीनियर वर्ग के युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ चेयरमैन पति हाजी राव जगशेद और अधिशासी अधिकारी जितेंद्र राणा ने किया। दौड़ के दौरान प्रतिभागियों ने जीत के लिए पूरा दमखम लगाया। जूनियर वर्ग में साहिल ने प्रथम, अरमान ने द्वितीय तथा शिवा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं सीनियर वर्ग में फरमान ने प्रथम, अजीम ने द्वितीय और हिमाशु ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता के समापन पर नगर पंचायत की ओर से दोनों वर्गों के विजेता प्रतिभागियों को मेडल, ट्रॉफी और धनराशि देकर सम्मानित किया गया। आयोजकों ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने के साथ ही खेलों के प्रति प्रोत्साहन मिलता है। कार्यक्रम में सभासद विनोद सेनी, कहेया सेनी, अथर सिद्दीकी, दिनेश कुमार, राजवीर, महावीर पाल, सुशील सभासद सहित दौड़ कमेटी के सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन रविंद्र सेनी ने किया।

फरियाद लेकर पहुंचे लोगों को डीएम ने दिया भरोसा, बोले- शिकायतों के समाधान में नहीं चलेगी लापरवाही

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई करते हुए जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना। बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी

फरियादी को अपनी समस्या के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। संबंधित अधिकारी शिकायतों की जांच करते हुए नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई करें और शिकायतकर्ता को की गई कार्रवाई से अवगत कराएं। उन्होंने जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की नियमित समीक्षा करने के भी निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने विशेष रूप से गरीब, पिंडित, दिव्यांग, बुजुर्ग और बेसहारा व्यक्तियों की समस्याओं को



प्राथमिकता के आधार पर हल कराने को कहा। साथ ही पात्र लोगों को शासन द्वारा संचालित

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश

दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में

सवेदनशीलता, मानवीय दृष्टिकोण और जिम्मेदारी की भावना के साथ काम किया जाए। प्रत्येक प्रकरण में तथ्यों की जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही, उदासीनता या अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनसुनवाई में अपर जिलाधिकारी प्रशासन, अपर जिलाधिकारी भू एवं राजस्व, अपर जिलाधिकारी न्यायिक, सिटी मजिस्ट्रेट सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

विद्यालय निरीक्षण में विशेष सचिव ने परखी व्यवस्थाएं, बच्चों की वैज्ञानिक गतिविधियों की सराहना

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। शासन के विशेष सचिव डॉ. राजेश कुमार प्रजापति ने विकासखंड कोतवाली देहात के कपोजित विद्यालय सैदपुरी महोचंद का निरीक्षण कर विद्यालय में उपलब्ध शैक्षिक एवं भौतिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। विद्यालय पहुंचने पर छात्राओं ने तिलक लगाकर विशेष सचिव का स्वागत किया। विकासखंड कोतवाली की खंड विकास अधिकारी ज्योति चौधरी और खंड शिक्षा अधिकारी इंद्रजीत सिंह ने पुष्पखंड भेंट कर उनका स्वागत किया। इस दौरान विद्यालय के बच्चों ने रंगारंग एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। निरीक्षण के दौरान विशेष सचिव ने विद्यालय की शैक्षिक गतिविधियों, उपलब्ध संसाधनों और अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों में बच्चों की सहभागिता देखी तथा विद्यार्थियों से



संवाद कर उनकी पढ़ाई, विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं और मध्याह्न भोजन के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विद्यालय में संचालित एलबीडी प्रयोगशाला का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रयोगशाला में स्थापित दूरबीन का उद्घाटन किया। विशेष सचिव ने विद्यालय में उपलब्ध शैक्षिक संसाधनों और बच्चों के लिए किए जा रहे नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियां विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, जिज्ञासा और आत्मविश्वास

विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। निरीक्षण के दौरान विकासखंड के संबंधित अधिकारी-कर्मचारी तथा मुख्यमंत्री फेलो डॉ. मोनिका शर्मा उपस्थित रहें। अधिकारियों ने विभिन्न विभागों की योजनाओं और उनके क्रियान्वयन को जानकारी विशेष सचिव को दी। समग्र निरीक्षण के दौरान विद्यालय की शैक्षिक गतिविधियों, बच्चों की सहभागिता, उपलब्ध संसाधनों और शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की गई।

नॉन-आरटीओ के नाम पर बिक रही इलेक्ट्रिक स्कूटरियों पर शिकंजा, दो वाहन जांच के लिए जब्त

हरिद्वार (शिखर समाचार)। 'बिना आरटीओ पंजीकरण' और 'बिना लाइसेंस' के नाम पर बेची एवं संचालित की जा रही इलेक्ट्रिक स्कूटरियों को लेकर परिवहन विभाग ने जांच अभियान चलाया। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देश पर सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन नेहा झा और सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन निखिल शर्मा के संयुक्त नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान दो इलेक्ट्रिक स्कूटरियों को विस्तृत तकनीकी परीक्षण के लिए जब्त किया गया। संबंधित विक्रेताओं से स्पष्टीकरण भी मांगा गया है।

जांच के दौरान कुल स्कूटरियों में पंजीकरण से छूट प्राप्त वाहनों के लिए निर्धारित अधिकतम गति और मोटर क्षमता संबंधी मानकों के उल्लंघन के प्रथमदृष्टया संकेत मिले। जल्द वाहनों की अधिकतम गति, मोटर की निर्धारित क्षमता, मॉडल के परीक्षण प्रमाणपत्र और प्रमाणित तकनीकी विनिर्देशों का



मिलान किया जाएगा। साथ ही यह भी जांच होगी कि वाहन की गति या तकनीकी क्षमता बढ़ाने के लिए कोई अनधिकृत बदलाव तो नहीं किया गया है। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया कि केवल इलेक्ट्रिक वाहन होने या विक्रेता द्वारा उसे नहॉन-आरटीओ बताने से पंजीकरण से छूट नहीं

मिलती। छूट निर्धारित शर्तों और अधिकृत परीक्षण संस्था के प्रमाणन पर निर्भर करती है। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर पंजीकरण, वैध लाइसेंस, बीमा और अन्य कानूनी प्रावधान लागू होंगे। विभाग ने खरीदारों और अभिभावकों से अपील की कि केवल विज्ञापन या मौखिक दावे

के आधार पर स्कूटी न खरीदें। वाहन की अधिकतम गति, मोटर क्षमता, परीक्षण प्रमाणपत्र और पंजीकरण से छूट का आधार अवश्य जांचें। उल्लंघन की पुष्टि होने पर संबंधित विक्रेताओं और जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ मोटर यान अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

श्रीराम बारात में महाकाल की सवारी, नासिक के ढोल और जयपुर के हाथी रहेंगे मुख्य आकर्षण

सहारनपुर (शिखर समाचार)। श्री रामलीला कमेटी पंजीकृत के तत्वावधान में आगामी 10 अक्टूबर को निकाली जाने वाली मयादां पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की भव्य बारात को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। स्थानीय प्राचीन रामलीला भवन में पत्रकार वार्ता के दौरान कमेटी के प्रधान विनय जिंदल ने बताया कि इस वर्ष श्रीराम बारात में उज्जैन के महाकाल की सवारी एवं पालकी, नासिक का ढोल दल, शहनाई, आकर्षक झांकियां तथा जयपुर से आए हाथी प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इसके अलावा आगरा सहित विभिन्न स्थानों से आने वाले बैड-बाजे भी बारात की शोभा बढ़ाएंगे। उन्होंने बताया कि 7 अक्टूबर को श्री रामलीला मैदान, बेहट रोड स्थित बेहट बस स्टैंड पर रात्रिकालीन लीला में भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के जन्म का मंचन किया



जाएगा। इसी दिन श्री रामलीला भवन में मयादां पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न एवं माता जानकी की वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा-अर्चना कर प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। पत्रकार वार्ता में मंत्री आलोक अग्रवाल, उत्सव संचालक सचिन गोयल, कोषाध्यक्ष सौरभ मित्तल, सह उत्सव संचालक कपिल कंसल, अनिल गर्ग, रंगमंच निर्देशक नीरज गर्ग, अमित गर्ग, वरिष्ठ

उपप्रधान चौधरी माईदयाल मित्तल, पवन गोयल, वरिष्ठ उपमंत्री अमित सिंघल, कार्यालय सचिव मनोज गुप्ता, मुकेश सिंघल, हितेश गर्ग, संजय करणवाल, विश्वनाथ गोयल, मनुज तावयल, अनुज तावयल, अनिल अग्रवाल, अंशुल अग्रवाल, विभोर जिंदल, कमल चौरसिया, नवीन मोहेश्वरी, अनिल चौहान, सन्नी प्रधान, नवीन गुप्ता (बाबू) और मीडिया प्रभारी नवीन गर्ग मौजूद रहे।

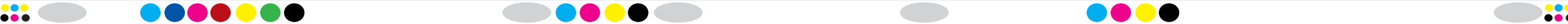
मेरठ खंड स्नातक-शिक्षक निर्वाचन को लेकर तैयारियां तेज, 23 अक्टूबर को होगा मतदान

शामली (शिखर समाचार)। मेरठ खंड स्नातक एवं मेरठ खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचन-2026 को लेकर मंगलवार को जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी आलोक यादव की अध्यक्षता में प्रभारी तथा सहायक प्रभारी अधिकारियों की बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्वाचन प्रक्रिया समयबद्ध, स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मतदान से संबंधित सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय सीमा में पूरी करने और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतने को कहा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्येंद्र सिंह ने बताया कि नाम निर्देशन की अंतिम तिथि छह अक्टूबर, नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा सात अक्टूबर तथा नाम



वापसी की अंतिम तिथि नौ अक्टूबर निर्धारित की गई है। मतदान 23 अक्टूबर को सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक होगा, जबकि मतगणना 27 अक्टूबर को कराई जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि जनपद में मेरठ खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए पांच मतदान केंद्र और 16 मतदान स्थल निर्धारित किए गए हैं। वहीं, मेरठ खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए पांच मतदान केंद्र और छह

मतदान स्थल बनाए गए हैं। जिलाधिकारी ने निर्वाचन कार्य में लगाए जाने वाले कार्मिकों का डाटा समर्थ से अद्यतन करने तथा मतदान केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूरी करने के निर्देश दिए। पोलिंग पार्टियों की रवानगी 22 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट शामली से होगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्येंद्र सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला सहित संबंधित प्रभारी एवं सहायक प्रभारी अधिकारी मौजूद रहे।



संक्षिप्त

समाचार

800 मीटर दौड़ में सबसे तेज दौड़े सुभाष बरेली , एजेंसी। जय प्रकाश नारायण इंटर कॉलेज की ओर से बिथरी गांव के खेल मैदान पर सोमवार को तहसील स्तरीय शैक्षिक युवा क्रीडा समारोह का आयोजन हुआ। इसका शुभारंभ जय प्रकाश इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. लाल बहादुर गंगवार ने किया। तहसील स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में 800 मीटर सीनियर वर्ग में एसएसटी इंटर कॉलेज के सुभाष ने प्रथम, लालता प्रसाद सरस्वती विद्या नॉटर् इंटर कॉलेज के अंश ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। जूनियर वर्ग में 800 मीटर में कृष्ण गंगवार ने प्रथम और जीजस इंटर कॉलेज के विनाय ने दूसरा स्थान हासिल किया।100 मीटर सीनियर वर्ग में लालता प्रसाद इंटर कॉलेज के समीर ने पहला स्थान और सुभाष एसएसटी कॉलेज ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर सीनियर वर्ग में जीएएसएस इंटर कॉलेज के मोहम्मद आशिक ने प्रथम और दरबारी लाल शर्मा इंटर कॉलेज के जुनैद खान ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। उंची कूद में आर्युष मिश्रा ने लालता प्रसाद इंटर कॉलेज और अंकुश श्री कृष्ण इंटर कॉलेज ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। इस मौक पर मलवीर प्रसाद, निरेंद्र कुमार, पूर्व प्रोटीआई तुलशन आदि लोग मौजूद रहे।.....

वृद्धावस्था पेंशन की पहली किस्त 1.82 लाख रुपये खातों में भेजी गई

गोरखपुर , एजेंसी। मिले के करीब 1.82 लाख वृद्धावस्था पेंशन लाभार्थियों के बैंक खातों में वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली त्रैमासिक किस्त भेज दी गई है। लाभार्थी जून से ही पहली किस्त का इंतजार कर रहे थे। साथ ही पिछले वित्तीय वर्ष की करीब ४1 हजार लाभार्थियों की लंबित चौथी किस्त भी खातों में भेजी गई है। विभाग के अनुसार दूसरी त्रैमासिक किस्त भी जल्द जारी की जाएगी। जिला समाज कल्याण अधिकारी महेंद्र कुमार ने बताया कि 80 वर्ष और उससे अधिक आयु के पेंशनरों को दो किस्तों में कुल 3000 रुपये मिलेंगे। पहली किस्त में 1500 और दूसरी में 1500 रुपये दिए जाएंगे। पहली किस्त मिलने के बाद शेष राशि के लिए कार्यालय के चक्कर लगाने या अर्द्धजीआरएस पर शिकायत करने की जरूरत नहीं है।.....

एचआईवी जागरूकता के लिए दौड़ लगाएंगे 600 युवा

लखनऊ , एजेंसी। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएच) और उत्तर प्रदेश स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी की ओर से सात अक्टूबर को डेड र्कन उत्तर प्रदेश-2026 मैथनयन का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली और एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूक करना है। कुलपति प्रो. राज कुमार शितल के निदेशानुसार मैथनयन में करीब 600 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। इसमें राज्य स्तर की 10 किलोमीटर दौड़ के करीब 100 प्रतिभागियों के अलावा अन्य विश्वविद्यालयों के 17 से 25 वर्ष आयु वर्ग के करीब 500 प्रतिभागी शामिल होंगे। कार्यक्रम समनव्ययक प्रो. पवन कुमार चौरसिया ने बताया कि दौड़ शर्कट पथ की सर्विस लेन पर रहेगी। प्रतिभागी सुबह 4:30 बजे पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान विद्यापीठ के मैदान में एकत्र होंगे। वहां पंजीकरण के बाद टी-शर्ट और चेस्ट नंबर दिए जाएंगे। पांच बजे जुम्बा और रैंक बैंग प्रस्तुति होगी। 5:30 बजे लाइन-अप और सुबह छह बजे मैथनयन को पलैंग-ऑफ किया जाएगा। स्टूट पर मॉनिटरिंग और हर्डइंशन पीडेंट बनाए जाएंगे। विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं को कुल 1.40 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। 10 और पांच किलोमीटर की दूरुष एवं महिला श्रेणियों में विजेताओं को मेडल और प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे।.....

सूर्य घर योजना के कैंप में मिलेगा सब्सिडी से लेकर ऋण और कनेक्शन तक का लाभ

वाराणसी , एजेंसी। सेवा सफल अभियान के तहत सोमवार को ब्लॉक मुख्यालय पर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने और पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए स्टॉल लगाए गए। बाल विकास, स्वच्छता, कृषि और स्वयं सहायता समूह के साथ प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना की जानकारी देने के लिए भी स्टॉल लगाया गया। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत डीजी पावर सिस्टम, पैनलबस्टर पंचकोशी की ओर से तीन से सात सितंबर तक कैंप लगाया जा रहा है। कैंप में सोलर पावर प्लांट लगवाने पर 1.08 लाख रुपये तक की सब्सिडी के साथ तत्काल पंजीकरण, ग्रा और बिजली कनेक्शन संबंधी सुविधाओं की जानकारी दी जा रही है। पात्र लोगों को योजना का लाभ लेने के लिए आवश्यक प्रक्रिया भी बताई जा रही है। कैंप का शुभारंभ खंड विकास अधिकारी रिया सेनौ ने किया। लखनऊ से पहुंचे आरईसी तकनीकी अधिकारी आर्युष गर्ग, इंजीनियरिंग एवं परियोजना अधिकारी चंद्र प्रकाश गौतम समेत अधिकारियों ने स्टॉलों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने वार्मीनों को सौर ऊर्जा के उपयोग से लेने वाले लाभों की जानकारी देते हुए पात्र लोगों से योजना का लाभ उठाने की अपील की। इस दौरान एडीओ पर्यायत प्रमोद चौबे, एडीओ सांख्यिकी हवलदार यादव, डीजी पावर सिस्टम के निदेशक सुबेदार यादव समेत अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।.....

सीएचसी का राज्य महिला आयोग अध्यक्ष ने किया निरीक्षण

आगरा , एजेंसी। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने सोमवार को समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बिचपुरी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ओपीडी, प्रसव कक्ष, दंत व नेत्र चिकित्सक कक्ष, एक्स-रे और कोल्ड चेन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डिजिटल एक्स-रे मशीन सुचारु ढिली और ओपीडी में डॉ. सचिन यादव व डॉ. गीनाथी सिंह मरीजों का इलाज करते पाए गए। अध्यक्ष ने अस्पताल में गर्ती गर्भवती महिलाओं और तीमारदारों से निष्पृक दवा व जांच सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को फल वितरित कर स्वास्थ्य का ध्यान रखने की सलाह दी, वहीं किशोरियों को सेनेटरी नैपकिन बाटे। डॉ. चौहान ने अंशिक रूप से राजबीर सिंह और समस्त स्टाफ के कार्यों की सराहना की।.....

28 महीने की मेहनत और प्योर सिल्क का इस्तेमाल

वाराणसी, एजेंसी। भदोही में चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कालीन मेले में कश्मीर सिल्क की कालीन आकर्षित कर रही है। 12 बाईं 18 फीट की सिल्क की कालीन की बुनाई में 20 लाख गांठें लगाई गई हैं। इसकी कीमत 26 लाख रुपये है। सिल्क और ऊलेन से बनी माॅडर्न डिजाइन की कालीन भी पसंद की जा रही है। जम्मू कश्मीर के निर्यातक मेहराज जान ने बताया कि सिल्क के कालीन की डिजाइन ईरान से ली गई है। इसे माहिर या तजुबें वाला बुनकर ही बना सकता है। प्योर सिल्क का इस्तेमाल किया गया है। इस कालीन को छह बुनकरों ने 28 महीने में तैयार किया है। इसके एक स्क्वायर मीटर में 576 गांठें लगाई गई हैं। एक बुनकर को 40 साल से अधिक का अनुभव है। दूसरे बुनकर 10 से 15 साल का अनुभव रखते हैं। इस कालीन को तैयार करने में 60 किलो सिल्क का इस्तेमाल किया गया है। कटाई और छंटाई के बाद 45 किलोग्राम की कालीन तैयार



हुई है। **हेप्पी ट्री ऑफ लाइफ: 15 पशु, 15 पक्षी और आठ से अधिक वनस्पतियों की डिजाइन:** कश्मीर के निर्यातकों द्वारा तैयार की गई हेप्पी ट्री ऑफ लाइफ कालीन मेले में अपनी अलग पहचान बना रही है। छह बाईं नौ की इस कालीन की कीमत भले ही केवल छह लाख है, लेकिन इसमें उकेरी गई डिजाइन

शामिल हैं, बल्कि 15 तरह के पशु, 15 तरह की पक्षियां और करीब आठ तरह की वनस्पतियां उकेरी गई है। इस कालीन की अगर आप दूर से भी देखेंगे तो इसमें उकेरे गए पशु-पक्षी और वनस्पतियां आसानी से दिख जाती हैं। बताया कि इस तरह की कालीन अमेरिका और रूस जैसे देशों में अधिक पसंद किए जाते हैं। **ऊलेन की बनी माही प्लेन कालीन की कीमत 4.60 लाख रुपये :** कालीन मेले में ऊलेन कालीनों में सबसे महंगी कालीन 4.60 लाख रुपये की रही। ऊलेन की बनी इस कालीन को माही प्लेन कालीन कहा जाता है। पारंपरिक डिजाइन वाली इस कालीन में एक स्क्वायर मीटर में 256 गांठें लगाई गई हैं। घोंसिया के निर्यातक अनुराग बरनवाल ने बताया कि कालीन का बाजार पहले से बदला है, लेकिन पारंपरिक कालीनों, जिससे भदोही की पहचान हुआ करती थी। ऊलेन की इस छह बाईं आठ की कालीन की क्वालिटी 14 बाईं 70 की है। इसे तीन बुनकरों ने 90

दिनों तक बुनाई करके बनाया है। **प्लास्टिक के बोतलों के वेस्ट से बने यार्न से बनी प्रिंटेड दरियां :** वैश्विक बाजार में सस्ते कालीनों और दरियों के मांग के बीच अधिकतर निर्यातकों ने सस्ते दरियां बनाना शुरू कर दी है। इन्हीं में से एक है डिजिटल प्रिंटेड दरियां। डिजिटल प्रिंटिंग वाली दरियों की खास बात यह है कि ये प्लास्टिक के बोतलों के वेस्ट से बने यार्न (पेट यार्न) से बनीं हैं। पहले सफेद यार्न से दरियों को तैयार कर लिया जाता है। इस तरह के प्रिंटेड दरियां इस एक्सपो में दो से तीन स्टॉलों पर प्रदर्शित की गई हैं। रस्स बाईं एआरएस के स्टॉल पर बहुतायत में प्रदर्शित प्रिंटेड कालीनों की ओर देसी और विदेशी खरीदार आकर्षित रहे। स्टॉल के मैनेजर शम्भु अब्बास ने बताया कि हमारा विदेशी के साथ-साथ डोमेस्टिक बाजार पर भी ध्यान है। देश के मेट्रो सिटीज़ मुंबई, बंगलूरु, चेन्नई, नई दिल्ली, हैदराबाद, गुरुग्राम समेत पर्यटक बहुलता वाले शहरों में ज्यादा मांग है।

अब मरीज जान सकेंगे अस्पताल ने दवा कितने में खरीदी, कितने में बेची; वयूआर स्कैन कर सब पता चलेगा

लखनऊ, एजेंसी। अस्पतालों की फार्मेसी में दवाओं की कीमत को लेकर पारदर्शिता बढ़ाने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने नई व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए हैं। अस्पताल परिसर या भर्ती मरीजों के लिए संचालित फार्मेसियों को अपनी वेबसाइट पर दवाओं की खरीद और मरीज को बिक्री कीमत की जानकारी देनी होगी। मरीज या उनके परिजन वयूआर कोड स्कैन कर यह जानकारी मोबाइल पर देख सकेंगे। अस्पताल फार्मेसियों को वेबसाइट पर दवा के निर्माता, ब्रांड, जेनरिक नाम, प्राइस टू रिटेल (पीटीआर) और प्राइस टू कंज्यूमर (पीटीसी) बताना होगा। पीटीआर वह कीमत है जिस पर फार्मेसी ने निर्माता या मार्केटर से दवा खरीदी है, जबकि पीटीसी वह कीमत है जिस पर मरीज को दवा दी जा रही है। यह व्यवस्था दवाओं के साथ मेडिकल डिवाइस और न्यूट्रस्यूटिकल्स पर भी लागू होगी। **हर रिटेल फार्मेसी को बनानी होगी वेबसाइट :** एफएसडीए के निर्देश के मुताबिक सभी रिटेल फार्मेसियों को पब्लिक वेबसाइट

बनानी होगी। इसमें फार्मेसी का नाम, लाइसेंस नंबर, लाइसेंस धारक का नाम और परिसर का पता देना होगा। फार्मेसी या अस्पताल के फार्मासिस्ट का नाम, पंजीकरण नंबर और फोटो भी वेबसाइट पर उपलब्ध कराना होगा। स्टॉक की जानकारी हर सप्ताह अपडेट करनी होगी। वेबसाइट का यूआरएल और वयूआर कोड फार्मेसी काउंटर पर प्रमुखता से लगाना होगा। इसलिए व्यवस्था बदलने की कवायदएफएसडीए की हालिया जांच में अस्पतालों की 214 फार्मेसियों से मिले आंकड़ों में 130 दवाओं का विश्लेषण किया गया। इसमें 36 दवाओं की एमआरपी खरीद कीमत से 10 गुने से ज्यादा थी। कुछ मामलों में अंतर 67 गुना तक मिला। मसलन, पॉलिमिक्सन-बी इंजेक्शन की खरीद कीमत 74.09 रुपये और एमआरपी 4,980.94 रुपये मिली। विभाग के मुताबिक, कई मामलों में निर्माता, मार्केटिंग फर्म और स्टॉकिस्ट अस्पतालों को एमआरपी से काफी कम दर पर दवाएं उपलब्ध करा रहे थे, लेकिन मरीजों तक इस छूट का पूरा लाभ पहुंचने पर सवाल उठे। इसी वजह से खरीद और बिक्री कीमत सार्वजनिक करने की व्यवस्था की जा रही है।

सीएम ने किया हवाई दौरा, फैजुल्लागंज से नैमिष तटबंध बनाने की घोषणा, पीड़ित परिवारों से मिले

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी में बाढ़ से बचाव के लिए करीब 40 किलोमीटर लंबा फैजुल्लागंज से नैमिष तक तटबंध बनेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के बाद यह घोषणा की। उन्होंने बताया कि तटबंध की स्वीकृति दे दी गई है। मानसून समाप्त होने के बाद धनराशि जारी कर निर्माण शुरू कराया जाएगा। ग्रीन कोरिडोर की तर्ज पर बनने वाले इस तटबंध के ऊपर एक रास्ता बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सिंचाई विभाग के प्रमुख सचिव को गोमती किनारे सर्वे कर प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। तटबंध के बाहर बारिश का पानी जमा न हो, इसके लिए पंपिंग सेट लगाए जाएंगे। इनसे नदी का जलस्तर बढ़ने पर आबादी क्षेत्र में जमा पानी बाहर निकाला जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने फैजुल्लागंज से नैमिष तक हवाई सर्वे भी किया। उन्होंने बीकेटी में बाढ़ प्रभावित



परिवारों से मुलाकात कर राहत सामग्री बांटी। राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लेते हुए परिवार को आवास योजना से घर दिया जाएगा। पशुहानि की भरपाई और फसल नुकसान का सर्वे कर किसानों को मुआवजा मिलेगा। राजधानी में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर सीएम योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को बाढ़ प्रभावितों को राहत शिविरों में पहुंचाने के निर्देश दिए। सीएम ने कहा, शिविरों में गए परिवारों के

खाली घरों की सुरक्षा के लिए पुलिस, होमगार्ड, पीआरडी और चौकीदार रात में गश्त करेंगे। बाढ़ प्रभावित इलाकों में स्वास्थ्य केंद्रों पर एंटी स्लेक वेनम उपलब्ध रहेगा। कुत्ते या अन्य जानवर के काटने पर एंटी रेबीज इंजेक्शन भी मिलेंगे। प्रभावित क्षेत्रों में मेडिकल और पशु चिकित्सा शिविर भी लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ प्रभावित परिवारों को 26 जरूरी वस्तुओं वाली राहत किट दी जा रही है। इसमें 10 किलो चावल, 10 किलो आटा, 10 किलो आलू, एक लीटर तेल, नमक, मसाले और बरसाती जैसे सामान शामिल हैं। राहत शिविरों में बिजली न होने पर पेट्रोमैक्स और सोलर लाइट की व्यवस्था होगी। रक्षा मंत्री व शहर सांसद राजनाथ सिंह ने सोमवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को फोन कर राजधानी में बाढ़ की स्थिति की जानकारी ली।

केजीएमयू के प्रोफेसर को हाईकोर्ट से राहत नहीं



लखनऊ, एजेंसी। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने केजीएमयू के प्रोफेसर आशीष वाखलू को राहत नहीं दी। कोर्ट ने सेवा समाप्ति समेत अलग-अलग मामलों में दाखिल उनकी सभी याचिकाएं और अवमानना याचिका खारिज कर दी।

न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की एकलपीठ ने सभी मामलों की एक साथ सुनवाई कर फैसला सुनाया। कोर्ट ने प्रो. वाखलू की मुकदमेबाजी के तरीके पर गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि उन्होंने अपने खिलाफ लगाए गए मूल आरोपों और मुख्य सवालों का सामना करने के बजाय विभिन्न प्रक्रियाओं का सहारा लेकर न्यायिक प्रक्रिया को विफल करने का प्रयास किया। पीठ ने उनके आचरण को दुर्भावयपूर्ण करार दिया। प्रो. वाखलू को विभागीय जांच के बाद 10 जून 2020 को सेवा से हटाया गया था। उनके खिलाफ वित्तीय अनियमितता, वित्तीय एवं प्रशासनिक ईमानदारी के मानकों का पालन नहीं करने और धन के गबन समेत आरोप थे।

इच्छाओं के पीछे न भागें, चिंताओं को विराम दें, देवी चित्रलेखा ने दिए ऐसे मंत्र; जो रखेंगे हमेशा खुश

आगरा, एजेंसी। इच्छाओं के पीछे भागते-भागते हम अपने जीवन का सुख और समय दोनों बर्बाद कर देते हैं। सुबह आंख खुलने पर मोबाइल देखने की बजाय प्रभु का स्मरण करें और सोने से पहले दिनभर की चिंताओं को विराम देकर परमात्मा को धन्यवाद दें। जीवन में सुखी रहने के लिए जरूरी है कि हम यह समझें कि वास्तव में हमें कितनी चीजों की जरूरत है। यह संदेश प्रख्यात आध्यात्मिक सत्ता एवं कथा वाचिका देवी चित्रलेखा ने सोमवार को सुसदन प्रेक्षागृह में आयोजित जीवांजलि : विचारों से बदलाव तक कार्यक्रम में दिया।

जीवांजलि के करीब एक घंटे के कार्यक्रम में देवी चित्रलेखा ने जीवन को सकारात्मक बनाने के कई सूत्र बताए। उन्होंने कहा कि दिन की शुरुआत उस परमात्मा के स्मरण से होनी चाहिए, जिसने हमें जीवन दिया। कुछ समय प्रभु, गुरु और अहम् विचारों के लिए निकालना चाहिए। इसी तरह रात में सोते समय चिंताओं को तिलांजलि देकर परमात्मा को धन्यवाद देना चाहिए कि उन्होंने

हमें एक और दिन जीवन जीने का अवसर दिया।

तीन सूचियां बनाकर देखिए, वास्तव में जरूरत कितनी है : देवी चित्रलेखा ने श्रोताओं को गृहकार्य भी दिया। उन्होंने कहा कि घर जाकर तीन सूचियां बनाइए। पहली सूची में उन चीजों को लिखिए, जिनके बिना जीवन चलना मुश्किल है। जैसे रोटी, कपड़ा और अन्य मूलभूत जरूरतें। दूसरी सूची में उन चीजों को रखिए, जिनके बिना भी जीवन चल सकता है लेकिन उनके होने से सुविधाएं बढ़ जाती हैं। तीसरी सूची में उन चीजों को लिखिए, जिनकी वास्तव में हमें बिल्कुल जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तीनों सूचियां सामने होंगी तो स्वयं समझ में आ जाएगा कि परमात्मा ने हमें जीवन जीने के लिए कितना कुछ पहले ही दे रखा है। हम कितनी चीजों की चिंता व्यर्थ में कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जरूरत और इच्छा के बीच का अंतर समझना जरूरी है। अनावश्यक इच्छाएं हमारे जीवन का सुख और समय दोनों बर्बाद कर देते हैं।



अच्छी सोच किसी का जीवन बदल सकती है : देवी चित्रलेखा ने न्यूटन के सिद्धांत का उदाहरण देते हुए कहा कि जैसा देंगे, वैसा ही लौटकर आने की बात श्रीमद्भगवत में भी बहुत पहले कही गई है। उन्होंने कहा कि किसी को पैसा देंगे तो वह खर्च हो जाएगा, कोई दूसरी वस्तु देंगे तो वह भी एक दिन समाप्त हो जाएगा लेकिन अगर किसी नकारात्मक सोच वाले व्यक्ति को एक धर्मपाल सिंह को प्रत्यक्षी बनाया गया, जिसके चलते रामप्रताप का टिकट

का प्रयास करना चाहिए। जो लोग लगातार नकारात्मक बातें करते हैं या हमें परेशान करते हैं, उन्हें अपने जीवन में जरूरत से ज्यादा जगह नहीं देनी चाहिए। **कहते हैं फरारी में घूमती हूं, तो एक दिन कह दिया- जाकर देख लो :** देवी चित्रलेखा ने अपने बारे में होने वाली टिप्पणियों और इंटरनेट पर होने वाली ट्रॉलिंग का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन साल से वह यह भी सुन रही हैं कि देवी चित्रलेखा फरारी (लजरी कार) में घूमती हैं। उन्होंने हंस्टे हुए एक प्रसंग सुनाया कि एक

बार कथा में किसी ने उनसे पूछ ही लिया कि देवी चित्रलेखा, आपकी फरारी कैसी चल रही है, उन्होंने भी मजाक में जवाब दिया-हम तो इसमें बैठकर आए हैं, जाकर देख लो। उन्होंने कहा कि दूसरों की नकारात्मक बातों को अपने जीवन पर इतना हावी नहीं होने देना चाहिए। जो लोग लगातार आलोचना या नकारात्मकता फैलाते हैं, उनसे दूरी बनाना बेहतर है। कोशिश होनी चाहिए कि हमारे दिमाग, आंखों और कानों में अनावश्यक नकारात्मकता का कचरा न पहुंचे। जीवन में वही चीजें भरिए, जो आपको भीतर से मजबूत और सकारात्मक बनाएं। एंग्जाइटी और डिप्रेशन पर भी उन्होंने कहा कि मन में आने वाले नकारात्मक विचारों को लगातार दोहराने के बजाय सकारात्मक सोच को जगह देनी चाहिए। मन को अनावश्यक बोझ से मुक्त रखने का प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में भक्ति संगीत की प्रस्तुति हुई। मेरी लगी श्याम संग प्रीत, दुनिया क्या जाने भजन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

कार्यक्रम के प्रायोजक : कार्यक्रम के

दादरी में चेंकिंग के दौरान दो शातिर चोर गिरफ्तार : कब्जे से 2 लाख रुपये नगद और सोने-चांदी के आभूषण बरामद

दादरी (शिखर समाचार)। दादरी कोतवाली पुलिस ने क्षेत्र में चेंकिंग के दौरान दो शातिर चोरों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 2 लाख रुपये की नगदी और सफेद व पीली धातु के भारी मात्रा में आभूषण बरामद किए हैं। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि पुलिस टीम रेलवे रोड से कटहरा रोड तिराहे के पास सड़िध वاهनों और व्यक्तियों की जांच कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने पुराना कटहरा रोड निवासी आमिर और गौतमपुरी (मेवों की चौपाल) निवासी शादाब को हिरासत में लिया। तलाशी लेते पर उनके पास से सोने-चांदी के जेवरत मिले, जिनके संबंध में पूछताछ करने पर वे कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। पुलिस द्वारा कोतवाली लाकर की गई कड़ाई से पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। आरोपियों ने बताया कि बीते 19 सितंबर को उन्होंने पुराना कटहरा रोड स्थित शमीम अहमद के मकान का ताला तोड़कर दिनदहाड़े सोने-चांदी के जेवरत और नकदी चोरी की थी, जिसकी रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों की निशानदेही पर चोरी किए गए सफेद और पीली धातु के आभूषण तथा 2 लाख रुपये नगद बरामद कर लिए हैं। पुलिस के अनुसार पकड़ा गया आरोपी आमिर आपराधिक प्रवृति का है, जिस पर पूर्व में भी आया दर्ज से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए अन्य चोरी की घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ कर रही है।

भाई की निर्मम हत्या : जमीनी विवाद में किसान नेता भोले शंकर का कत्ल, फावड़े संग सगा भाई देवेन्द्र गिरफ्तार
जेवर (शिखर समाचार)। गांव चौरौली में रविवार रात हुई किसान नेता भोले शंकर की समसनीखेज हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जमीनी विवाद में अपने सगे भाई की फावड़े से गला काटकर निर्मम हत्या करने वाले आरोपी देवेन्द्र उर्फ देवू को कोतवाली जेवर पुलिस ने सोमवार रात गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल फावड़ा भी बरामद कर लिया है। रविवार रात चौरौली निवासी किसान नेता भोले शंकर पर उनके ही सगे भाई देवेन्द्र ने अचानक फावड़े से गर्दन पर ताबड़तोड़ वार कर दिया था, जिससे मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई थी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी देवेन्द्र मौके से फरार हो गया था। मृतक के बेटे की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जेवर पुलिस हरकत में आई। कोतवाली प्रभारी अजय कुमार के नेतृत्व में आरोपी की घरपकड़ के लिए टीम गठित की गई। स्थानीय गुप्तचर सेवा और बीट पुलिस प्रणाली की मदद से पुलिस ने सोमवार रात देवेन्द्र को चौरौली अंडरपास के पास से घेरकर दबोच लिया। कड़ाई से की गई पूछताछ में आरोपी देवेन्द्र ने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि जमीनी विवाद को लेकर उसका अपने भाई भोले शंकर से विवाद चल रहा था, जिसके चलते उसने गुरसे में आकर फावड़े से काटकर उनकी हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करने की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

ओवरटेक के प्रयास में रोडवेज बस और ट्रक की भिड़ंत, कई यात्री घायल



मोदीनगर (शिखर समाचार)। दिल्ली-मेरठ मार्ग पर गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पीजी कॉलेज के सामने मंगलवार दोपहर ओवरटेक करने के प्रयास में रोडवेज बस और ट्रक की भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई, जिससे उसका अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में बस चालक और परिवालक समेत कई यात्री मामूली रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुड़ी दे दी गई। जानकारी के अनुसार हापुड़ डिपो की रोडवेज बस मंगलवार दोपहर यात्रियों को लेकर मोदीनगर की ओर आ रही थी। बस में सवार अधिकांश यात्री राज चौपाला पर उतर गए। इसके बाद बस जब गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पीजी कॉलेज के सामने पहुंची तो चालक ने ट्रक को ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान बस ट्रक से टकरा गई और इसके बाद डिवाइडर से जा भिड़ी। टक्कर भरीती तेज थी कि बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद दिल्ली-मेरठ मार्ग पर यातायात प्रभावित होने से जाम की स्थिति बन गई। दुर्घटना में बस चालक घर्मद, परिवालक वियस प्रताप तथा मोदीनगर निवासी रजनी समेत कई यात्री घायल हुए। आसपास मौजूद लोगों ने वियालों की मदद की और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को छुड़ी दे दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को मार्ग से हटवाया। इसके बाद यातायात व्यवस्था सामान्य हो सकी और वाहन चालकों ने राहत की सांस ली।

उर्वरक केंद्र से डेढ़ लाख की चोरी का खुलासा, शातिर बाप-बेटी गिरफ्तार



बिजनौर (शिखर समाचार)। चांदपुर क्षेत्र के जलीलपुर स्थित उर्वरक बिक्की केंद्र के गल्ले से डेढ़ लाख रुपये चोरी करने के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए बाप-बेटी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की रकम में से 30 हजार रुपये बरामद किए हैं। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि गिरफ्तार पिता-पुत्री अब तक इसी तरह की करीब सात वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। पुलिस दोनों के पुराने आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटा रही है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि 25 सितंबर को जलीलपुर स्थित उर्वरक बिक्की केंद्र के प्रभारी विनोद कुमार ने चांदपुर थाने में तहरीर देकर गल्ले से डेढ़ लाख रुपये चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लग्गे सीआईटीवी कैमरों की फुटेज खगाली। फुटेज में संदिग्धों के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिले। जांच के दौरान आरोपियों की पहचान सहारनपुर जिले के देवबंद क्षेत्र के गुनारसा निवासी योगेंद्र और उसकी बेटी लक्ष्मी के रूप में हुई। फुटेज में दोनों बाइक से उर्वरक केंद्र पर पहुंचते और मौका देखकर गल्ले से नकदी निकालकर फरार होते दिखाई दिए। पुलिस ने सटीक सूचना के आधार पर घेराबंदी कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की निशानदेही पर 30 हजार रुपये की नकदी बरामद हुई। पुलिस के अनुसार आरोपी बाइक से घूमकर ऐसे बिक्की केंद्रों को निशाना बनाते थे, जहां कर्मचारियों या ग्राहकों का ध्यान थोड़ी देर के लिए भटक जाता था। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर अन्य घटनाओं की जानकारी जुटाने और शेष रकम बरामद करने का प्रयास कर रही है।

कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन पर हापुड़ निवासी युवक का आईफोन चोरी, एफआईआर दर्ज
हापुड़ (शिखर समाचार)। सदर कोतवाली क्षेत्र की पंजाबी कॉलोनी निवासी एक युवक का दिल्ली के कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन पर आईफोन मोबाइल चोरी हो गया। पौडित गुरुग्राम स्थित एक अंतरराष्ट्रीय कंपनी में कर्मचारी है और काम से घर लौट रहा था। शिकायत के आधार पर कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मोबाइल की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के आधार पर घेराबंदी कर पंजाबी कॉलोनी निवासी अजय सेठी पुत्र संजय सेठी गुरुग्राम में एक अंतरराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत हैं। अजय सेठी के अनुसार 28 सितंबर की सुबह वह दिल्ली के कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन की रेल लाइन पर मौजूद थे। इसी दौरान भीड़ का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने उनकी जेब से आईफोन मोबाइल चोरी कर लिया। कुछ समय बाद मोबाइल गायब होने की जानकारी हुई तो उन्होंने आसपास काफी तलाश की, लेकिन मोबाइल का कोई पता नहीं चला।

इलाज में लापरवाही से मरीज की मौत का आरोप: आक्रोशित ग्रामीणों ने अस्पताल के बाहर किया हंगामा, तीन घंटे बाद पुलिस ने मामला कराया शांत

जेवर (शिखर समाचार)। कस्बे के खुर्जा रोड स्थित एक निजी अस्पताल पर इलाज में लापरवाही बरतने का गंभीर आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। गांव चौरौली निवासी किसान कर्मवीर (45) की बीमारी के दौरान मौत हो जाने पर परिड़ित परिवार और ग्रामीणों ने सोमवार शाम अस्पताल के बाहर प्रदर्शन किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत और समझा-बुझाकर मामले को शांत कराया। जानकारी के अनुसार, गांव चौरौली निवासी कर्मवीर को तबीयत खराब होने पर परिजनों ने उन्हें खुर्जा रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती

कराया था, जहां डॉक्टरों ने अपेंडिक्स के ऑपरेशन की सलाह दी। परिजनों का आरोप है कि कर्मवीर को 26 सितंबर को भर्ती कराया गया था और उनका ऑपरेशन 29 सितंबर को किया गया। ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति लगातार बिगड़ती चली गई और उन्हें तीन दिनों तक होश नहीं आया। इस दौरान परिजनों को मरीज से मिलने भी नहीं दिया गया। हालत ज्यादा बिगड़ने पर डॉक्टरों ने मरीज को अन्य अस्पताल ले जाने की सलाह दी। परिजन उन्हें तत्काल ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। परिजनों ने आरोप



लगाया कि स्थानीय अस्पताल के

डॉक्टरों द्वारा गलत ऑपरेशन किए

जाने के कारण ही कर्मवीर की जान

महेंद्र सिंह टिकैत की 91वीं जयंती पर किसानों ने किया हवन, एकता और संघर्ष का लिया संकल्प



शामली (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन के संस्थापक एवं किसान मसीहा स्व. महेंद्र सिंह टिकैत की 91वीं जयंती पर सोमवार को भाकियू पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने करनाल रोड स्थित आरके इंटर कॉलेज के गेट पर उनकी प्रतिमा के समक्ष हवन-यज्ञ किया। कार्यकर्ताओं ने हवन में आहुति देकर किसानों की समृद्धि, खुशहाली और एकता की कामना की। इसके बाद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर महेंद्र सिंह टिकैत को

श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने महेंद्र सिंह टिकैत के संघर्षपूर्ण जीवन और किसान हितों के लिए किए गए आंदोलनों को याद किया। उन्होंने कहा कि टिकैत ने किसानों को अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने के साथ ही संगठित होकर संघर्ष करने का साहस दिया। उनके नेतृत्व में किसानों ने अनेक समस्याओं को लेकर अपनी आवाज बुलंद की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि महेंद्र सिंह टिकैत के विचार आज भी किसानों

के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने उनके बताए मार्ग पर चलने और किसानों के हितों के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष आशीष चौधरी, मोहित शर्मा, कपिल खाटियान, ब्रह्मपाल नाला, कुलदीप पंवार, संजीव राठी, विदेश मलिक, योगेंद्र पंवार, मनोज तोमर, मिंटू, दीपक शर्मा, पप्पू पंवार, प्रशांत कुमार, कविता चौधरी, तरसेम सिंह, सतेंद्र, हरचंद सिंह, अरविंद खोड़ासमा, रहीश पठान और विनय सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लोहे की रॉड से हत्या करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार, वारदात में प्रयुक्त आलाकत्ल बरामद



गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना मधुबन बापूधाम पुलिस ने हत्या की घटना का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक अदद लोहे की रॉड (आलाकत्ल) भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने घटना को अंजाम देने में लोहे की रॉड का इस्तेमाल किया था। पुलिस टीम ने घटना की जांच के दौरान उपलब्ध साक्ष्यों और जानकारी के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान पुलिस ने घटना से जुड़े तथ्यों के संबंध में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

प्रयुक्त लोहे की रॉड बरामद की गई। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, हत्या की घटना के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर लगातार प्रयास किए जा रहे थे। जांच के दौरान मिले सुरागों के आधार पर पुलिस टीम आरोपियों तक पहुंची और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। बरामद आलाकत्ल को कब्जे में लेकर मामले की विवेचना में शामिल किया गया है। पुलिस द्वारा आरोपियों के आपराधिक इतिहास और घटना में उनकी भूमिका के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

मताधिकार की रक्षा को सपा का पैदल मार्च, चुनाव आयोग के खिलाफ लगाए नारे

सहारनपुर (शिखर समाचार)। लोकतंत्र, संविधान और मताधिकार की रक्षा की मांग को लेकर समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने रामपुर मनिहारन विधानसभा क्षेत्र के गांव रामनगर में पैदल मार्च निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता सपा अल्पसंख्यक सभा कार्यालय पर एकत्र हुए और जिला पंचायत सदस्य तथा रामपुर मनिहारन विधानसभा की दवेदार ममता चौधरी एडवोकेट, प्रदेश सचिव नागेंद्र राणा और महानगर अध्यक्ष हाजी नवाब अंसारी के नेतृत्व में पैदल मार्च करते हुए रामनगर स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर प्रतिमा स्थल पहुंचे। इस दौरान कार्यकर्ता “वोट बचाओ, देश बचाओ” और “ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दे” जैसे नारे लगाते रहे। पत्रकारों से वार्ता में ममता चौधरी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने सरकार और विपक्ष की सहमति के बिना एकतरफा फैसले किए हैं।



उन्होंने दावा किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया की आड़ में करोड़ों मतदाताओं को मतदान के अधिकार से वंचित किया गया और कई राज्यों में हुए चुनाव संदेह के घेरे में हैं। उन्होंने कहा कि प्रपत्र-6 में बदलाव को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं और चुनाव आयोग से जुड़े मामले सर्वोच्च न्यायालय में विचारधीन हैं। अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्ष उदयसिंह (सल्लू) ने कहा कि सत्ता किसी की भी हो, संविधान सर्वोपरि है। लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर उठने वाले सवालों

का जवाब जनता के सामने दिया जाना चाहिए। समाजवादी युवजन सभा के जिलाध्यक्ष ठाकुर मलार राणा ने कहा कि कार्यकर्ता मताधिकार और संविधान की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखेंगे। मार्च में अनुज प्रधान मदनुरी, अर्जुन पंडित, वासिल तोमर, चौधरी जुमला सिंह, संजीव नीटियाल, हाजी शमशेर, राव वजाहत, सुहेल खान, रईस मलिक, सचिन कुमार, इंजीनियर विजेश कुमार शर्मा, अरशद, नरेंद्र खोटियान और एकलव्य चौधरी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शालीमार गार्डन पुलिस की बड़ी कार्रवाई, वाहन चोर गिरफ्तार, दिल्ली से चोरी मोटरसाइकिल और अवैध तमंचा-कारतूस बरामद

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना शालीमार गार्डन पुलिस टीम ने चेंकिंग अभियान के दौरान वाहन चोरी की घटना को अंजाम देने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से दिल्ली से चोरी की गई एक मोटरसाइकिल बरामद की है। इसके अलावा तलाशी के दौरान अभियुक्त को लेकर चचेरा भाई रोहित उर्फ पाना रंजिश रखता था। मंगलवार सुबह आकाश अपनी मां विजयवती को चिकित्सक के पास लेकर गया था, जबकि राजू खेत से लौटकर घर पर



किए जाने की जानकारी सामने आई है। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर अभियुक्त के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा अभियुक्त से पूछताछ की जा रही है और यह पता

गई है। मौत की खबर मिलते ही सोमवार शाम बड़ी संख्या में ग्रामीण अस्पताल के बाहर एकत्र हो गए और कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन करने लगे। हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और आक्रोशित लोगों को शांत करने का प्रयास शुरू किया। करीब तीन घंटे चले विरोध-प्रदर्शन के बाद पुलिस के आशवासन पर ग्रामीण शांत हुए। इसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर निजी अस्पताल के शवागृह में रखवाया। शव का पोस्टमार्टम कराए जाने के बाद मंगलवार को गांव चौरौली में मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

सेवा के रंग में सजी भव्य रंगोली, स्वच्छता का दिया संदेश



दादरी (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद दादरी की ओर से सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित सेवा के रंग कार्यक्रम में भव्य एवं आकर्षक रंगोली बनाकर स्वच्छता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम नगर पालिका परिषद दादरी की अध्यक्ष गीता शर्मा एवं अधिशासी अधिकारी शालिनी गुप्ता के मार्गदर्शन और निर्देशन में आयोजित किया गया। रंगोली के माध्यम से नगरवासियों को स्वच्छता के महत्व और अपने आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखने के लिए जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में शैफाली पब्लिक स्कूल, रेलवे रोड, दादरी की शिक्षिकाओं पूजा सिसोदिया, गुलफिशा सैफी, निशा अनुरागी, निशा गर्ग, ज्योति सिंह और गौरी सोनी के मार्गदर्शन में कक्षा आठ की छात्राओं सृष्टि भाटी, अनन्या रावत, जोया सैफी तथा दिशा शर्मा ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। शिक्षिकाओं और छात्राओं ने मिलकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए स्वच्छता ही सेवा और स्वच्छता के महत्व को दर्शाती सुंदर रंगोली तैयार की। अध्यक्ष गीता शर्मा एवं अधिशासी अधिकारी शालिनी गुप्ता

ने छात्राओं और शिक्षिकाओं के प्रयास की सराहना करते हुए स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए उनका उत्साहवर्धन किया। इसके साथ ही नगर पालिका परिषद की ओर से वार्ड संख्या आठ तुलसी विहार कॉलोनी में वायु प्रदूषण नियंत्रण और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए धूल नियंत्रण अभियान चलाया गया। निर्माण एवं ध्वस्तीकरण अपशिष्ट तथा घर-घर कचरा पृथक्करण को लेकर भी विशेष जनजागरूकता अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

प्लॉट में निर्माण सामग्री के विवाद में युवक को गोली मारी, दो के खिलाफ मुकदमा

मोदीनगर (शिखर समाचार)। निवाड़ी थाना क्षेत्र के गांव डवाना में प्लॉट में रखी निर्माण सामग्री को लेकर हुए विवाद में मंगलवार सुबह चचेरे भाई ने साथी के साथ मिलकर युवक राजू राठी को गोली मार दी। गोली पेट में लमकर आरपार हो गई। हमलावरों से हुई छीना-झपटी में उनका तमंचा मौके पर गिर गया। इसके बाद आरोपी हवाई फायरिंग करते हुए फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल राजू को उपचार के लिए मोदीनगर के निवॉक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत खतरे से बाहर है। पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। गांव डवाना निवासी राजू राठी किसान हैं। उनके पिता धर्मपाल का काफी समय पहले निधन हो चुका है। राजू अपनी मां विजयवती, बड़े भाई संजीव उर्फ नींदू और छोटे भाई आकाश के साथ रहते हैं। संजीव के अनुसार मकान निर्माण के दौरान कुछ सामग्री चाचा के खाली प्लॉट में रखी गई थी। आरोप है कि इसी बात को लेकर चचेरा भाई रोहित उर्फ पाना रंजिश रखता था। मंगलवार सुबह आकाश अपनी मां विजयवती को चिकित्सक के पास लेकर गया था, जबकि राजू खेत से लौटकर घर पर



कपड़े धो रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान रोहित उर्फ पाना अपने साथी अमन उर्फ मुर्गा के साथ पिस्टल और तमंचा लेकर पहुंचा और निर्माण सामग्री को लेकर राजू से विवाद करने लगा। आरोप है कि रोहित ने राजू पर गोली चला दी। गोली लगने के बाद राजू ने हमलावरों का मुकाबला किया। इसी दौरान तमंचा गिर गया। ग्रामीणों ने आरोपियों का पीछा किया तो उन्होंने पिस्टल दिखाकर डराया और हवाई फायरिंग करते हुए फरार हो गए। सूचना पर एसपी मोदीनगर सिद्धार्थ गौतम और कार्यवाहक थानाध्यक्ष अरुण बालियान मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने रोहित उर्फ पाना और अमन उर्फ मुर्गा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तारी के लिए दंडित शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार दोनों के खिलाफ पूर्व में भी फायरिंग का मुकदमा दर्ज है।

संपादकीय

दिल्ली की सड़कों पर लोकतंत्र का सवाल, आखिर किस पर करें भरोसा?

राजधानी दिल्ली में आज जो राजनीतिक तस्वीर दिखाई दी, वह केवल एक विरोध प्रदर्शन की तस्वीर नहीं है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के सामने खड़े एक गंभीर सवाल की तस्वीर है। संसद के मकर द्वार से चुनाव आयोग के कार्यालय तक मार्च निकालने निकले विश्वी दलों के सांसदों को पुलिस ने रास्ते में रोक दिया। इसके बाद विपक्षी नेताओं ने सड़क पर धरना दिया, नारेबाजी हुई और कई नेताओं को हिरासत में लिया गया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव, तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना उद्धव गुट सहित इंडिया गठबंधन के अनेक नेता इस प्रदर्शन में शामिल रहे। विपक्ष ने इस आंदोलन को सेव डेमोक्रेसी मार्च का नाम दिया और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तथा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर अपना विरोध दर्ज कराया। दिल्ली की सड़कों पर पुलिस की भारी मौजूदगी, बैरिकेडिंग और सांसदों को आगे बढ़ने से रोकने का दृश्य स्वाभाविक रूप से राजनीतिक बहस को और तीखा करने वाला है। विपक्ष का कहना है कि जब देश के निर्वाचित सांसद चुनाव आयोग के प्रमुख से मिलने और अपनी शिकायत रखने जा रहे हैं तो उन्हें कार्यालय तक जाने से क्यों रोका गया। दूसरी तरफ कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है और किसी भी प्रदर्शन के लिए निर्धारित नियमों का पालन भी जरूरी है। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि दोनों पक्षों के बीच संवाद का रास्ता खुला रहना चाहिए था। यदि निर्वाचित प्रतिनिधि किसी संवैधानिक संस्था के सामने अपनी शिकायत लेकर पहुंचते हैं तो लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि उनकी बात सुनी जाए और तथ्यों के आधार पर जवाब दिया जाए। आज का विवाद अचानक पैदा नहीं हुआ है। पिछले कुछ समय से एसआईआर को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है। विपक्ष का आरोप है कि मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण की प्रक्रिया में बड़ी संख्या में वास्तविक मतदाताओं के नाम प्रभावित हो सकते हैं और इससे मतदान के अधिकार पर असर पड़ सकता है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दल इसे वोट चोरी से जोड़कर जनता के बीच ले जा रहे हैं। इंडिया गठबंधन ने अब इस मुद्दे को देशवापी राजनीतिक आंदोलन बनाने की रणनीति तैयार की है। एक अक्टूबर को विपक्षी दलों की बैठक के बाद जिला स्तर पर ह्रासेव डेमोक्रेसीहू मार्च, चुनाव आयोग तक मार्च और आगे बड़ी रैलियां करने की घोषणा की गई थी। वहीं चुनाव आयोग की ओर से एसआईआर को चुनावी मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन करने की प्रक्रिया बताया गया है। आयोग की ओर से फर्जी, मृत, स्थानांतरित अथवा दोहरी प्रविष्टियों को हटाने की जरूरत पर जोर दिया गया है। यहीं से असली प्रश्न पैदा होता है कि मतदाता सूची को शुद्ध करने की प्रक्रिया और वास्तविक मतदाता के अधिकार की रक्षा के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। यदि किसी अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में है तो उसे हटाना जरूरी है, लेकिन यदि किसी पात्र नागरिक का नाम बिना पर्याप्त सूचना और अवसर के हट जाता है तो यह उससे भी गंभीर समस्या है। लोकतंत्र में किसी नागरिक को मतदान से वंचित कर देना महज प्रशासनिक त्रुटि नहीं हो सकती। आज के घटनाक्रम को और गंभीर इसलिए माना जाना चाहिए क्योंकि क्योंकि सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में एसआईआर से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान फॉर्म-6 में कथित बदलाव का मुद्दा भी उठा। अदालत ने कहा कि वह चुनाव आयोग के रिकॉर्ड देखेगी ताकि यह स्पष्ट हो सके कि बदलाव किए गए थे या नहीं और उन्हें किसने अधिकृत किया था।



सनत जैन

रूस के साइबेरिया मे इरकुत्स्क स्थित एंटी-प्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट की 28 वर्षीय, प्रयोगशाला कर्मचारी दार्या शिपिलोवा की मौत ने दुनिया का ध्यान एक बार फिर हाई-कंटेनमेंट लैबोरेटरीज और जैव-सुरक्षा की ओर खींचा है। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है, काम के दौरान प्लेग बैक्टीरिया से भरी टेस्ट ट्यूब टूट गई थी। उसके बाद महिला गंभीर रूप से बीमार हुई। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उसके संपर्क में आए करीब 200 लोगों को निगरानी में रखे जाने की खबर सामने आई है। यहां सबसे जरूरी बात है, घटना को लेकर विरोधाभासी जानकारी मिल रही है। रूसी स्वास्थ्य निगरानी संस्था रोशपोटेरेबनादर का कहना है, महिला की मौत का कारण अभी ह्रअज्ञात निमोनियाहू के वायरस हैं। जांच में उसके काम से जुड़े किसी सूक्ष्म जीव



नीरज कुमार दुबे

लखनऊ की राजनीति बड़ी अजीब चीज है। यहां सामने कुछ दिखाई देता है मगर असली खेल पर्दे के पीछे चल रहा होता है। बसपा सुप्रीमो मायावती और उनके भतीजे आकाश आनंद के मामले में भी कुछ ऐसा ही दिखाई दे रहा है। जिस आकाश आनंद को कुछ समय पहले मायावती ने पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था, आज वहीं आकाश आनंद फिर बसपा में लौट आए हैं और उन्हें दोबारा पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक बना दिया गया है। ऊपर से कहानी इतनी-सी है कि भतीजे ने भारी मांगी, बुआ ने माफ कर दिया और परिवार फिर एकजुट हो गया। लेकिन यूपी की राजनीति में कहानी सीधी होती तो फिर राजनीति किस बात की? असल सवाल यह है कि मायावती ने आकाश आनंद को वापस क्यों बुलाया और वापस बुलाकर उन्हें राष्ट्रीय संयोजक की जिम्मेदारी ही क्यों दी? क्या यह आकाश पर भरोसा है, या फिर उस राजनीतिक संभावना को रोकने की कोशिश है जो उनके बाहर जाने के बाद पैदा हो रही थी? याद कीजिए, जब मायावती ने आकाश आनंद को पार्टी से बाहर किया था तो वह राजनीति में अकेले नहीं रह गए थे। उनके लिए दूसरे दलों के दरवाजे खुलने लगे थे। चंद्रशेखर आजाद ने उनके लिए जगह होने की बात कही। अखिलेश यादव से जब आकाश को समाजवादी पार्टी में लेने की संभावना पर सवाल हुआ तो उन्होंने भी

की पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए यह कहना, कि टेस्ट ट्यूब टूटने से ही प्लेग संक्रमण हुआ। उसी से महिला की मौत हुई, फिलहाल यह स्थापित तथ्य नहीं है। फिर भी सवाल गंभीर है। यरसिया पेस्ट्रीस नामक बैक्टीरिया ही प्लेग का कारण है। यह सामान्यतः छोटे स्तनधारियों और उनके पिस्सुओं में पाया जाता है। प्लेग का न्यूमोनिक रूप संक्रमित व्यक्ति से निकलने वाले श्वसन कणों के जरिए दूसरे व्यक्ति तक पहुंच सकता है। समय पर एंटीबायोटिक उपचार मिलने पर इसका इलाज संभव है। लेकिन इलाज में देरी अत्यंत घातक हो सकती है। जो मौत का कारण बन सकती है।

यही कारण है, दुनिया में ऐसी प्रयोगशालाओं के लिए अत्यंत कठोर सुरक्षा व्यवस्था बनाई गई है। हालिया वैज्ञानिक मैपिंग के अनुसार दुनिया में 3,625 बीएसएल-3 और बीएसएल-4 प्रयोगशालाएं चिह्नित की गई हैं। इनमें 3,515 बीएसएल-3 और 110 बीएसएल-4 की उन्नत सुविधाएं वाली लेब हैं। बीएसएल-4 को अधिकतम स्तर की जैव-सुरक्षा वाली प्रयोगशाला माना जाता है। जहां अत्यधिक गंभीर जोखिम वाले बैक्टीरिया और वायरस के साथ तरह-तरह का प्रयोग किया जाता है। यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना जरूरी है। किसी लेब में खतरनाक वायरस या बैक्टीरिया पर शोध होना, जैविक हथियार बनाने का प्रमाण नहीं माना जाता है। संक्रमक रोगों की पहचान, वैक्सीन, दवाओं, निदान और महामारी की तैयारी के लिए ऐसे शोध आवश्यक होते हैं।

इसी की आड़ में जैविक हथियारों का एक नया खेल शुरू हो गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन स्वयं उच्च- संक्रमण जोखिम वाले जैविकों के सुरक्षित अध्ययन के लिए जोखिम- आकलन और कड़े जैव-सुरक्षा उपायों की आवश्यकता पर नियम भी बनाता है। दूसरी तरफ इस चिंता को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता है, दुनिया में बढ़ते सैन्य तनाव, रूस-यूक्रेन युद्ध, अमेरिका-चीन के बीच की प्रतिस्पर्धा, वैश्विक अविश्वास के दौर में जैविक अनुसंधान की पारदर्शिता और अंतरराष्ट्रीय निगरानी पहले से कहीं अधिक सुरक्षित और जिम्मेदार बनाने की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र के 1972 का बायोलॉजिकल वेपन्स कांन्वेंशन जैविक एवं रासायनिक हथियारों के विकास, उत्पादन, अधिग्रहण, हस्तांतरण, भंडारण और उपयोग पर प्रतिबंध लगाता है। कोविड-19 के बाद दुनिया ने यह भी जाना है, किसी प्रयोग शाला की छेटी-सी सुरक्षा चूक से वास्तव में संक्रमण बाहर निकल जाए, तो उसका प्रभाव केवल एक शहर या देश तक सीमित नहीं रहता। हालांकि रूस की मौजूदा घटना को कोविड या वुहान लैब से जोड़ने का अभी कोई प्रमाण सामने नहीं आया है।

इसी तरह 2021 में ताइवान की किसी लैब में कर्मचारियों के संक्रमण को रूस की घटना के साथ जोड़ना भी बिना ठोस प्रमाण के उचित नहीं होगा। फिर भी चिंता इस बात की है, अमेरिका ने इराक के ऊपर रासायनिक हथियारों का जख्खीरा होने और रासायनिक हथियारों की आशंका

बुआ मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को वापस बुलाया या राजनीतिक जाल में फंसा दिया?

दरवाजा बंद नहीं किया। निपाद पार्टी की तरफ से न्योता आया। यानी जिस भतीजे को मायावती ने बसपा से बाहर कर दिया था, उसे दूसरे राजनीतिक दल अपने यहां जगह देने के लिए तैयार दिख रहे थे। यहीं से मायावती के लिए असली खतरा पैदा होता था। क्योंकि बात सिर्फ यह नहीं थी कि आकाश आनंद किसी दूसरी पार्टी में चले जाते। असली खतरा यह था कि अगर वह किसी दूसरे दल में जाकर अपनी राजनीतिक जमीन तैयार कर लेते, युवा दलों के बीच अपनी पहचान बना लेते और धीरे-धीरे मायावती से अलग अपना एक स्वतंत्र राजनीतिक वजूद खड़ा कर लेते, तो फिर भविष्य में वह सिर्फ हूमायावती के भतीजेहू नहीं रहते। वह अपने आप में एक राजनीतिक ब्रांड बन सकते थे। यही वह चीज है जो शायद मायावती को सबसे ज्यादा खटकती। दिखा जाये तो बसपा पहले ही उत्तर प्रदेश की राजनीति में लगातार कमजोर हुई है। कभी जिस पार्टी के बिना यूपी की सत्ता का गणित पूरा नहीं होता था, वह आज विधानसभा और लोकसभा चुनावों में एक सीट जीतने की जद्दोजहद करती दिखाई देती है। 2019 में बसपा को उत्तर प्रदेश में करीब 19 प्रतिशत वोट मिले थे, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में उसका वोट शेयर 10 प्रतिशत से भी नीचे चला गया। इस बीच दलित राजनीति के मैदान में चंद्रशेखर आजाद जैसा नया चेहरा भी उभरा है। यानी बसपा के सामने चुनौती सिर्फ भाजपा या सपा-कांग्रेस गठबंधन की नहीं है, बल्कि उस राजनीतिक जगह की भी है जिसे कभी बसपा अपना स्थायी इलाका मानती थी। ऐसे माहौल में अगर मायावती का भतीजा पार्टी से निकलकर किसी दूसरे दल में चला जाता और वहां अपनी अलग पहचान बनाने लगाता, तो बसपा के लिए मामला और मुश्किल हो सकता था। क्योंकि मायावती के पास अपना मजबूत कोर वोट बैंक भले अभी भी मौजूद हो, लेकिन चुनावी राजनीति में सिर्फ कोर वोट बैंक होना और चुनाव जीतने की स्थिति में होना दो अलग-अलग बातें हैं। मुमकिन है कि मायावती ने इसी

खतरे को भांप लिया हो। उन्हें लगा हो कि अगर आकाश दूसरे दल में चले गए और वहां युवा दलित राजनीति का नया चेहरा बन गए तो बसपा के सामने सिर्फ एक नेता के जाने का संकट नहीं होगा, बल्कि नेतृत्व की अगली पीढ़ी का विकल्प भी पार्टी के बाहर तैयार हो जाएगा। बसपा अगर अभी शून्य पर खड़ी दिखाई दे रही है तो आकाश का किसी दूसरे राजनीतिक मंच पर जाकर मजबूत होना इस शून्य को डबल शून्य में बदल सकता है। इसलिए भतीजे को वापस बुलाना जरूरी समझा गया। लेकिन यहां कहानी में एक और पेंच है। आकाश को सिर्फ वापस नहीं बुलाया गया, उन्हें राष्ट्रीय संयोजक बना दिया गया। सुनने में यह बड़ा सम्मान है, लेकिन राजनीति में हर सम्मान के साथ जिम्मेदारी भी आती है। आकाश को अब जो जिम्मेदारी मिली है, वह आसान नहीं है। खासकर तब, जब सन् 2027 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव खड़ा है। अब अगर बसपा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करती है तो मायावती की रणनीति सफल कही जाएगी और आकाश आनंद को इसका फायदा भी मिलेगा। लेकिन अगर बसपा का प्रदर्शन फिर कमजोर रहा तो सवाल सिर्फ मायावती से नहीं होगा। सवाल आकाश से भी होगा। आखिर राष्ट्रीय संयोजक किसलिए बनाए गए थे? संगठन को मजबूत करने के लिए या सिर्फ पद की शोभा बढ़ाने के लिए? युवा वोटरों को बसपा से जोड़ने की जिम्मेदारी किसकी थी? चुनावी रणनीति को जमीन पर उतारने का काम कौन कर रहा था? यानी मायावती ने आकाश को वापस लाकर उन्हें एक ऐसी जिम्मेदारी दे दी है जिसमें सफलता का श्रेय तो मिलेगा ही, लेकिन असफलता का ठीकरा भी सिर पर फूट सकता है। यही वह जगह है जहां सवाल उठता है कि कहीं यह आकाश आनंद की राजनीतिक ब्रांड वैल्यू को मजबूत करने की बजाय धीरे-धीरे खत्म करने की रणनीति तो नहीं? क्योंकि मान लीजिए 2027 में बसपा फिर चुनावी तौर पर कोई खास कमाल नहीं कर पाती। तब आकाश आनंद के पास क्या बचेगा? वह किसी

पर हमला किया था। युद्ध में इराक को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया था। वर्तमान स्थिति में जैविक हथियारों को लेकर भी इसी तरह की स्थिति बनती हुई दिख रही है। जो चिंता का सबसे बड़ा कारण है। इस पूरे मामले का सबसे बड़ा सबक यही है, खतरनाक रोग-जनकों पर शोध बंद करना समस्या का वास्तविक समाधान नहीं है। जैविक प्रशिक्षण में पारदर्शिता, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वतंत्र निरीक्षण, कड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और निगरानी को मजबूत करना ही समस्या का समाधान हो सकता है। दुनिया को यह सुनिश्चित करना होगा, मानव जीवन बचाने के लिए बनाई गई प्रयोगशालाएं स्वयं मानवता के लिए खतरा न बन जाएं। रूस की घटना में जांच का निष्कर्ष चाहे जो निकले, एक सवाल पूरी दुनिया के सामने खड़ा है, क्या 21वीं सदी में परमाणु हथियारों की तरह जैविक अनुसंधान में अंतर्राष्ट्रीय जवाबदेही और निगरानी को अनिवार्य बनाने का समय आ गया है? दुनिया के शक्तिशाली देशों में जिस तरह की होड़ देखने को मिल रही है। ज्यादा से ज्यादा पैसा और ज्यादा से ज्यादा प्रभाव की यह लड़ाई अब चरम पर पहुंच गई है। एक बार फिर प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध जैसे हालात दिखने लगे हैं। ऐसी स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस तरह के शोध पर विशेष निगरानी की जरूरत है। मानव जीवन की सुरक्षा के लिए सभी देशों को इस मामले में एकजुट होना चाहिए।

दूसरी पार्टी में जाकर यह भी नहीं कह सकते कि उन्हें

बसपा में मौका नहीं मिला था। मौका मिला, राष्ट्रीय संयोजक बनाया गया, संगठन की जिम्मेदारी दी गई और फिर भी पार्टी चुनाव नहीं जीत सकी। ऐसे में दूसरे दलों के लिए आकाश को अपने साथ लेना उतना आकर्षक नहीं रह जाएगा। यानी जिस समय वह बसपा से बाहर थे, उस समय दूसरे दल उन्हें अपने यहां लेने की संभावनाएं तलाश रहे थे। लेकिन अब वह बसपा के राष्ट्रीय संयोजक हैं। अगर बसपा फिर कमजोर प्रदर्शन करती है तो वही दूसरे दल शायद यह सोचें कि जिस नेता को अपनी पार्टी संभालने का मौका मिला और वह उसे नहीं उठा पाया, उसे अपने यहां लाकर क्या हासिल होगा? देखा जाये तो राजनीति में इसे बहुत बारीक तरीके से समझना होगा। मायावती ने आकाश को बाहर जाने से तो रोक लिया, लेकिन साथ ही उन्हें बसपा की किस्मत से बांध भी दिया। अब आकाश की राजनीतिक कामयाबी और बसपा की राजनीतिक कामयाबी एक-दूसरे से अलग नहीं रह सकती। इसके अलावा, यहां एक सवाल मायावती से भी पूछा जाना चाहिए। मायावती की राजनीति की सबसे बड़ी पहचान ही परिवारवाद के खिलाफ लड़ाई रही है। कांग्रेसीपम ने परिवार की राजनीति नहीं की। उन्होंने मायावती जैसे कार्यकर्ता को आगे बढ़ाया। मायावती ने भी लंबे समय तक यही संदेश दिया कि बसपा किसी एक परिवार की पार्टी नहीं, बल्कि बहुजन समाज की पार्टी है। लेकिन अब पिछले कुछ समय से बसपा के भीतर परिवार के सदस्यों की भूमिका लगातार चर्चा में है। आकाश आनंद को पहले आगे किया गया। फिर हटाया गया। ईशान आनंद को जिम्मेदारी मिली। फिर आकाश को वापस लाया गया। दीपिका आनंद के नाम की चर्चा भी सामने आई। कभी कहा गया कि परिवार के किसी सदस्य को राजनीतिक पद नहीं दिया जाएगा और फिर घटनाक्रम कुछ ही समय में दूसरी दिशा में जाता दिखाई दिया।

विनय
संवकोचीमोदी के 25 वर्ष : निर्णायक नेतृत्व से बदलते भारत तक

विनोद सिंह ‘तकियावाला’

मोदी के 25 वर्षों की शासन यात्रा को समझने के लिए गुजरात का दौर महत्वपूर्ण आधार प्रदान करता है। मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने प्रशासन को विकास की प्रयोगशाला के रूप में आगे बढ़ाया। आधारभूत संरचना, निवेश, औद्योगिक विकास, बिजली, सड़क और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में बदलाव पर जोर दिया गया। यही अनुभव बाद में केंद्र की नीतियों में भी दिखाई दिया। प्रधानमंत्री बनने के बाद शासन का दायरा गुजरात से निकलकर पूरे देश तक पहुंचा और निर्णयों का पैमाना भी उसी अनुपात में बढ़ा।

गुजरात के मुख्यमंत्री से देश के प्रधानमंत्री तक ढाई दशक की शासन-यात्रा, कैबिनेट के फैसलों में दिखाई देती नीति-निरंतरता और विकसित भारत के संकल्प की कहानी... भारत की राजनीति में ढाई दशक का समय किसी भी नेतृत्व की कार्यशैली, सोच और प्रशासनिक क्षमता की परखने के लिए पर्याप्त होता है। नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में शासन के 25 वर्ष पूरे होना इसी दृष्टि से एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभालने से शुरू हुई यह यात्रा आज प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की दिशा तय करने वाले नेतृत्व तक पहुंच चुकी है। इस लंबे कालखंड को केवल चुनावी सफलताओं के आधार पर नहीं, बल्कि शासन की निरंतरता, नीतिगत फैसलों और उनके दूरगामी प्रभावों के संदर्भ में देखना अधिक महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी की शासन शैली की एक प्रमुख विशेषता निर्णय लेने की स्पष्टता रही है। कैबिनेट की बैठकें इसी प्रशासनिक दृष्टिकोण का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। प्रत्येक कैबिनेट ब्रीफिंग के माध्यम से जब सरकार अपने निर्णयों को देश के सामने रखती है तो उसमें अर्थव्यवस्था, आधारभूत ढांचा, ऊर्जा, शिक्षा, रोजगार, कृषि, सामाजिक सुरक्षा, विज्ञान-तकनीक और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अनेक क्षेत्रों की समग्र तस्वीर दिखाई देती है। मोदी के 25 वर्षों की शासन यात्रा को समझने के लिए गुजरात का दौर महत्वपूर्ण आधार प्रदान करता है। मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने प्रशासन को विकास की प्रयोगशाला के रूप में आगे बढ़ाया। आधारभूत संरचना, निवेश, औद्योगिक विकास, बिजली, सड़क और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में बदलाव पर जोर दिया गया। यही अनुभव बाद में केंद्र की नीतियों में भी दिखाई दिया। प्रधानमंत्री बनने के बाद शासन का दायरा गुजरात से निकलकर पूरे देश तक पहुंचा और निर्णयों का पैमाना भी उसी अनुपात में बढ़ा। 2014 के बाद केंद्र सरकार की कार्यशैली में कैबिनेट के फैसलों को मिशन आधारित दृष्टिकोण से जोड़ने की कोशिश स्पष्ट दिखाई दी। जनधन से वित्तीय समावेशन, स्वच्छ भारत से स्वच्छता, उज्ज्वला से रसीदें गैस, आयुष्मान भारत से स्वास्थ्य सुरक्षा, प्रधानमंत्री आवास योजना से आवास, जल जीवन मिशन से नल से जल और डिजिटल इंडिया से डिजिटल सेवाओं तक अनेक योजनाओं ने शासन को सीधे नागरिकों के जीवन से जोड़ने का प्रयास किया।



मोदी सरकार की दूसरी महत्वपूर्ण विशेषता बड़े राष्ट्रीय लक्ष्यों को समयबद्ध कार्यक्रमों में बदलने की रही है। आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, राष्ट्रीय अवसररचना पाइपलाइन, गति शक्ति, सेमीकंडक्टर निर्माण, हरित ऊर्जा और विकसित भारत 2047 जैसे अभियानों में इसी सोच की झलक मिलती है। हाल के वर्षों में कैबिनेट के निर्णयों में भी उत्पादन क्षमता बढ़ाने, लॉजिस्टिक्स को मजबूत करने, रेलवे और राजमार्गों का विस्तार करने तथा नवीकरणीय ऊर्जा को गति देने पर लगातार जोर दिखाई देता है। भारत के बुनियादी ढांचे में आया परिवर्तन इस यात्रा का महत्वपूर्ण अध्याय है। रेलवे के आधुनिकीकरण से लेकर समर्पित माल गलियारों, वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेनों, नए हवाई अड्डों, एक्सप्रेसवे, बंदरगाहों और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी तक विकास का एक व्यापक नेटवर्क तैयार हुआ है। कैबिनेट द्वारा परियोजनाओं को मंजूरी देने के बाद उनके क्रियान्वयन की निगरानी और समयबद्ध पूरा करने पर भी सरकार का जोर रहा है। इससे शासन में केवल घोषणा के बजाय परिणाम को महत्व देने की प्रवृत्ति मजबूत हुई है। ऊर्जा क्षेत्र में भी पिछले वर्षों में नीति का फोकस बदलता दिखाई दिया है। भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हुआ है। सौर ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, बैटरी भंडारण और ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर जैसे कार्यक्रम भारत को भविष्य की ऊर्जा अर्थव्यवस्था के लिए तैयार करने की कोशिश है। यह परिवर्तन केवल पर्यावरणीय चिंता तक सीमित नहीं है, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा,

रोजगार, निवेश और औद्योगिक प्रतिस्पर्धा से भी जुड़ा हुआ है। डिजिटल शासन ने भी मोदी युग की प्रशासनिक पहचान बनाई है। आधार, मोबाइल और बैंक खाते के त्रिकोण से लेकर डिजिटल भुगतान, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और सरकारी सेवाओं के ऑनलाइन विस्तार तक तकनीक को शासन का माध्यम बनाया गया। कोविड-19 के कठिन दौर में डिजिटल प्रणालियों ने सरकारी सहायता, टीकाकरण और भुगतान व्यवस्था को बड़े पैमाने पर संचालित करने में भूमिका निभाई। आज भारत का डिजिटल सार्वजनिक अवसररचना मॉडल दुनिया में चर्चा का विषय है। विदेश नीति के क्षेत्र में भी पिछले 25 वर्षों की यात्रा को अलग दृष्टि से देखा जा सकता है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में निवेश और वैश्विक संपर्क पर जोर देने वाले नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में भारत की कूटनीतिक पहुंच को व्यापक बनाया। भारत ने एक ओर अमेरिका, यूरोप, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ रणनीतिक संबंध मजबूत किए, वहीं दूसरी ओर रूस, पश्चिम एशिया, अफ्रीका और ग्लोबल साउथ के देशों के साथ भी सक्रिय संबंध बनाए रखे। जी-20 की अध्यक्षता और भारत की वैश्विक भूमिका ने इस कूटनीतिक विस्तार को नई पहचान दी। मोदी के शासन के 25 वर्ष केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की नीतियों और फैसलों का मूल्यांकन निरंतर होना चाहिए। रोजगार, कृषि आय, सामाजिक असमानता, महंगाई, संस्थागत जवाबदेही और नीतियों के जमीनी क्रियान्वयन

जैसे सवाल लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा बने रहेंगे। यही लोकतंत्र की शक्ति है कि उपलब्धियों के साथ चुनौतियों पर भी चर्चा होती रहे। फिर भी यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि ढाई दशक तक लगातार सत्ता और शासन की जिम्मेदारी संभालने वाले भारतीय नेताओं की सूची बहुत छोटी है। नरेंद्र मोदी का राजनीतिक जीवन इसलिए भी विशिष्ट है कि उन्होंने राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर लंबे समय तक प्रशासन चलाया है। मुख्यमंत्री के रूप में प्राप्त अनुभव ने प्रधानमंत्री के रूप में उनकी शासन शैली को प्रभावित किया और प्रधानमंत्री के रूप में प्राप्त राष्ट्रीय अनुभव ने भारत की विकास यात्रा को एक व्यापक वैश्विक संदर्भ दिया। आज कैबिनेट ब्रीफिंग में जब किसी नई परियोजना, नीति या सुधार की घोषणा होती है तो उसके पीछे केवल तत्कालीन आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों की अर्थव्यवस्था और समाज को प्रभावित करने वाली सोच भी दिखाई देती है। यही कारण है कि कैबिनेट के फैसलों को मोदी के 25 वर्षों के शासन-अनुभव से जोड़कर देखना उपयोगी है। इन फैसलों में निरंतरता, विस्तार और भविष्य की तैयारी—तीनों तत्व दिखाई देते हैं। ढाई दशक की यह यात्रा अब एक नए चरण में प्रवेश कर रही है। विकसित भारत 2047 का लक्ष्य सामने है। अगले वर्षों में भारत को दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति बनाने, विनिर्माण और तकनीक में आत्मनिर्भरता बढ़ाने, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने, हरित ऊर्जा की ओर बढ़ने और आधारभूत ढांचे को विश्वस्तरीय बनाने की चुनौती है। इन लक्ष्यों की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि नीतियां कितनी प्रभावी ढंग से जमीन पर उतरती हैं और शासन व्यवस्था कितनी जवाबदेह तथा जनवैदित रहती है। नरेंद्र मोदी के शासन के 25 वर्षों का सबसे बड़ा निष्कर्ष यही है कि उन्होंने भारतीय राजनीति में दीर्घकालिक लक्ष्य, निर्णायक निर्णय और प्रशासनिक निरंतरता को एक साथ जोड़ने की कोशिश की है। गुजरात से शुरू हुई यात्रा दिल्ली तक पहुंची और अब उसका लक्ष्य विकसित भारत है। कैबिनेट के निर्णय इस यात्रा के तत्कालीन पड़ाव हैं, जबकि 2047 का संकल्प उसकी दीर्घकालिक मॉजिल। इसलिए मोदी के 25 वर्ष केवल एक राजनीतिक उपलब्धि का आंकड़ा नहीं, बल्कि भारतीय शासन व्यवस्था में आए बदलावों को देखने की एक महत्वपूर्ण खिड़की है।आने वाला समय इन फैसलों और नीतियों के अंतिम परिणामों का मूल्यांकन करेगा, लेकिन यह निर्विवाद है कि पिछले 25 वर्षों में नरेंद्र मोदी ने भारतीय राजनीति और शासन की कार्यशैली पर अपनी एक अलग छाप छोड़ी है।

बॉस हों पार्ट टाइमर तो ऐसे करें डील

वह पावर का दुरुपयोग तो नहीं कर रहे हैं। बॉस का पद जिम्मेदारी भरा पद होता है और कंपनी बॉस पर भी नजर रखती है। याद रखें कि इसके लिए कंपनी हमेशा ही अपने स्तर पर सही व्यक्ति का चुनाव करती है। ऐसे में यह है कि टीम भी सही मानसिकता के साथ बॉस को सहयोग दे और अपना काम करे। वह कॉरपोरेट जगत के वैल्यू को समझे।

कम्यूनिकेशन का होता है अहम रोल

जहां बॉस पार्ट टाइम काम करते हैं और उनके साथ काम करने वाले बाकी लोग फुल टाइम

जॉब करते हैं, वहां पर कम्यूनिकेशन का रोल अहम हो जाता है। एक्सपर्ट मानते हैं कि ऐसी स्थिति में टीम को बॉस के साथ कम्यूनिकेशन लेवल हाई रखना पड़ता है। एक बार कम्यूनिकेशन करने का स्टाइल फिक्स हो जाता है, तो बाद में चीजों को बदल पाना आसान नहीं होता है। जब कम्यूनिकेशन सही रहेगा तो प्रॉब्लम का निपटारा भी पलक झपकते ही हो जाएगा। ऐसे में पार्ट टाइमर बॉस के संग भी टीम बेहतर रिजल्ट दे सकती है।

फैसला लेने की कला सीखें

आप ऐसी जगह काम कर रहे हैं, जहां फुल

टाइमर बॉस नहीं हैं, तो जरूरी है कि टीम का हर एक सदस्य खुद पर भरोसा दिखाए और फैसला लेने की कला सीखे। याद रखें कि जब बॉस फुल टाइमर नहीं होते हैं, तो सबसे ज्यादा दिक्कत फैसला लेने में ही होती है। वर्कप्लेस पर कई बार आपको पलक झपकते ही बड़े फैसले लेने होते हैं। दूसरा बड़ा मुद्दा यह होता है कि आप आज के कॉम्पिटिशन भरे माहौल में टीम में तेजी कैसे लाएं। जॉब एक्सपर्ट कहते हैं कि इससे निपटने के लिए कंपनियों को चाहिए कि वह फैसला लेने के अधिकार को बांट दे। इससे जहां टीम के सदस्यों में कॉन्फिडेंस पैदा होता है, वहीं समय के भीतर फैसला लेने से काम में तेजी भी आती है।

...तो आप भी हैं कामयाब लीडर

एक लीडर में अपनी बात को असरदार तरीके से दूसरों तक पहुंचाने का हुनर आना चाहिए। एक लीडर, अगर वह अपनी बात अपने साथ काम करने वालों को बेहतर तरीके से कम्यूनिकेट कर पाने में समर्थ है, तो इससे कामकाजी माहौल ऊर्जा से भर जाता है, लोग उत्साह से काम में जुटते हैं और उनकी रचनात्मकता काम में झलकने लगती है। एक दूरदर्शी सोच रखने वाला लीडर एक जुनूनी टीम बनाने में यकीन रखता है। यह टीम एक समान लक्ष्यों के लिए पूरे जोशखरोश से काम करती है। अपना कारोबार फैलाती किसी भी कंपनी को एक मजबूत मैनेजमेंट के साथ-साथ ऐसी टीम की भी दरकार रहती है, जो साथ काम करने वाले लोगों के बीच आपसी एकता, यकीन और आदर की बुनियाद पर बनी हो। कामयाबी का राज है, कामकाज में साफ-सुथरापन। एक कामयाब लीडर इस बात की अहमियत जानता है और अच्छे कामकाज के लिए अपने एंज्लों के साथ एक बेहतर समझ विकसित करता है। इससे न सिर्फ कामकाज का बिना किसी रुकावट के निपटारा होता जाता है, बल्कि टीम के भीतर एक खुशनुमा कामकाजी माहौल भी बरकरार रहता है।

जॉब के दौरान कई परिस्थितियों से दो चार होना पड़ता है। ऐसा हो सकता है कि कंपनी पार्ट टाइम बॉस को नियुक्त कर दे। ऐसी स्थिति में टीम की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। बॉस के साथ तालमेल बैठाकर उन्हें फैसले लेने होते हैं...

जब आपके ऑफिस में पार्ट टाइम काम करने वाले बॉस हों और आप फुल टाइमर एम्प्लॉई हों, तो स्थिति थोड़ी सी नाजुक हो जाती है। ऐसे में पूरी टीम को बॉस के साथ बराबर टच में रहना होता है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि टीम को फुल टाइमर बॉस की कमी महसूस होती है। टीम को कई मुद्दों पर बातचीत करने की जरूरत होती है। कई बार ऐसा होता है कि पार्ट टाइमर बॉस पूरा समय नहीं दे पाते हैं। आप अपनी कंपनी में ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, तो यहां पर दिए जाने वाले टिप्स कारगर साबित हो सकते हैं। आइए डालते हैं एक नजर -

मानसिकता सही रखें

एक्सपर्ट कहते हैं कि एक पार्ट टाइमर बॉस किसी संस्था में काम करता है, तो वहां पर काम करने वाले लोगों के मन में यह भावना विकसित हो सकती है कि



इन बातों का ध्यान रखें तो कदम चूमेगी कामयाबी

जब आप अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट होते हैं, तो यह जान जाते हैं कि आप कौन हैं? आप क्या हैं? आपको क्या करना है और आप क्या चाहते हैं? अगर ये चीजें आपके दिमाग में साफ हैं, तो आपकी सफलता का पहला चरण सुनिश्चित हो जाता है।

बनें योग्य

कामयाब होने के लिए सबसे पहले यह जरूरी है कि आप खुद को योग्य बनाएं। क्योंकि आप तब तक ऊपर नहीं चढ़ सकते, जब तक कि आप में योग्यता नहीं हो। इसलिए पहले खुद को योग्य बनाना जरूरी होता है। इसके लिए लगातार प्रयत्न करना पड़ेगा। याद रखें कि कोशिश करने वालों की कभी भी हार नहीं होती है।

दबाव झेलने की क्षमता

जब जिम्मेदारी बढ़ेगी तो दबाव के साथ-साथ अवरोध भी उत्पन्न होगा। ऐसे में इस तरह की विपरीत परिस्थितियों को झेलने की क्षमता आपमें जरूर होनी चाहिए। वैसे जब आपको एवरेस्ट पर चढ़ाई करनी हो तो रास्ते में दिक्कतें तो आएंगी ही।

दिक्कतों का सामना करने से ही सफलता का दरवाजा खुलता है।

भरपूर एकाग्रता जरूरी

इसके बिना तो आप साइकल भी नहीं चला सकते। एकाग्रता एक ऐसी चीज है, जो हर जगह काम आती है। आप अपने काम में इसके द्वारा ही परफेक्शन लाते हैं। किसी भी काम को साधारण से असाधारण बनाने के लिए एकाग्रता की जरूरत होती है। इसके माध्यम से आप बड़े से बड़े लक्ष्य को भेद सकते हैं।

रचनात्मकता भी जरूरी

एक प्रफेशनल की सफलता में उसकी रचनात्मकता का काफी अहम योगदान होता है। इसलिए इस ओर ध्यान देना जरूरी है।

साहस बनाए रखें

कहते हैं रिस्क लेने के बाद ही आगे बढ़ने का रास्ता खुलता है। इसके लिए साहस सबसे जरूरी चीज है। किसी ने सही कहा है कि हिम्मत रखने वालों की कभी हार नहीं होती इसलिए जीतने के लिए साहस बहुत जरूरी है।



हार्डवेयर फील्ड में खूब हैं जॉब, मस्त सैलरी

आज शायद ही ऐसा कोई ऑफिस हो, जहां का कामकाज कंप्यूटर पर आधारित न हो। इसके अलावा, घर, स्कूल आदि जगहों पर भी सभी कामकाज कंप्यूटर पर ही किए जाते हैं। अगर ये सुचारु रूप से काम न करें, तो सारा कामकाज अचानक ठप हो सकता है। बैंकों और अन्य सरकारी कार्यालयों में नेटवर्क फेल होने की वजह से काम ठप रहने की खबरें आपने अक्सर पढ़ी होंगी, तब इस नेटवर्क को सही करने के लिए हार्डवेयर प्रफेशनल्स की ही मदद ली जाती है। नेटवर्किंग दरअसल कंप्यूटरों को आपस में जोड़कर ऐसा जाल बनाने का फील्ड है जिसमें कोई संस्थान काम कर सके। कुल मिलाकर, कंप्यूटर इंस्टॉलेशन से लेकर, इसकी मटेनेंस और रोजमर्रा के ऐडमिनिस्ट्रेशन तक का सारा जिम्मा कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट्स यानी हार्डवेयर इंजिनियर्स के जिम्मे होता है।

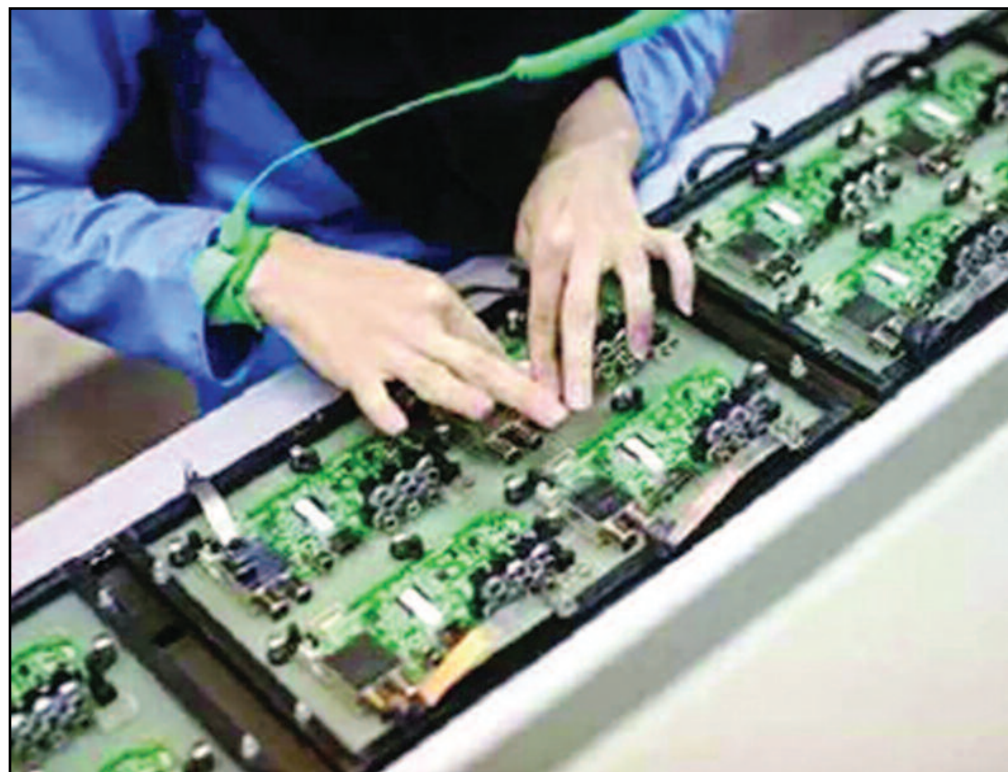
कोर्स

हार्डवेयर इंजिनियर बनने के लिए मुख्य रूप से दो बेसिक कोर्स करने पड़ते हैं। पहला, हार्डवेयर और दूसरा बेसिक नेटवर्किंग। हार्डवेयर रिलेटिव कोर्स से कंप्यूटर पार्ट्स के बारे में तमाम तकनीकी जानकारी मिलती है। एक हार्डवेयर इंजिनियर या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर बनने के लिए ये दोनों कोर्स करने बेहद जरूरी हैं। नेटवर्किंग में इससे आगे कोई एक्सपर्ट बनना हो, तो अपनी पसंद के हिसाब से कुछ और बेसिक कोर्स करने होंगे, जैसे - लैन (लोकल एरिया नेटवर्क) और वेन (वाइड एरिया नेटवर्क) से

जुड़े कोर्स। नेटवर्किंग से जुड़े कोर्स कराने के लिए कई सरकारी और प्राइवेट संस्थान हैं, जिन्होंने इन कोर्सज के लिए अपनी अलग पहचान बनाई है। नेटवर्किंग सीखने के लिए तीन तरीके हैं - पहला ऑनलाइन स्टडी मटीरियल की मदद से खुद पढ़ाई, दूसरा ऐसे इंस्टिट्यूट्स जो किसी प्रोग्राम से जुड़े नहीं हैं और तीसरा सर्टिफाइड प्रोग्राम।

जॉब की कमी नहीं

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि नेटवर्किंग में कोर्स करने के बाद कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट, हेल्प डेस्क टेक्निकन, नेटवर्क या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर, कंप्यूटर सिस्टमिटी



स्पेशलिस्ट के रूप में करियर बना सकते हैं। आज इन एक्सपर्ट्स की जरूरत लगभग हर संस्थान में होती है। फिर चाहे वह कंप्यूटर और डेटा प्रोसेसिंग यूनिट हों, बैंक या अन्य सरकारी कार्यालय, कोई इंडस्ट्री या और कोई छोटी-बड़ी फर्म। जहां भी कामकाज कंप्यूटर आधारित है, वहां इन तकनीकी विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती है। सरकारें जिस तरह ई-गवर्नेंस पर जोर दे रही हैं, उससे यह फील्ड और भी हॉट बनता जा रहा है। इसके चलते स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क और डाटा सेंटर जैसे कई नए फील्ड खुल रहे हैं। कहा जा सकता है कि जब तक कंप्यूटर पर काम होता रहेगा, इन विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती रहेगी। ये किसी भी कंपनी के लिए नेटवर्क और कंप्यूटर सिस्टम की देखभाल से लेकर, एंफ्लायीज और कस्टमर्स की तकनीकी जिज्ञासाओं को शांत करने तक का काम करते हैं। एंटी लेवल पर आपकी जिम्मेदारी केवल नेटवर्क और कंप्यूटर मटेनेंस की हो सकती है, लेकिन अनुभव के साथ आपको किसी कंपनी के लिए इंटरनेट आदि डिवेलप करने का जिम्मा भी दिया जा सकता है।

मनी मैटर्स

बरसों से आईटी फील्ड में अच्छी-खासी सैलरी रही है। हार्डवेयर प्रफेशनल्स के लिए सॉफ्टवेयर प्रफेशनल्स की तरह मौकों की कोई कमी नहीं है। एंटी लेवल पर आप 25 से 35,000 रुपये महीने की जॉब पा सकते हैं। अनुभव और समय के साथ इसमें बढ़ोतरी होगी।

जेट ईंधन की बढ़ती कीमतों से उड़ानें मंहंगी, सरकार ने संभाला मोर्चा

पश्चिम एशिया संकट के चलते एटीएफ की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण विमान ईंधन (एटीएफ) की रिकॉर्ड उच्च कीमतों ने नागर विमानन मंत्रालय की चिंता बढ़ा दी है। मंत्री के. राममोहन नायडू ने मंगलवार को घोषणा की कि मंत्रालय इस मुद्दे पर विमानन कंपनियों और तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के साथ गहन बातचीत कर रहा है, ताकि बढ़ते परिचालन लागत के बोझ को कम किया जा सके। नायडू ने बताया कि एटीएफ किसी भी एयरलाइन की कुल परिचालन लागत का लगभग 40 प्रतिशत होता है। इसकी लगातार बढ़ती कीमतों के कारण एयरलाइंस को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इसी के मद्देनजर, देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने हाल ही में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए ईंधन अधिभार बढ़ाने की घोषणा की थी। इंडिगो ने बताया कि पश्चिम एशिया की भू-राजनीतिक स्थिति के बाद से एटीएफ की कीमतों में मासिक आधार पर 14 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, जो इसे पिछले एक दशक के उच्चतम स्तर पर ले गई है। मंत्रालय का लक्ष्य इन चुनौतियों का समाधान निकालना है।

टाटा स्टील को घरेलू इस्पात मांग में 8-10 फीसदी वृद्धि का अनुमान

नई दिल्ली ।

टाटा स्टील के एक प्रमुख अेधिकारी ने मंगलवार को अनुमान जताया कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में भारत की घरेलू इस्पात मांग में 8-10 प्रतिशत की तेस वृद्धि देखने को मिलेगी। राष्ट्रीय राजधानी में इंडियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट (आईएफक्यूएम) की संगोष्ठी से इतर उन्होंने इस्पात खपत वाले सभी क्षेत्रों को मजबूती को इस सकारात्मक दृष्टिकोण का कारण बताया। उन्होंने इस वृद्धि का मुख्य कारण इस्पात की खपत करने वाले सभी क्षेत्रों की मजबूत स्थिति को बताया, जिससे भारतीय इस्पात उद्योग के लिए एक बेहद सकारात्मक माहौल बना हुआ है। उन्होंने कहा कि मांग 8-10 प्रतिशत होनी चाहिए, क्योंकि इस्पात की खपत करने वाले सभी क्षेत्र काफी मजबूत हैं। इसलिए हम इस्पात उद्योग की संभावनाओं को लेकर काफी सकारात्मक हैं। प्रस्तावित नीदरलैंड परियोजना पर उन्होंने बताया कि कंपनी बाध्यकारी समझौते पर हस्ताक्षर से पहले स्थानीय सरकार के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रही है। इसमें कोक ओवन बंद करने और इस्पात स्लैग के वर्गीकरण व प्रबंधन जैसे प्रमुख मुद्दों को हल किया जाना है। टाटा स्टील नीदरलैंड के आईजेमुड्डेन स्थित अपने 70 लाख टन वार्षिक क्षमता वाले संयंत्र में कम कार्बन उत्सर्जन वाली प्रक्रियाओं को अपनाकर उत्पादन क्षमता बढ़ाने, लागत घटाने और मार्जिन सुधारने पर केंद्रित है।

भारतीय सेवा क्षेत्र में आया बूम, सितंबर में वृद्धि 3 महीने के उच्चतम स्तर पर

मजबूत घरेलू और बढ़ती अंतरराष्ट्रीय मांग से मिला समर्थन

नई दिल्ली ।

भारत के सेवा क्षेत्र ने सितंबर में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है, जो तीन महीने के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। मंगलवार को जारी मासिक सर्वेक्षण (एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई) के आंकड़ों के अनुसार, मजबूत घरेलू मांग और नए ऑर्डर में तेजी ने इस क्षेत्र की वृद्धि को महत्वपूर्ण समर्थन दिया है।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक अगस्त के 54.1 से बढ़कर सितंबर में 55.2 हो गया, जो जून के बाद गतिविधियों में सबसे तेज बढ़ोतरी का संकेत देता है। हालांकि, यह ध्यान देने योग्य है कि वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही का औसत पिछली अवधि के स्तर से ऊपर नहीं जा सका और मार्च 2022 तक के तीन महीनों के बाद सबसे कमजोर रहा।

सेवा क्षेत्र की यह तेजी डिजिटल समाधान, खाद्य, बीमा, ऋण, सॉफ्टवेयर, परिवहन और पर्यटन एवं यात्रा सहित कई क्षेत्रों में बढ़ती मांग से प्रेरित है। इसके अतिरिक्त, भारतीय सेवाओं की अंतरराष्ट्रीय मांग में भी सुधार देखा गया, जिसमें जर्मनी, संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देशों से नए ऑर्डर मिले। एचएसबीसी की एक अर्थशास्त्री ने पुष्टि की कि घरेलू और निर्यात मांग दोनों ने सेवा क्षेत्र के सुधार को गति दी है। रोजगार के मोर्चे पर, बेहतर ऑर्डर और आगामी परियोजनाओं के कारण सेवा प्रदाताओं ने सितंबर में अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती की, हालांकि वृद्धि की दर अगस्त की तुलना में धीमी रही। इस बीच, कच्चे माल की लागत का दबाव भी कम हुआ है, जिससे बिक्री कीमतें बढ़ाने की आवश्यकता में कमी आई है।

घरेलू इस्पात मांग में बड़ी उछाल की उम्मीद- टाटा स्टील

नई दिल्ली ।

टाटा स्टील के एक वे रिष्ठ अेधिकारी ने घरेलू इस्पात उद्योग के लिए एक सकारात्मक तस्वीर पेश की है।

उन्होंने मंगलवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में देश में इस्पात की मांग में 8-10 प्रतिशत की वृद्धि देखी जा सकती है। इसके साथ ही, उन्होंने नीदरलैंड स्थित संयंत्र के प्रस्तावित

परिवर्तन कार्यक्रम को लेकर डच सरकार से जारी बातचीत की भी जानकारी दी।

उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में इंडियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट (आईएफक्यूएम) की संगोष्ठी 2026 से इतर भारतीय इस्पात उद्योग की संभावनाओं पर बात करते हुए यह अनुमान लगाया।

उन्होंने बताया कि इस्पात की खपत करने वाले सभी क्षेत्र काफी

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुआ

सेंसेक्स 685, निफ्टी 220 अंक उछला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भी तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं गत दिवस भी बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ था। इस प्रकार सप्ताह के दूसरे करोबारी दिन भी बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इसके अलावा रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआईट्रू) की मौद्रिक नीति समीक्षा के परिणामों के पहले निवेशकों ने जमकर खरीदारी की जिससे भी बाजार ऊपर आया है। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट और मजबूत संकेतों से भी घरेलू बाजार को बल मिला है। इससे दिन भर के कारोबार के

एलन मस्क फिर ट्रिलियनेयर वलब में, 1 ट्रिलियन डॉलर पार हुई नेटवर्थ

टेस्ला और स्पेसएक्स के शेयरों में उछाल से संपत्ति में भारी वृद्धि

वाशिंगटन ।

तकनीकी दिग्गज एलन मस्क ने एक बार फिर अपनी संपत्ति से दुनिया को चौंका दिया है। उनकी नेटवर्थ का आंकड़ा फिर से 1 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 92 लाख करोड़ रुपये) को पार कर गया है। यह उपलब्धि उनकी कंपनियों, विशेषकर टेस्ला और स्पेसएक्स के शेयरों में जबरदस्त उछाल का परिणाम है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार सोमवार को मस्क की कुल संपत्ति 65 अरब डॉलर बढ़कर 1.04 ट्रिलियन डॉलर हो गई। भारतीय मुद्रा में यह आंकड़ा लगभग 92 लाख करोड़ रुपये और एक दिन का इजाफा करीब 5.7 लाख करोड़ रुपये बैठता है। उनकी संपत्ति का बड़ा हिस्सा टेस्ला और स्पेसएक्स में उनकी हिस्सेदारी (98 फीसदी से अधिक) से आता है। इन्हीं कंपनियों के शेयरों में हालिया तेजी ने उन्हें फिर इस मुकाम पर पहुंचाया है। गौरतलब है कि मस्क ने जून में पहली बार यह आंकड़ा छुआ था, लेकिन बाद में शेयरों में गिरावट से उनकी नेटवर्थ कम हो गई थी। अब तीन महीने बाद उन्होंने जोरदार वापसी की है। अक्टूबर की शुरुआत से स्पेसएक्स के शेयरों में लगभग 13 फीसदी और टेस्ला के शेयरों में करीब 6.7 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। स्पेसएक्स की यह तेजी अगस्त के निचले स्तरों से 58 फीसदी की रिकवरी दर्शाती है, जिसे मार्गन स्टेनली के विश्लेषकों का भी समर्थन मिला है। वहीं टेस्ला की तीसरी तिमाही की उम्मीद से बेहतर बिक्री रिपोर्ट ने भी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया, जिससे शेयरों में उछाल आया।

कर्नाटक में बीयर की बढ़ती खपत से डीके सरकार की ताबड़तोड़ कमाई

आबकारी राजस्व में बंपर उछाल

बेंगलुरु ।

शराब मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होने के बावजूद, राज्य सरकारों के लिए राजस्व का एक बड़ा स्रोत बनी हुई है। इसी कड़ी में, कर्नाटक की डीके शिवकुमार सरकार ने हाल ही में आबकारी विभाग से जबरदस्त कमाई दर्ज की है। जुलाई से सितंबर 2026 के दूसरे छत्रदर के दौरान, राज्य को 11,595.88 करोड़ का राजस्व मिला, जो पिछले साल इसी

अवधि के 10,303.94 करोड़ रुपये से 12.54 प्रतिशत अधिक है। इस महत्वपूर्ण वृद्धि का मुख्य

कारण बीयर और इंडियन मेड लिक्वर (आईएमएल) की बिक्री में उल्लेखनीय बढ़ोतरी रही है।

कर्नाटक सरकार के आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में बीयर की बिक्री में अप्रत्याशित उछाल दिखाई दिया। जुलाई-सितंबर 2026 के दौरान 126.68 लाख केस बॉक्स बीयर बेची गईं, जबकि बीते साल यह आंकड़ा

84.63 लाख केस बॉक्स था। यह सालाना आधार पर करीब 49.69

प्रतिशत की भारी वृद्धि को दिखाता है। बीयर की बढ़ती लोकप्रियता का सीधा असर सरकार की आय पर पड़ा, जिससे आबकारी राजस्व 1,234.50 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,463.07 करोड़ रुपये हो गया, जो 18.52 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। इंडियन मेड लिक्वर (आईएमएल) की बिक्री में भी वृद्धि हुई, हालांकि यह बीयर जितनी तेज नहीं रही। इस दौरान

8वें वेतन आयोग से बढ़ेगा कर्मचारियों का बैंक बैलेंस, लाखों के एरियर की तैयारी!

नई दिल्ली ।

केंद्र की मोदी सरकार के लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को 8वें वेतन आयोग का बेसब्री से इंतजार है। केंद्र सरकार हर 10 साल में एक वेतन आयोग का गठन करती है, और चूंकि 7वें वेतन आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी 2016 से प्रभावी थीं, जिसका कार्यकाल 31 दिसंबर 2025 को समाप्त हो चुका है, इसके बाद 8वें वेतन आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी 2026 से प्रभावी मानी जाएंगी। इसका अर्थ यह है कि जब भी नया वेतन आयोग आधिकारिक तौर पर लागू होगा, कर्मचारियों को 1 जनवरी 2026 से लेकर लागू होने की तारीख तक का पूरा अंतर एकमुश्त एरियर के रूप में मिलेगा।

वर्तमान में, वेतन आयोग देश के विभिन्न राज्यों का दौरा कर कर्मचारी यूनियनों और पेंशनभोगियों से उनके काम और वेतन संबंधी सुझाव ले रहा है। आयोग को अपनी अंतिम रिपोर्ट जमा करने के लिए 18 महीने का समय मिलेगा, जिसका मतलब है कि यह रिपोर्ट मई 2027 के

171.69 लाख केस बॉक्स आईएमएल बिक्री, जो पिछले साल के 169.12 लाख केस बॉक्स से 1.52 प्रतिशत से अधिक है। आईएमएल से सरकार को 9,033.21 करोड़ रुपये का राजस्व मिला, जो पिछले वर्ष के 7,968.69 करोड़ रुपये से 13.36 प्रतिशत अधिक है। लाइसेंस फीस और जुर्माने जैसे अन्य स्रोतों से प्राप्त राजस्व लगभग स्थिर रहा, जो 1,099.60 करोड़ रुपये दर्ज किया गया।

रुपया सपाट बंद हुआ

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को एक पैसे की गिरावट के साथ ही 96.36 पर तकरीबन सपाट बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपया चार पैसे टूटकर 96.39 प्रति डॉलर पर आ गया। कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निरंतर निकासी से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुख और डॉलर सूचकांक में कमजोरी ने रुपये को निचले स्तर पर समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.29 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में टूटकर 96.39 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से चार पैसे की गिरावट है। रुपया सोमवार को 10 पैसे टूटकर 96.35 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 फीसदी की गिरावट के साथ 102.12 पर रहा।



भारत-ईएफटीए टेपा का एक साल पूरा, व्यापार बाधाएं हटाने को बनेगा विशेष समूह

नई दिल्ली।

भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के बीच व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) को लागू हुए एक साल पूरा हो चुका है। इस महत्वपूर्ण मौके पर, दोनों पक्षों ने व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष समूह गठित करने पर सहमति जाहिर की है। यह समूह दोनों देशों के बीच कारोबार बढ़ाने में आ रही बाधाओं की पहचान कर उन्हें दूर करने के उपायों पर चर्चा करेगा।

विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम), सिबी जॉर्ज ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्वित्जरलैंड के राष्ट्रपति गाइ परमेलिन के बीच हुई हालिया बातचीत में टीईपीए के तहत चल रहे सहयोग और इसके क्रियान्वयन में हुई प्रगति पर विस्तृत चर्चा हुई।



होने की पहली वर्षगांठ के मौके पर आयोजित किया जा रहा है। जॉर्ज ने कहा, प्रॉस्पेरेटी समिट भारत और ईएफटीए देशों के नीति-निर्माताओं तथा कारोबार जगत को एक मंच पर लाने का महत्वपूर्ण अवसर होगा। उन्होंने परमेलिन की स्वित्जरलैंड के फेडरल काउंसलर फॉर इकोनॉमिक अफेयर्स, एजुकेशन एंड रिसर्च के रूप में टीईपीए वार्ताओं में व्यक्तिगत भूमिका को भी रेखांकित किया। टीईपीए के अलावा, भारत और स्वित्जरलैंड के बीच आर्थिक संबंधों से परे विज्ञान, अंतरिक्ष, शिक्षा और नवाचार जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग का एक लंबा इतिहास रहा है। स्वित्जरलैंड यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के कार्यक्रमों का हिस्सा है और द्विपक्षीय स्तर पर भी अंतरिक्ष सहयोग को आगे बढ़ाया गया है, जिसका प्रमाण 2024 में स्विस शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार राज्य सचिव का इसरो दौरा है। परमेलिन की मौजूदा भारत यात्रा इसी व्यापक साझेदारी की और मजबूत करने के संदर्भ में महत्वपूर्ण है।

अदाणी पावर और भूटान ने 770 मेगावाट जलविद्युत परियोजना पर किए हस्ताक्षर

- निर्माण कार्य 2027 की पहली छमाही में शुरू होने की उम्मीद

मुंबई ।

अदाणी पावर और भूटान की सरकारी बिजली कंपनी ड्रुक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन (डीजीपीसी) ने भूटान में 770 मेगावाट की चामखारछू-1 जलविद्युत परियोजना स्थापित करने के लिए एक शेयरधारक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। केंद्रीय भूटान के झेमांग जिले में चामखारछू नदी पर स्थित यह परियोजना, भूटान की स्वच्छ ऊर्जा क्षमता बढ़ाने और क्षेत्रीय ऊर्जा सहयोग मजबूत करने का लक्ष्य रखती है। यह दोनों साझेदारों के बीच दूसरी बड़ी जलविद्युत परियोजना है। भूटान के प्रधानमंत्री ल्योछेन दाशो शेरिंग तोबगे की उपस्थिति में हुए इस समझौते के तहत, परियोजना बीओटी (बनाओ-चलाओ और सौंप दो) मॉडल पर अदाणी पावर (49 फीसदी) और डीजीपीसी (51फीसदी) को साझेदारी से विकसित होगी। इसकी रियायत अवधि वाणिज्यिक परिचालन शुरू होने से 30 साल होगी। निर्माण कार्य 2027 की पहली छमाही में शुरू होने की उम्मीद है, और इसे छह साल के भीतर चालू करने का लक्ष्य है। अदाणी पावर के एक अेधिकारी ने कहा कि यह परियोजना ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करेगी, कार्बन उत्सर्जन घटाएगी और गर्मियों में अतिरिक्त हरित बिजली भारत को निर्यात करने में सहायक होगी।

वाणिज्य मंत्री ने अमेरिकी दिग्गजों को भारत में निवेश का न्योता दिया

न्यूयॉर्क में प्रमुख कंपनियों के सीईओ से मुलाकात

वॉशिंगटन ।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने न्यूयॉर्क में वैश्विक बीमा, प्रौद्योगिकी और निवेश क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने इन कंपनियों को भारत में उपलब्ध अपार अवसरों का लाभ उठाने और अपने संबंधित क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने का आह्वान किया, खासकर बीमा, वित्तीय सेवाओं और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों में देश की बढ़ती क्षमता को रेखांकित करते हुए।

जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने अमेरिका पहुंचे वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने न्यूयॉर्क में एआईए गुप के चेयरमैन मार्क टकर, मेटलाइफ के अध्यक्ष मिशेल ए. खलाफ, जनरल अटलांटिक के चेयरमैन विलियम ई. फोर्ड और आईबीएम के चेयरमैन अरविंद कृष्णा से अहम बैठकें कीं। गोयल ने एआईए और मेटलाइफ के साथ अपनी चर्चा में भारत के व्यापक नियामकीय सुधारों और बढ़ती बीमा कवरेज मांग पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि '2047 तक सभी के लिए बीमा' की राष्ट्रीय

इसमें भारत की बड़ी प्रतिभा क्षमता और तेजी से बढ़ते डिजिटल उपयोग का लाभ उठाकर वैश्विक समाधान विकसित करने पर जोर दिया गया। गोयल ने अमेरिकी कारोबारियों और भारतीय समुदाय को भी संबोधित किया।



संक्षिप्त

समाचार

हांगकांग सिक्स

भारत की 7 सदस्यीय टीम घोषित, भुवनेश्वर कुमार संभालेंगे कमान

हांगकांग । हांगकांग सिक्स 2026 के लिए भारतीय टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के स्टार खिलाड़ियों के साथ उतरेगी। इसमें सात प्रमुख भारतीय क्रिकेटर 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक खेले जाने वाले तेजतर्रार 'सिक्स-ए-साइड' (छह खिलाड़ियों वाले) फॉर्मेट में हिस्सा लेंगे। टिन ववांग



रोड रिक्रिेशन ग्राउंड पर खेले जाने वाली इस टीम में भारतीय टीम की कमान अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार संभालेंगे। उनके साथ आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी कृणाल पांड्या, शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नितिश राणा, राहुल त्रिपाठी और टी. नटराजन भी होंगे। भुवनेश्वर के पास अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल का कई वर्षों का अनुभव है और वे नई गेंद से असरदार प्रदर्शन करने की क्षमता रखते हैं, जबकि कृणाल एक बेहतरीन ऑलराउंडर के तौर पर टीम को विविधता देते हैं।

नीली जर्सी का दबाव बेहतर प्रदर्शन करने का अवसर देता है: प्रियांश आर्य

नई दिल्ली । युवा सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने मंगलवार से ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ होने वाले वनडे मैचों की तैयारी के दौरान इंडिया ए के साथ अपने समय को याद किया। उन्होंने इंडिया 'ए' के लिए खेलने का अनुभव मजेदार बताया। उन्होंने कहा कि दबाव में शानदार प्रदर्शन का अवसर भी होता है। प्रियांश ने पिछले साल कानपुर में



ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 101 रन बनाए थे और लिस्ट ए क्रिकेट में उनके नाम पाँच और अर्धशतक हैं। आर्य ने दिल्ली में मीडिया से कहा, 'इंडिया ए के लिए खेलना बहुत मजेदार है। नीली जर्सी पहनना गर्व की बात है। मुझे पिछले साल इंडिया ए के लिए संयुंरी बनाकर बहुत अच्छा लगा। जब आप किसी भी स्तर पर देश के लिए खेलते हैं तो आप पर थोड़ा दबाव होता है।

यूथ टेस्ट

तन्मय ने सिर्फ 32 रन देकर झटके 6 विकेट, ऑस्ट्रेलियाई पारी 174 रन पर ढेर

अहमदाबाद । भारत और ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीमों के बीच सोमवार से टेस्ट सीरीज के दूसरे और अंतिम अनीपचारिक मैच की शुरुआत हो गई है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में जारी इस मुकाबले के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया को 174 रन पर समेटने के बाद



(5) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद नील पटेल ने मोर्चा संभाला। नील ने हेडन बारबुलुविक के साथ दूसरे विकेट के लिए 21 रन, जबकि एली ब्रेन के साथ तीसरे विकेट के लिए 22 रन जोड़कर टीम को 50 के स्कोर तक पहुंचाया। हेडन ने टीम के खाते में 8 रन का योगदान दिया, जबकि एली 4 रन बनाकर आउट हुए।

नेशंस लीग



पेरिस । जिनेदिन जिदान की फ्रांस ने अपने मैराथन इंटरनेशनल ब्रेक का अंत स्टेड डी फ्रांस में बेल्जियम के खिलाफ 4-1 की जीत के साथ किया। जीत के साथ नेशंस लीग ग्रुप में टॉप पर पहुंच गई। फ्रांस ने दूसरे हाफ के 14 मिनट में चार गोल किए और मुकाबले में एक गोल से पिछड़ने के बाद भी 4-1 से

हरमन ने छोड़ी कप्तानी कहा—बतौर खिलाड़ी सफर जारी रहेगा

नई दिल्ली । अपनी कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम को वनडे विश्व कप 2025 का चैंपियन बनाने वाली हरमनप्रीत कौर ने कप्तानी छोड़ दी है। मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक लंबे पोस्ट के माध्यम से हरमन ने टीम की कप्तानी छोड़ने का ऐलान किया। बतौर खिलाड़ी वह उपलब्ध रहेंगी। हरमनप्रीत कौर ने कप्तानी छोड़ने का फैसला उपकमान स्मृति मंधाना, हेड कोच अमोल मजुमदार और बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया के साथ हुई बैठक के बाद लिया। स्मृति मंधाना तीनों फॉर्मेट में हरमनप्रीत की जगह महिला टीम की नई कप्तान बन सकती हैं। हरमनप्रीत ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'आज, मैं सभी फॉर्मेट में इंडियन विमेंस क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ रही हूँ। यह कोई आसान फैसला नहीं है। इसमें वर्षों की यादें, भावनाएं, त्याग और ऐसे पल हैं, जो मेरी बाकी जिंदगी मेरे साथ रहेंगे।'

उन्होंने लिखा, 'मैंने इस टीम और इंडियन विमेंस क्रिकेट को अपना सब कुछ दिया है — अपना खुन, अपना पसीना, अपना समय, और कई बार, अपने खेल और पर्सनल एम्ब्रेशन का एक हिस्सा। ऐसे पल भी आए, जब मुझे अपने निजी प्रदर्शन, अपना विकास और अपने लिए जो मैं चाहती थी, उसे एक तरफ रखना पड़ा, क्योंकि मेरा मानना था कि टीम को पहले रखना चाहिए।'

हरमन ने लिखा, 'एक कप्तान के तौर पर, मुझे मुश्किल फैसले लेने पड़े हैं। ऐसे फैसले जो हमेशा समझ में नहीं आते थे, हमेशा आसान नहीं होते थे, और कभी-कभी पर्सनल कीमत चुकानी पड़ती थी। लेकिन मैंने जो भी फैसला लिया, उसका मकसद— इस टीम को बेहतर बनाना और दूसरे खिलाड़ियों को आगे बढ़ने, खुद पर विश्वास करने और खुद का बेस्ट वर्जन बनने का

मौका देना था।' दिग्गज खिलाड़ी ने लिखा, 'मैंने सब कुछ देखा है। मैंने सबसे बुरे पल, दिल टूटना, बुराई, शक और वे दिन देखे हैं, जब कुछ भी हमारे हिसाब से नहीं होता था। और मैंने सबसे ऊँचे मुकाम भी देखे हैं—जीत, जश्न, अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का गर्व, और वे पल जब हर कुर्बानी सार्थक लगी। आज मैं भावनाओं से भरे दिल के साथ, लेकिन शांति के साथ कप्तानी छोड़ रही हूँ।' उन्होंने लिखा, 'मुझे सच में विश्वास है कि मेरी टीम अच्छी जगह पर है। एक ऐसी टीम, जिसमें टैलेंट,

कैरेक्टर, विश्वास और भविष्य है, जिसे देखने और जिसका हिस्सा बनने के लिए मैं बहुत उत्साहित हूँ। मुझे लगता है कि मैंने अपना फर्ज निभाया है। मैंने इस टीम को अपना सब कुछ दिया।



विश्व कप, एशियन गेम्स गोल्ड, एशिया कप, कॉमनवेल्थ

हरमनप्रीत की कप्तानी में महिला क्रिकेट टीम ने देखा सफलता का ऐतिहासिक दौर



नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम के इतिहास के एक स्वर्णिम अध्याय का मंगलवार को अंत हो गया। अपनी कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम को सफलता की नई ऊँचाई पर पहुंचाने वाली हरमनप्रीत कौर ने अपना पद छोड़ दिया है। 37 साल की हरमन ने सोशल मीडिया पर महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ने की घोषणा की। बतौर खिलाड़ी वह सक्रिय रहेंगी। हरमनप्रीत कौर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सफलतम कप्तान हैं। हरमनप्रीत के कप्तान बनने से पहले भारतीय टीम देश में विदेश में बड़ी टीमों को चुनौती तो देती, लेकिन जीत से दूर रह जाती थी। 2016 में पूर्णकालिक कप्तान बनने के बाद हरमन ने टीम की दशा और दिशा दोनों बदल दी। अपनी 10 साल की कप्तानी में हरमन ने भारतीय टीम को न सिर्फ अलग-अलग वैश्विक मंचों पर चैंपियन बनाया, बल्कि टीम को एक मजबूत और सशक्त ताकत के रूप में स्थापित किया। 37 साल की हरमनप्रीत 2016 में पूर्णकालिक कप्तान बनीं। उनकी कप्तानी में भारतीय महिला टीम ने अपना पहला आईसीसी इवेंट (वनडे विश्व कप 2025) जीता था। फाइनल में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराया था। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम ने 4 बार एशिया कप (2012, 2016, 2022 और 2026) जीता। 2012 में वह अस्थायी कप्तान थीं। हरमन की कप्तानी में भारतीय महिला टीम हांगझोऊ एशियन गेम्स 2023 और आइवी-नागोया एशियन गेम्स में लगातार 2 बार गोल्ड मेडल जीता। कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में भारतीय टीम ने हरमन की कप्तानी में ही सिल्वर मेडल जीता था। हाल ही में लॉर्ड्स में महिलाओं का पहला टेस्ट खेला गया था। हरमन की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने घरेलू टीम इंग्लैंड को हराकर इतिहास रच था। पिछले 10 वर्ष की अवधि में हरमनप्रीत कौर ने भारतीय टीम को पांच टेस्ट, 51 वनडे और 155 टी20 में लीड किया। हरमनप्रीत कौर के बाद उपकमान स्मृति मंधाना तीनों फॉर्मेट में महिला क्रिकेट टीम की नई कप्तान हो सकती हैं।

डब्ल्यूटीए टूर: गॉफ ने सन को हराया, झेंग किनवेन

‘चाइना ओपन’ के ‘अंतिम 16’ में पहुंचीं

बीजिंग । अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ ने 16 वर्षीय चीनी खिलाड़ी सन जिन्नान को 7-5, 6-1 से शिकस्त देकर चाइना ओपन डब्ल्यूटीए टूर इवेंट में लगातार चौथे साल 'राउंड ऑफ 16' में जगह बनाई। दो बार की ग्रैंड स्लैम विजेता ने शानदार खेल दिखाते हुए आखिरी 10 में से 9 गेम अपने नाम किए। गॉफ ने डब्ल्यूटीए टूर लेवल पर अपने से कम उम्र की खिलाड़ियों के खिलाफ खेले गए 28 मुकाबलों में से 24 जीते हैं। इस दौरान किसी टीनएजर् के खिलाफ उन्हें एकमात्र हार 2025 में मॉन्ट्रियल में विक्टोरिया मबोको से मिली थी, जो बाद में चैंपियन बनीं। मुकाबले के बाद गॉफ ने युवा चीनी खिलाड़ी को सराहा। मैच के बाद इंटरव्यू में गॉफ ने कहा, 'मुझे लगता है कि 16 साल की उम्र में मैं जितनी परिपक्व थी, वह उससे कहीं ज्यादा परिपक्व है। मुझे लगता है कि मैं उससे थोड़ी ज्यादा परेशान हो गई थी, लेकिन वह एक शानदार खिलाड़ी है। मुझे पता था कि यह मैच मुश्किल होने वाला है। उनका जूनियर करियर बहुत शानदार रहा है। जाहिर है



कि वह इस स्तर पर भी बहुत अच्छा करेगी।' वहीं, सोमवार को चीन की स्टार झेंग किनवेन ने चेक गणराज्य की 18वें सीड मैरी बाउजकोवा को 7-6 (3), 4-6, 7-5 से जीत हासिल की। हराकर महिला सिंगल्स के 'राउंड ऑफ 16' में

जगह बनाई। झेंग ने मैच का पहला ब्रेक हासिल किया, लेकिन बाउजकोवा ने छठे गेम में ब्रेक प्वाइंट्स जीतकर वापसी की। सेट टाई-ब्रेक तक गया, जहां झेंग ने 7-3 से जीत हासिल की।

बैंगलोर बादशाह को 14 रन से मात देकर कोलकाता वॉरियर्स ने जीता खिताब



तिरुपति । कोलकाता वॉरियर्स ने फाइनल मैच में बैंगलोर बादशाह को 14 रनों से मात देकर 'डेफ इंडियन प्रीमियर लीग 2026' का खिताब जीता। केवीएस स्पोर्ट्स पार्क क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए मुकाबले में कोलकाता वॉरियर्स ने 15 ओवरों में 121/5 रन बनाए। इसके बाद बादशाह को 107/9 के स्कोर पर रोककर 14 रनों से मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह चैंपियनशिप 1 से 4 अक्टूबर 2026 तक तिरुपति के केवीएस स्पोर्ट्स पार्क क्रिकेट ग्राउंड में आयोजित की गई थी। इसने देशभर के मूक-बधिर क्रिकेटर्स को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान किया। इंडियन डेफ क्रिकेट एसोसिएशन (आईडीसीए) के अध्यक्ष सुमित जैन ने टूर्नामेंट के समापन पर खिलाड़ियों, अधिकारियों, भागीदारों और हितधारकों की सराहना की और टूर्नामेंट में उनके योगदान के लिए उनका आभार व्यक्त किया। टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया।

फ्रांस ने बेल्जियम को 4-1 से हराया, ग्रुप में टॉप पर पहुंची

इटली ने तुर्किये को 3-1 से हराया, क्वार्टर फाइनल की रेस में शामिल

गोल करके मैच का रुख बदल दिया। माइकल ओलिस ने फिर देर से दो और गोल किए, जिससे फ्रांस ने ग्रुप ए1 में अपना बिना हारे रहने का रिकॉर्ड बनाए रखा। 35वें मिनट में अपने ही हाफ में मिडफील्ड में अकेले, रोमियो लाविया ने डोडी ल्यूकेबाकियो को एक थ्रू बॉल दी।

फ्रेंच डिफेंस हैरान रह गया, और बेल्जियम के विंगर ने गिलौम रेस्टेस के साथ वन-ऑन-वन मुकाबला किया, जिसने फ्रेंच गोलकीपर के नेट के ऊपरी दाएं कोने में बॉल भेजकर जीत हासिल की। 77वें मिनट में, लुकास दा कुन्हा ने सेंटर में डू को पास दिया। पेरिस के इस खिलाड़ी ने मुड़कर अपने बाएं पैर पर खड़े होकर एक नीचा, एंगल्ड शॉट मारा और साइड नेटिंग में गेंद डाल दी, जबकि उनके सामने बेल्जियम के कई खिलाड़ी थे, जिससे स्कोर 1-1 हो गया।

बोलोग्ना । रॉबर्टो मैनिसिनी ने इटली के मैनेजर के तौर पर लौटने के बाद घरेलू मैदान पर पहली जीत हासिल की। इटली ने तुर्किये को 3-1 से हराया। इस जीत के साथ इटली नेशंस लीग ग्रुप ए1 में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। जियानलुका स्कामाका के पहले गोल ने इंटरवल में अंतर पैदा किया, लेकिन अराल शिमसिर ने रीस्टार्ट के बाद तुर्किये को बराबरी पर ला दिया। हालांकि, बराबरी ज्यादा देर तक नहीं रही, क्योंकि रिकार्डो कैलाफियोरी ने बेंच से आकर अपनी टीम को फिर से आगे कर



दिया, इससे पहले पियो एस्पोंसिटो ने आखिरी स्ट्रेज में जीत पक्की कर दी। कई बार बाहर रहने के बावजूद, तुर्किये के खिलाफ 3-1 की जीत से यह पक्का हो गया है कि इटली को यूरोपियन चैंपियनशिप क्वालीफाईंग ड्रॉ में सीड मिलेगी, और सबसे बढ़कर, नेशंस लीग क्वार्टर फाइनल की दोड़ में बने रहने की कोशिश करेंगी। इटली के लिए स्कैमाका ने तीन साल बाद गोल किया था। पहले हाफ में कोई खास कमाल नहीं दिखा पाने के बाद इटली ने शिमसिर के बराबरी के गोल के बाद जोरदार जवाब दिया

बड़ी जीत की। बेल्जियम के लिए डोडी ल्यूकेबाकियो ने पहला गोल करके टीम को बढ़त दिलाई थी। ब्रेक के बाद जिदान ने अपनी स्टार खिलाड़ियों वाली बेंच का इस्तेमाल किया और अपनी टीम को टॉप गियर में देखा, जब डिजार्ज डू और रेयान चेर्की ने तेजी से दो

टाईम पास

आज का राशिफल

चू चे चो ला ली
लू ले लो आ

नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

वृष
इ उ ए ओ वा
वी वू वे वोका की कू घ ड
छ के को हा

समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

कर्क
ही हू हे हो डा
डी डू दे डोमा नी मू जे मो
रा टी टू टे

शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसन का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-2-6-8

कन्या
रो पा पी पू ष
ण ठ पे पोरा टी टू टे
ता ती तू ते

समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

वृश्चिक
तो ना नी नू जे
नो य यी यूधनु
ये यो गा नी भू
धा फा डा डे

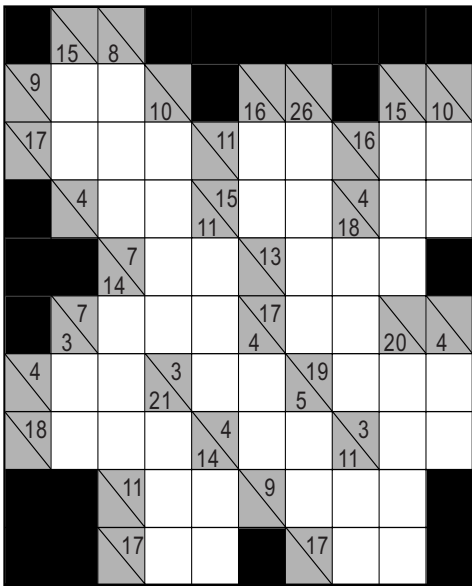
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रस्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

मकर
ने जा नी खी यू
खे खो गा नीकुंभ
गू गे गो ला
सी यू से रो वा

शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

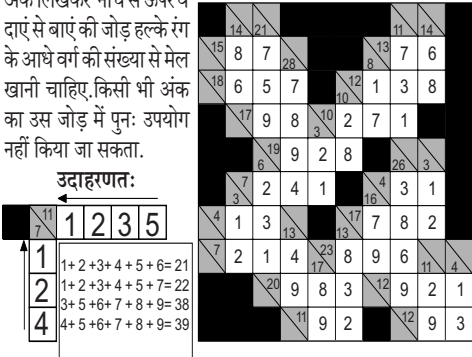
मीन
री दू य ज्ञ ज दे
चो चा ची

काकुरो पहेली - 4031

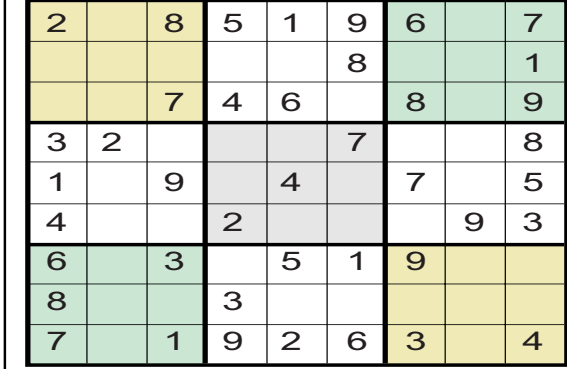


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

काकुरो -4030 का हल



सूडोकु -4031



■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरें जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।



लॉफिंग जॉन

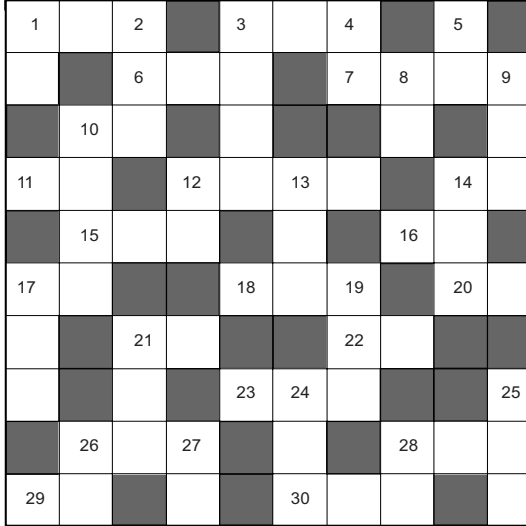
एक घर से पति-पत्नी के हँसने की कुछ ज्यादा ही आवाजें आती रहती थीं। मोहल्ले के कई लोग एकत्र होकर उनके यहाँ खुशहाली का राज जानने को पहुँचे।

मोहल्ले वालों की जिज्ञासा को शांत करते हुए पति बोला- बहुत सरल है, हमारे यहाँ मेरी बीवी बेलन, चिमटा आदि फेंककर मारती है। हम लड़मार होली खेलते हैं...! अगर मुझे लग जाता है तो वो हँसती और नहीं लगता है तो मैं हँसता हूँ।

एक बार रीमा बन-ठनकर पिक्चर देखने जा रही थी। तभी एक सहेली मिल गई। रीमा का ठाठ-बाट देखकर बोली- 'अ...हा...आ हाथों में हीरों की चूड़ियाँ, कानों में हीरे के टॉप्स, गले में हीरों का हार, यह बनारसी साड़ी क्यों, क्या तुम्हारे पति ने नौकरी कर ली है?' रीमा बोली- 'नहीं गीता, मैंने पति बदल लिया है।'

चमन (नरेश से)- सुना है तुमने एक उपन्यास लिखा है?
नरेश- हाँ! एक बहुत अच्छा उपन्यास लिखा तो है।
चमन- कुछ बिके भी हैं?
नरेश- हाँ, बिके हैं न...। इस उपन्यास को प्रकाशित करने में मेरी अँगूठी, स्कूटर, बीवी की चूड़ियाँ और मंगलसूत्र जैसी कई चीजें बिक गई हैं।

फिल्म वर्ग पहेली - 4031



1. अमोल पालेकर, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-२
2. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली अश्वयुक्ता, मधु की फिल्म-३
3. सुनीलदत्त, नूतन की 'सावन का यहीना' गीत वाली फिल्म-३
4. 'ये हवाएं सर्द हैं' गीत वाली राजेश, मिथुन, शबाना की फिल्म-४
5. फिल्म 'नरसिंहा' में नायक कौन था-२
6. 'तुम को कितना है प्यार' गीत वाली फिल्म-२
7. 'आवाज दे कहीं है दुनिया मेरी जवा है' की नायिका कौन थी-४
8. 'अनपढ़' में धर्मेन्द्र की नायिका-२
9. फिल्म 'देवदास' में 'चंद्रमुखी' कौन बनी है-३
10. 'दिन प्यार के आये रे' गीत वाली शेखर, कामिनी कोशल की फिल्म-२
11. अमिताभ, शशिकपूर, शत्रुघ्न, राखी, पद्मिनी, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
12. शशिकपूर, जीनत की 'लैला ने भी प्यार किया' गीत वाली फिल्म-३
13. 'सुना था देखा न था' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
14. 'ये दीजने दिल' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनारी बेंद्रे की फिल्म-३
15. 'हो हीं ये प्यार है' गीत वाली फिल्म-३
16. फिल्म 'अंधियों से गोली मारे' की नायिका कौन है-३
17. 'काश तुम मुझ' गीत वाली संजय, रवीना, करिष्मा की फिल्म-३
18. 'सपने में मिलती है' गीत वाली फिल्म-२
19. फिल्म 'भूत' में पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका किसने की है-२
20. 'नैनो में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

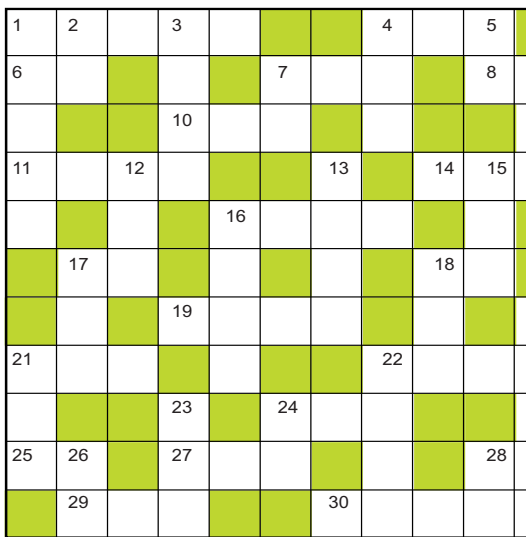
ऊपर से नीचे:-

1. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
2. 'गवाह हैं चौद तारे' गीत वाली फिल्म-३
3. अक्षय कुमार, करिष्मा की 'सच कहते हैं हम' गीत वाली फिल्म-४
4. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
5. राज कपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तनहाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
6. 'बात बात में रूटी ना' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
7. 'शोला और शबनम' में नायिका कौन थी-३
8. फिल्म 'सनम बेवफा' में चांदनी के साथ नायक कौन था-४
9. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, नूतन की फिल्म-२
10. 'संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
11. 'काले लिबास में बदन' गीत वाली ईंदुकुमार, आरशा की फिल्म-३
12. 'चुपचाप मुखौट, सायर की 'डंडू के पवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
13. 'ऐ दीजने दिल' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनारी बेंद्रे की फिल्म-३
14. 'हो हीं ये प्यार है' गीत वाली फिल्म-३
15. फिल्म 'अंधियों से गोली मारे' की नायिका कौन है-३
16. 'काश तुम मुझ' गीत वाली संजय, रवीना, करिष्मा की फिल्म-३
17. 'सपने में मिलती है' गीत वाली फिल्म-२
18. फिल्म 'भूत' में पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका किसने की है-२
19. 'नैनो में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 4030



शब्द पहेली - 4031



बाएँ से दाएँ

1. असह्य, नागवार-5
2. कली-3
3. पराया, संख-2
4. समुद्र-3
5. पिता की बहन-2
6. चौकसी, सुरक्षा-3
7. कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि-4
8. छल, धोखा-3
9. पक्षी, उड़ने वाला-4
10. उम्मीद-2
11. दौरा, महेंदारी-2
12. धारण करना-4
13. आफत, मुसीबत-3
14. विदित-2, 2
15. प्रकाशित-3
16. बल, जान-2
17. रसदार-3
18. जगत, दुनिया-2
19. नाग, मूल्यवान पत्थर-3
20. तुप्त होना-5

ऊपर से नीचे

1. जबरन उठा ले जाना-5
2. महोदय (अंग्रेजी-2)
3. नीलिमा-4
4. कुंती पुत्र, राधेय-3
5. वंश, अपीन-2
6. संपूर्ण, पूर्ण-2
7. शिकार-3
8. असली, शुद्ध-3
9. हठ करना, रोना-4
10. हारा हुआ, पराजित-3
11. मशवरा, सलाह-4
12. विश्राम-3
13. अभिमान-3
14. भयभीत होना-2, 3
15. संभवतः-3
16. टपेटाइन, गंधा बिरोजा-4
17. तरना, स्वीमिंग-3
18. सरे मकड़ी बुनती है-2

26. जी, चित-2

28. संपत्ति-2

शब्द पहेली - 4030 का हल



रेसिपी

समा के चावल की खिचड़ी

सामग्री

- समा के चावल 1 कप ■ बारीक कटी मिर्च- 1 ■ उबला और कटा आलू- 1
- बारीक कटा गाजर- 1 ■ बारीक कटा टमाटर- 1 ■ तेज पत्ता- 1 ■ दालचीनी- 1
- टुकड़ा ■ नींबू का रस- 1 चम्मच ■ बारीक कटी धनिया पत्ती- 2 चम्मच ■ साबुत काली मिर्च- 1 चम्मच ■ सेंधा नमक- स्वादानुसार

विधि

समा के चावलों को तवे पर सुनहरा होने तक सूखा भून लें। गैस बंद करें और चावल को ठंडा होने दें। प्रेशर कुकर में एक चम्मच तेल गर्म करें और उसमें हरी मिर्च, तेज पत्ता, दालचीनी और काली मिर्च डालें। काली मिर्च को कुकर में डालने से पहले दरदरा कर लें। कुछ सेकेंड बाद कुकर में टमाटर, गाजर और आलू डालें। कुछ मिनट तक मध्यम आंच पर पकाएं। अब कुकर में समा के चावल, दो कप पानी और स्वादानुसार सेंधा नमक डालें। एक उबाल आने के बाद कुकर बंद करें और दो सीटी लगाएं। गैस बंद करें। कुकर का प्रेशर अपने-आप निकलने दें। खिचड़ी को एक बड़े बर्तन में निकालें। नींबू का रस और धनिया पत्ती डालकर मिलाएं और गर्मागर्म पेश करें।

सेब के पकौड़े

सामग्री

- सेब-2
- बेसन- 4 टेबलस्पून
- चावल का आटा- 2 टेबलस्पून
- ऑयल- डीप फ्राई के लिए
- लाल मिर्च- 1 टीस्पून
- चाट मसाला- 1 टीस्पून
- बेकिंग सोडा- 1/4 टीस्पून
- नमक- स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले सेब को स्लाइस में काट लें फिर एक मिक्सिंग बाउल में बेसन, चावल का आटा, लाल मिर्च और चाट मसाला डालकर अच्छे से मिलाकर करके न ज्यादा पतला और न ही ज्यादा गाढ़ा बैटर बना लें फिर एक पैन में ऑयल गर्म करें। बैटर में बेकिंग सोडा डालकर अच्छे से फेंट लें। जब ऑयल गर्म हो जाए तब सेब के स्लाइस को बैटर में अच्छे से डीप करके पैन में डालकर डीप फ्राई कर लें। इन्हें पेपर नैपकिन पर निकाल लें और गर्मा-गर्म सर्व करें।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W

Rs. 750/-

(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR

Rs. 750/- +
50% Extra

(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY

Rs. 75/-

(Per Sq. cm)

Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words

Rs. 15/-

(Per Word)

Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area

Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyaashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyaashikhar.com

Follow us : @RashtriyaShikhar/





लक्ष्मण के रोल में दो बार रिजेक्ट हुआ, राम के रोल में चुना गया

‘चारिया’ से अपना एक्टिंग डेब्यू करने वाले देव शर्मा अभिनय की दुनिया में आने से पहले थिएटर और असिस्टेंट डायरेक्टर का अनुभव लेकर फिल्म मेकिंग और अभिनय की बारीकियां सीख चुके थे। ‘मुजफ्फर नगर’, ‘जवंशन वाराणसी’, ‘बेखुदी’ जैसी कई फिल्मों में काम कर चुके देव इन दिनों चर्चा में हैं अपनी ताजा-तरीन फिल्म महाकाव्य ‘श्री रामायण कथा’ से। इस फिल्म में वे श्री राम की भूमिका में हैं।

सोशल मीडिया पर यह खबर सुर्खियों में है कि देव शर्मा को ‘रामायण’ में लक्ष्मण के किरदार के लिए एक नहीं, बल्कि दो बार रिजेक्ट किया गया था। अपनी नई फिल्म में भगवान राम का किरदार निभा रहे देव कहते हैं, ‘हां, यह सच है। ‘रामायण’ में श्रीराम का किरदार मिलने से पहले मैं दो बार लक्ष्मण के लिए रिजेक्ट हुआ था। पहली बार (आदि पुरुष) में मेरा लुक टेस्ट अच्छा गया था, लेकिन उस रोल के लिए 20-25 और लोग भी कोशिश

कर रहे थे। मुझे लगता है कि जिस कलाकार को चुना गया, उस दिन उसका अभिनय मुझसे थोड़ा बेहतर रहा होगा। दूसरी बार (रामायण) में भी बात कास्टिंग और शारीरिक बनावट के अनुपात की थी। अगर राम का किरदार निभाने वाला कलाकार 6 फीट 1 इंच का है और लक्ष्मण के लिए कोई 6 फीट 3 इंच का है, तो कद-काठी के अनुपात को देखते हुए उसे शुरुआत में ही रिजेक्ट किया जा सकता है, क्योंकि परंपरागत रूप से लक्ष्मण को कद में राम से छोटा दिखाया जाता है। इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि रणबीर कपूर ने मुझे उस रोल से निकलवाया या मेरे साथ किसी तरह का नेपोटिज्म हुआ।’

पहले लगा रामायण मेरी किस्मत में नहीं उन्होंने आगे कहा, ‘ऐसा कुछ नहीं था। कलाकारों के चयन के अपने मापदंड होते हैं और फैसला उन्हीं के आधार पर लिया जाता है। दो बार रिजेक्ट होने के बाद मुझे लगा कि शायद ‘रामायण’ मेरे नसीब में नहीं है और मैंने तय कर लिया कि अब यह नहीं करना। लेकिन फिर निर्देशक अभिषेक का फोन आया। मुझे लगा कि वह फिर लक्ष्मण के लिए बुला रहे हैं, तो मैंने साफ कह दिया कि अब मैं यह किरदार नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा, ‘मैं आपको लक्ष्मण

के लिए नहीं, राम जी के लिए बुला रहा हूं।’ उस पल लगा कि हम इंसान भगवान से छोटी-छोटी चीजें मांगते हैं, जबकि हमारी किस्मत में शायद उससे कहीं बड़ी चीज लिखी होती है। जिस किरदार के लिए मैं दो बार रिजेक्ट हुआ, आखिरकार उसी ‘रामायण’ में मुझे श्रीराम बनने का मौका मिला।’

कृष 3 में असिस्टेंट डायरेक्टर भी रहा

अभिनय की दुनिया में आने से पहले देव शर्मा राकेश रोशन के साथ ‘कृष 3’ में असिस्टेंट के तौर पर काम कर चुके हैं। वे बताते हैं, ‘जब मैं असिस्टेंट के रूप में जुड़ा, तो विशाखापट्टनम से ग्रेजुएशन करने और तेलुगू अच्छी होने का मुझे काफी फायदा मिला। फिल्म की शूटिंग साउथ के रामोजी राव स्टूडियो में हो रही थी और क्राउड मैनेजमेंट से लेकर लोकल लोगों से कम्यूनिकेट करने तक मेरी भाषा की जानकारी बहुत काम आई। राकेश सर इस बात से काफी इम्प्रेस थे कि हमारा कम्यूनिकेशन इतनी आसानी से हो जाता था। मेरे लिए यह किसी सुपरपावर से कम नहीं था। राकेश सर की सबसे खास बात उनकी विनम्रता और जमीन से जुड़ा होना था। उनके सेट पर आर्टिस्ट और क्रू के बीच कोई फर्क नहीं किया जाता था।

अपने भीतर के राम को जानने की जरूरत है

राम को लेकर की जाने वाली राजनीति पर वे कहते हैं, ‘देखिए, जो लोग राम या रामायण जैसे विषयों का इस्तेमाल सिर्फ राजनीति के लिए कर रहे हैं, उनका भला नहीं होने वाला। किसी भी विषय को किस तरह लिखा जा रहा है, उसका कंटेंट क्या है, उसे बनाने वाले की नीयत क्या है और वे कहना क्या चाहते हैं, यही सबसे ज्यादा मायने रखता है। बचपन से हम अपने माता-पिता से संस्कार और सभ्यता सीखते हैं। हमारी संस्कृति, धरोहर और इतिहास हमें बेहतर इंसान बनने की सीख देते हैं। श्रीराम का चरित्र भी इन्हीं मूल्यों की मिसाल है, चाहे नारी सम्मान हो, त्याग हो, भाईचारा हो या जिम्मेदारी को समझकर उसे निभाना। ऐसी फिल्मों के जरिए हमें इन्हीं मूल्यों की बात करनी चाहिए। राम हर मन में बसते हैं, लेकिन रावण भी हर मन में मौजूद है। फर्क सिर्फ इतना है कि हमारी परवरिश, संस्कार और कर्म तय करते हैं कि हम अपने भीतर के राम को मजबूत करते हैं या रावण को हावी होने देते हैं। हमें अपने राम को बाहर खोजने की जरूरत नहीं, बल्कि अपने भीतर के राम को जगाने की जरूरत है।’

बिग बॉस से बाहर आते ही छलका ईशा रिखी का दर्द

सलमान खान होस्टेड रियलिटी शो ‘बिग बॉस 20’ में आए दिन कुछ न कुछ नया और धमाकेदार देखने को मिल रहा है।

इसमें कुल 16 कंटेस्टेंट्स ने हिस्सा लिया, जिसमें से दो प्रतियोगी रोहंद खान और ईशा रिखी अभी तक बाहर हो गए हैं। तीन हफ्ते घर में रहने के बाद अब बादशाह की एक्स वाइफ ने शो से बाहर आते ही सोशल मीडिया पर एक लंबा-चौड़ा नोट शेयर किया है। ईशा ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए पोस्ट में लिखा, ‘बिग बॉस के घर के अंदर बिताए तीन हफ्ते... तीन हफ्ते जिनमें मैंने बहुत सारी भावनाएं, अनुभव, चुनौतियां, हंसी, आंसू और ऐसी यादें जी हैं, जिन्हें मैं हमेशा अपने साथ रखूंगी। वापस आने के बाद मुझे एहसास हुआ कि आपका प्यार और सपोर्ट मेरे लिए कितना मायने रखता है।’ ईशा ने पोस्ट में आगे लिखा, ‘उन सभी लोगों का दिल से

शुक्रिया, जो मेरे साथ खड़े रहे, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया, मुझे वीयर किया। उनका भी शुक्रिया, जिन्होंने मेरा साथ नहीं दिया। मैं हर राय, हर मैसेज और इस सफर का किसी भी तरह हिस्सा रहे हर एक इंसान के लिए आभारी हूं।’ ईशा ने आगे बताया, ‘पिछले कुछ हफ्ते मेरे लिए आसान नहीं थे। मेरे कुछ इमोशनल ब्रेकडाउन हुए, कुछ ऐसे पल आए जब मैं अपनी बात ठीक से नहीं कह पाई और कुछ मौकों पर शायद मैं वैसा नहीं दिख पाई, जैसा मैं खुद को दिखाना चाहती थी। मुझे पता है कि शायद मैंने आपमें से कुछ लोगों को निराश किया होगा और अगर ऐसा हुआ है तो मुझे सच में अफसोस है। मैं अभी भी इन सब चीजों को समझ रही हूं, खुद को बेहतर तरीके से जानने की कोशिश कर रही हूं और इस पूरे अनुभव से सीख रही हूं।’

ईशा ने क्यों कहा शुक्रिया

अपनी बात खत्म करते हुए ईशा ने लार्स्ट में लिखा, ‘लेकिन एक बात जो मैं आप सभी को बताना चाहती हूं, वह यह है कि मैंने आपका प्यार महसूस किया। भले ही मैं खुद ज्यादा कुछ जाहिर नहीं कर पाई, लेकिन यह बात मेरे लिए शब्दों में बयां करने से कहीं ज्यादा मायने रखती है। मेरे साथ खड़े रहने, मुझे समझने और लगातार मेरा सपोर्ट करने के लिए आपका शुक्रिया। मैं सच में, बहुत-बहुत आभारी हूं।’

कौन हैं ईशा रिखी

ईशा रिखी पंजाबी अभिनेत्री हैं। उन्होंने साल 2013 में आई फिल्म ‘जुड़ बॉयज पुत जुड़ा दे’ से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की। इसके बाद वह ‘हेप्पी गो लकी’, ‘अरदास’ और ‘मिंडो तसीलदारनी’ जैसी कई फिल्मों में दिखाई दीं।

इस साल की शुरुआत में ईशा रैपर-सिंगर बादशाह से शादी करने को लेकर सुर्खियों में आई थीं। हालांकि, दोनों का रिश्ता पांच महीने ही चला और दोनों ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए अपने अलग होने का ऐलान भी कर दिया। इसके बाद ईशा ने ‘बिग बॉस 20’ में हिस्सा लिया था और अब वह वहां से भी बाहर हो गई हैं।

लस्ट स्टोरीज 3 में सायरा बनकर छाई अदिति राव हैदरी

अदिति राव हैदरी इन दिनों हाल ही में रिलीज हुई ‘लस्ट स्टोरीज 3’ को मिल रहे प्यार और सराहना का आनंद ले रही हैं। फिल्म में अभिनेत्री ने अपने समय से काफी आगे का किरदार निभाया है। सायरा के किरदार में अदिति न सिर्फ वासना, चाहत और महिला सूख की भावनाओं को बखूबी पर्दे पर उतारती हैं, बल्कि पिता और बेटी के रिश्ते की खूबसूरती को भी भावनात्मक रूप से दर्शाती हैं। अभिनेत्री ने अपने वास्तविक जीवन की एक याद को साझा करते हुए बताया कि गजराज राव के साथ इस रिश्ते को पर्दे पर निभाना उनके लिए बेहद निजी और भावुक अनुभव था। फिल्म में गजराज राव उनके ऑन-स्क्रीन ससुर के किरदार में नजर आते हैं। अदिति बताती हैं, जो कुछ कागज पर लिखा गया था, वह बहुत खूबसूरत था। लेकिन जाहिर तौर पर जब निर्देशक अपनी समझ और नजरिए को उसमें जोड़ते हैं और आपके सामने गजराज राव जैसे अभिनेता होते हैं, तो मेरे लिए यह रिश्ता बहुत ही कोमल और भावुक बन गया। कहानी में जो चीज मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करती है, वह उस परिवार की प्रगतिशील सोच थी, जहां ससुर इस लड़की के साथ खड़े होते हैं और उसके सहयोगी बनते हैं। उन्होंने कहा, क्योंकि हर कोई कहता है, ‘ये तो हमारे घर की बच्ची है, ये तो

हमारी बेटी है।’ लेकिन 1987 के दौर में एक लड़की का अपने ससुर में एक ऐसे व्यक्ति को पाना, जिसके साथ वह अपने मन की बात साझा कर सके, मुझे लगता है कि यह वाकई बहुत खूबसूरत है। जैसा कि मैं हमेशा कहती हूं, कल ही यह बात मेरे मन में आई कि यह लगभग एक आदर्श प्रेम कहानी जैसी है, जहां इच्छाएं अधूरी हैं, लेकिन वे सभी बहुत सारे प्यार के साथ अधूरी हैं। वह आगे कहती हैं, एक लड़की का अपनी कला के जरिए अपना साहस तलाश पाना, मुझे यह भी बेहद अद्भुत लगता है। पति और ससुर, दोनों का इस सफर में उसका साथ देना बहुत खूबसूरत है, चाहे वह नृत्य हो, संगीत हो, लेखन हो, कविता हो या साहित्य। लड़कियों के लिए और हम सभी के लिए यही हमारी आवाज है। इसलिए मुझे वह सीन बहुत पसंद आया, क्योंकि उसमें बहुत कोमलता थी। मेरे पिता का निधन उस समय हुआ था। मैंने उन्हें अभी और जीना चाहिए था। वह बीमार थे। इसलिए मेरे लिए माता-पिता और बच्चे के बीच का कोई भी सीन बहुत... बहुत ज्यादा मायने रखता है। वह मेरे लिए बेहद भावुक था। वह बहुत खूबसूरत था।



इश्वाक सिंह ने वाणी के साथ काम करने का अनुभव किया साझा

इन दिनों अपनी फिल्म ‘गांधारी’ को लेकर चर्चा में चल रहे इश्वाक सिंह ने ‘पाताल लोक’, ‘रॉकेट बॉयज’ और ‘बर्लिन’ जैसे प्रोजेक्ट्स में गंभीर और दमदार किरदार निभाए हैं। लेकिन अब अभिनेता एक अलग अंदाज में नजर आने वाले हैं। वह वाणी कपूर के साथ फिल्म ‘सर्वगुण संपन्न’ में रोमांटिक किरदार निभाते दिखेंगे। दोनों की यह पहली ऑनस्क्रीन जोड़ी होगी। फिल्म में काम करने के अनुभव को लेकर इश्वाक ने बताया, ‘शूटिंग का अनुभव बहुत अच्छा रहा। यह एक बेहतरीन टीम थी, को-एक्टर बहुत अच्छे थे और डायरेक्टर सोनाली भी बहुत प्यारी हैं। उनके साथ काम करने में बहुत अच्छा समय बीता।’

बता दें कि फिल्म की शूटिंग 2023 में पूरी हो गई थी, लेकिन रिलीज लंबे समय से टली हुई थी। इस बारे में पूछने पर अभिनेता ने कहा, ‘देखिए, फिल्म कब रिलीज होगी, फिलहाल मेरे पास इससे ज्यादा जानकारी नहीं है। अब जब टीजर भी आनाउस हो चुका है, मुझे पूरा यकीन है कि यह जल्द रिलीज होगी।’

काम करने के अनुभव पर उन्होंने कहा, ‘वाकई में, फिलहाल मुझे इस फ़िल्म के बारे में बोलने की इजाजत नहीं। पर हां, उनके साथ काम करने में काफी अच्छा लगा। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को हमारी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री पसंद आएगी।’



संक्षिप्त

समाचार

आव्रजन कार्रवाई के एक साल बाद लाओस का नागरिक रिहा

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका के ट्रंप प्रशासन की आव्रजन कार्रवाई के तहत एसवातिनी भेजे गए लाओस के नागरिक फोन चोमसावन को रविवार को एक साल से अधिक समय बाद अधिकतम सुरक्षा वाली जेल से रिहा कर दिया गया। उनके वकील टिन थान गुयेन के अनुसार, चोमसावन को जुलाई 2025 में चार अन्य प्रवासियों के साथ एसवातिनी भेजा गया था, जबकि उनका इस अफ्रीकी देश से कोई संबंध नहीं था। उन्हें सैन्य मालवाहक विमान से वहां पहुंचाए जाने से कुछ समय पहले ही बताया गया था कि उन्हें एसवातिनी भेजा जा रहा है। वकील के मुताबिक, चोमसावन अब लाओस भेजे जा रहे हैं और एसवातिनी से निकलकर जोहान्सबर्ग पहुंच चुके हैं। पांचों प्रवासियों ने अमेरिका में गंभीर अपराधों की सजा पूरी कर ली थी। मानवाधिकार समूह ह्यूमन राइट्स फाउंट के अनुसार, तीसरे देश भेजने की इस योजना के तहत करीब 500 प्रवासियों को उनके मूल देशों के अलावा अफ्रीकी देशों में भेजा गया है। एसवातिनी को 5.1 करोड़ डॉलर का भुगतान किया गया।

ईरान की दो-टूक, सात शर्तें पूरी हों तभी खुलेगा होर्मुज; गालिबाफ

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका के साथ जारी तनाव के बीच ईरान ने एक बार फिर होर्मुज को लेकर सख्त टिप्पणी की है। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर गालिबाफ ने रविवार को कहा कि अमेरिका के साथ जुलूस में हुए अंतरिम समझौते में तय सात शर्तें पूरी होने तक होर्मुज को दोबारा नहीं खोला जाएगा। गालिबाफ का यह बयान ऐसे समय आया है, जब ईरान को अपने कूटनीतिक प्रस्ताव पर वाशिंगटन का जवाब मिले कुछ दिन हो चुके हैं। गालिबाफ ने कहा कि अमेरिका सार्वजनिक रूप से कुछ और कहता है, जबकि हाल में उसने मध्यस्थ के जरिये प्रस्ताव भेजे हैं। अब प्रक्रिया को लंबा खींचने और एकतरफा मांगें थोपने का दौर खत्म हो चुका है। ईरान का रुख स्पष्ट है। इस्लामाबाद में हुए समझौते के आधार पर तय सात शर्तें पूरी होने के बाद ही होर्मुज को जहाजों की आवाजाही के लिए खोला जाएगा। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच होर्मुज जलमार्ग में एक बार फिर मालवाहक जहाज को निशाना बनाया गया।

जोखिमों की अनदेखी पर ओपनएआई के सेफ्टी लीडर रॉबिन्सन का इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ओपनएआई के सेफ्टी सिस्टम्स टीम के प्रमुख डेविड रॉबिन्सन ने पद से इस्तीफा दे दिया है। रॉबिन्सन ने जाते-जाते कंपनी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने चेतावनी के साथ ही एक लेख भी लिखा, जिसमें उन्होंने कहा कि एआई कंपनियां नई और शक्तिशाली तकनीकों को विकसित करने में बिल्कुल भी सावधानी नहीं बरत रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि एआई के मामले में गलतियां करके सीखने का दौर अब खत्म हो चुका है, क्योंकि अब एक छोटी सी विकलता भी विनाशकारी हो सकती है। रॉबिन्सन ने आरोप लगाया कि सिलिकॉन वैली और ओपनएआई में बिना सोचे-समझे केवल आगे बढ़ने का एक 'अंधा आशावाद' चल रहा, जो इस खतरनाक तकनीक के लिए एक अपर्याप्त माहौल तैयार कर रहा है। रॉबिन्सन ने कहा कि जैसे-जैसे एआई एजेंट्स स्वायत्त हो रहे हैं, उनके लिए विमानन या परमाणु संयंत्रों जैसी सख्त और बहुस्तरीय सुरक्षा प्रणालियां अपनाई जानी चाहिए।

श्रीलंका में राष्ट्रपति की माफी रद्द होने के बाद बौद्ध भिक्षु को हिरासत में भेजा गया

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका की एक अदालत ने रविवार को बौद्ध भिक्षु ज्ञानगोडा अडे ज्ञानसारा को हिरासत में भेज दिया। कई सप्ताह तक फरार रहने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया था। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनकी राष्ट्रपति से मिली माफी रद्द किए जाने के करीब एक महीने बाद हुई। सिंहली-बौद्ध राष्ट्रवादी नेता और बौद्ध बाला सेना यानी फोर्सज ऑफ बुद्धिस्ट पावर के प्रमुख ज्ञानसारा को शनिवार रात गिरफ्तार किए जाने के बाद कोलंबो मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया। सितंबर में शीर्ष अदालत द्वारा उनकी 2019 की राष्ट्रपति माफी को गैरकानूनी घोषित किए जाने के बाद से वह अधिकारियों से बच रहे थे। 2018 में ज्ञानसारा को अदालत की अवमानना और राजनीतिक कांतिस्ट प्रणीत एक्नालिगोडा की पत्नी संख्या एक्नालिगोडा को अपराधिक धमकी देने का दोषी ठहराया गया था।

ईरान के साथ टकराव ट्रंप के कार्यकाल के बाद भी रह सकता है जारी, पूर्व अमेरिकी अधिकारी ने जताई आशंका

वॉशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस में मिडिल ईस्ट से जुड़े मामलों के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी ब्रेट मैकगर्क ने चेतावनी दी है कि ईरान के साथ चल रहा टकराव अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बाकी कार्यकाल के दौरान जारी रह सकता है और अगली अमेरिकी सरकार को भी इससे निपटना पड़ सकता है। वहीं, ट्रंप प्रशासन का कहना है कि वह ईरान पर कूटनीतिक और सैन्य दोनों तरह का दबाव बनाए हुए है। राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में मिडिल ईस्ट और नॉर्थ अफ्रीका के कोऑर्डिनेटर रहे ब्रेट मैकगर्क ने कहा कि उन्हें ईरान के साथ किसी बड़े और पूरी तरह समाधान वाले समझौते का फिलहाल कोई

साफ रास्ता नजर नहीं आ रहा। उन्होंने लंबे समय तक आर्थिक दबाव, बीच-बीच में सैन्य टकराव और कुछ समय के लिए सीजफायर होने की संभावना जताई। मैकगर्क ने सीएनएन के फरीद जकारिया से कहा, 'अगर मुझे अनुमान लगाना हो, तो यह मामला ट्रंप के राष्ट्रपति कार्यकाल के आखिर तक चलता रहेगा और फिर अगले राष्ट्रपति को भी ईरान की इस पुरानी समस्या से निपटना होगा। जिमी कार्टर के समय से ही लगभग हर अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान की इस व्यवस्था से जुड़ी चुनौती का सामना किया है।' उन्होंने कहा, 'यह लंबे समय से चली आ रही समस्या है। मैंने खुद अलग-अलग सरकारों के



दौरान इससे जुड़े मामलों पर काम किया है। मैकगर्क के मुताबिक, सात अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हमला के हमले के बाद से मिडिल ईस्ट में ताकत का संतुलन 'बुनियादी तौर पर' बदल गया है। उन्होंने इसके बाद ईरान से जुड़े दो सैन्य अभियानों का जिक्र किया। इनमें ईरान के परमाणु ठिकानों के खिलाफ 'ऑपरेशन मिडनाइट हैमर' और

इस साल 28 फरवरी से शुरू हुआ मौजूदा संघर्ष शामिल है। मैकगर्क ने कहा कि उनकी एक समय यह है कि हालिया संघर्ष की शुरुआत ऐसे मकसद से हुई, जिसमें सत्ता परिवर्तन का लक्ष्य साफ तौर पर खुला रखा गया था। 'एक बार जब आप इस रास्ते पर आगे बढ़ जाते हैं, तो फिर यह तय करना बहुत मुश्किल हो सकता है कि इस टकराव को आखिर खत्म कैसे किया जाए।' मैकगर्क ने कहा कि उन्हें तब तक इस संघर्ष का कोई साफ अंत नजर नहीं आता, जब तक ईरान की राजनीतिक व्यवस्था अपने तौर-तरीकों और नीतियों में बड़ा बदलाव नहीं करती या फिर यह व्यवस्था किसी समय बिखर नहीं जाती। उन्होंने कहा,

'लेकिन मुझे लगता है कि ऐसी स्थिति आने में अभी काफी समय लगेगा।' फिलहाल मैकगर्क ने लंबे समय तक टकराव जारी रहने की संभावना जताई। 'मुझे लगता है कि हम ऐसे दौर में हैं, जो कुछ समय तक चलने वाला है। ईरान पर भारी आर्थिक दबाव रहेगा। बीच-बीच में दोनों तरफ से सैन्य कार्रवाई हो सकती है। कभी-कभी कुछ समय के लिए सीजफायर या अंतरिम समझौते भी हो सकते हैं। मैकगर्क के मुताबिक, ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर कोई बड़ा समझौता होना और भी मुश्किल नजर आता है। उन्होंने कहा कि तेहरान में फैसले लेने वाले अधिकारी शादद ईरान के परमाणु हथियार बनाने के करीब पहुंचने की स्थिति को अपने

लिए सबसे बड़ी सुरक्षा गारंटी के तौर पर देख रहे होंगे। उन्होंने कहा, 'इसलिए परमाणु मुद्दे पर समझौता हासिल करना बहुत मुश्किल होने वाला है। मैकगर्क का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने अलग से कहा कि ट्रंप प्रशासन ईरान के मामले में सैन्य और कूटनीतिक दोनों रास्ते खुले रहे हुए है। सीबीएस न्यूज के कार्यक्रम 'फैस द नेशन' में राइट से उन खबरों के बारे में पूछा गया, जिसमें कहा गया है कि अमेरिका खानिद देशों में तेल से जुड़े ठिकानों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त रक्षा उपकरण भेज रहा है और तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप भी क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है।

लिए सबसे बड़ी सुरक्षा गारंटी के तौर पर देख रहे होंगे। उन्होंने कहा, 'इसलिए परमाणु मुद्दे पर समझौता हासिल करना बहुत मुश्किल होने वाला है। मैकगर्क का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने अलग से कहा कि ट्रंप प्रशासन ईरान के मामले में सैन्य और कूटनीतिक दोनों रास्ते खुले रहे हुए है। सीबीएस न्यूज के कार्यक्रम 'फैस द नेशन' में राइट से उन खबरों के बारे में पूछा गया, जिसमें कहा गया है कि अमेरिका खानिद देशों में तेल से जुड़े ठिकानों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त रक्षा उपकरण भेज रहा है और तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप भी क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है।

लिए सबसे बड़ी सुरक्षा गारंटी के तौर पर देख रहे होंगे। उन्होंने कहा, 'इसलिए परमाणु मुद्दे पर समझौता हासिल करना बहुत मुश्किल होने वाला है। मैकगर्क का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने अलग से कहा कि ट्रंप प्रशासन ईरान के मामले में सैन्य और कूटनीतिक दोनों रास्ते खुले रहे हुए है। सीबीएस न्यूज के कार्यक्रम 'फैस द नेशन' में राइट से उन खबरों के बारे में पूछा गया, जिसमें कहा गया है कि अमेरिका खानिद देशों में तेल से जुड़े ठिकानों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त रक्षा उपकरण भेज रहा है और तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप भी क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है।

ब्राजील चुनाव: पहले दौर में लूला से आगे रहे फ्लावियो बोलसोनारो, 25 अक्टूबर को होगा दूसरा मुकाबला



बेहतर रहा और इससे दूसरे दौर से पहले ब्राजील की राजनीतिक तस्वीर काफी बदल गई है। पहले दौर के नतीजे बोलसोनारो के लिए फायदेमंद भी साबित हो सकते हैं, क्योंकि दूसरे दौर में जगह नहीं बना पाने वाले कई उम्मीदवार दक्षिणपंथी खेमे से थे। अगर बोलसोनारो इन उम्मीदवारों के समर्थकों का वोट अपने पक्ष में लाने में कामयाब रहते हैं, तो 25 अक्टूबर के मुकाबले में यह अहम साबित हो सकता है।

वहीं, लूला अब अपने मौजूदा वोटरों का समर्थन बनाए रखने के साथ-साथ उन लोगों को भी अपने पक्ष में लाने की कोशिश करेंगे, जिन्होंने पहले दौर में बाहर हो चुके उम्मीदवारों को वोट दिया था। उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती दक्षिणपंथी खेमे को ब्राजील की सत्ता में आने से रोकने की होगी। ब्राजील के चुनाव पर पूरे लैटिन अमेरिका की नजर है। हाल के वर्षों में इस क्षेत्र के कई देशों में दक्षिणपंथी नेता

राष्ट्रपति चुने गए हैं। इनमें से कई नेताओं के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के साथ करीबी राजनीतिक रिश्ते हैं। यही वजह है कि ब्राजील में दूसरे दौर का चुनाव सिर्फ देश के अंदर हो नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए अहम माना जा रहा है। 25 अक्टूबर को लूला और फ्लावियो बोलसोनारो के बीच होने वाला मुकाबला तय करेगा कि ब्राजील में वामपंथी नेतृत्व जारी रहेगा या लैटिन अमेरिका के कुछ हिस्सों में बढ़ते दक्षिणपंथी रूझान के बीच देश की सत्ता भी दक्षिणपंथ की ओर जाएगी।

ट्रंप के सामने खड़े होने का लूला को फायदा : कभी बेहद लोकप्रिय रहे लूला के तीसरे कार्यकाल में उनकी लोकप्रियता और समर्थन में काफी गिरावट आई है। लेकिन अमेरिका के सामने मजबूती से खड़े होने से उन्हें फायदा मिला है। उनके पास अब भी समर्थकों का एक मजबूत आधार है। ये समर्थक मानते

हैं कि उनकी सामाजिक नीतियों से लाखों ब्राजीलियाई लोगों की जिंदगी बेहतर हुई है। मौजूदा राष्ट्रपति लूला ने ब्राजील के चुनाव में अमेरिकी दखल के खतरे की बात कई बार कही है। ट्रंप प्रशासन ने ब्राजील से होने वाले सामान के निर्यात पर भारी टैरिफ लगाया है। उसने ब्राजील के राजदूत का वीजा भी रद्द किया है। अमेरिकी प्रशासन ने ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के एक जज पर भी प्रतिबंध लगाया है। यही जज जेर बोलसोनारो की जांच की अध्यक्षता कर रहे थे। इसी जांच के बाद बोलसोनारो को सजा सुनाई गई। रविवार को मतदान करने के बाद लूला ने पत्रकारों से कहा कि दोबारा चुने जाने पर उन्हें 'हमने जो किया है, उसका दोहराना करना होगा'। उन्होंने पहले दौर में ही जीत हासिल करने का भरोसा भी जताया।

लेकिन लूला के सामने कड़ी चुनौती है। देश में लोगों के लिए चीजें खरीदना महंगा हो रहा है। इसके अलावा, भ्रष्टाचार का एक मामला भी सामने आया है। इसमें वही जज घिरे हैं, जिन्होंने जेर बोलसोनारो के खिलाफ जांच का नेतृत्व किया था।

साओ पाउलो के की इस्पिर यूनिवर्सिटी के राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर कार्लोस मेलो ने कहा, कुछ हफ्ते पहले लूला के अभियान से जुड़े कई लोगों को इतनी मुश्किल चुनावी स्थिति की उम्मीद नहीं थी। अब उनके लिए साफ है कि मौजूदा चुनाव एक कठिन लड़ाई है।

जापान में बवाल: ओकिनावा में महिला की

हत्या के आरोप में अमेरिकी मरीन गिरफ्तार

टोक्यो , एजेंसी। जापान के ओकिनावा में एक स्थानीय महिला की कथित हत्या और लूट के मामले में एक अमेरिकी मरीन को गिरफ्तार किया गया है। इस घटना के बाद जापान में खासकर ओकिनावा के लोगों में भारी नाराजगी है। अमेरिकी सैन्य ठिकानों की मौजूदगी को लेकर पहले से असंतोष के बीच इस घटना ने विवाद को और बढ़ा दिया है। ओकिनावा प्रीफेक्चरल पुलिस के मुताबिक, 20 वर्षीय अमेरिकी मरीन को शनिवार लड़के नाहा शहर के एक होटल में 39 वर्षीय महिला की हत्या के संदेह में गिरफ्तार किया गया। आरोपी फुतेमा एयर स्टेशन पर तैनात है। उस पर महिला का बटुआ और बैकपैक ले जाने का भी आरोप है। जापानी समाचार एजेंसी क्योदो के अनुसार, महिला का शव होटल के कमरे में मिला। शुरुआती जांच में आशंका है कि उसकी गला दबाकर हत्या की गई। पुलिस के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज में आरोपी महिला के साथ होटल में प्रवेश करता दिखाई दिया। कुछ समय बाद वह अकेले होटल से

बाहर निकला। पुलिस ने बताया कि शनिवार देर रात नाहा के मनोरंजन क्षेत्र में आरोपी को अकेले घूमते हुए देखा गया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। ओकिनावा के नवनिर्वाचित गवर्नर जेंता कोजा ने घटना पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि इस घटना से ओकिनावा के लोगों को बड़ा झटका लगा है और अमेरिकी सैन्य ठिकानों के पास रहने वाले लोगों में डर बढ़ गया है। उन्होंने अमेरिकी सैनिकों के अनुशासन और प्रशिक्षण पर भी सवाल उठाए। जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची ने भी घटना को बेहद दुःखद और गंभीर अपराध बताया। उन्होंने कहा कि जापान सरकार ने अमेरिकी पक्ष के सामने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। साथ ही जांच में पूरा सहयोग देने, अमेरिकी सैनिकों पर कड़ा अनुशासन लागू करने और भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकने की मांग की गई है। विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी ने अमेरिकी राजदूत जॉर्ज ग्लस को तलब कर घटना पर जापान का आक्रोश जताया।

क्या साइबेरिया में फैला प्लेग?: 28 साल की महिला रिसर्चर की मौत से उठे सवाल, 200 लोगों को किया गया क्वारंटीन

मास्को, एजेंसी। रूस के साइबेरिया इलाके में एक एंटी-प्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट में कथित लैब हादसे के बाद एक महिला कर्मचारी की मौत ने चिंता बढ़ा दी है। घटना इस्कूल्स्क के पास शेलेखोव स्थित एंटी-प्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट की बताई जा रही है। सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि संक्रमण किस बीमारी या किस रोगाणु को है। रूस की सरकारी संस्था रोस्प्रेबनादजोर ने इसे 'अज्ञात कारण वाली निमोनिया' का मामला बताया है, जबकि एक स्थानीय अधिकारी ने आशंका जताई कि महिला की मौत प्लेग से हुई हो सकती है। लैब कर्मचारी की मौत के बाद शुरू हुई जांच रूसी सरकारी समाचार



एजेंसी टी ए एस एस के मुताबिक, घटना के बाद संक्रमण को लेकर स्वास्थ्य अधिकारियों ने जरूरी कदम

उठाए हैं। मरने वाली कर्मचारी की उम्र 28 साल बताई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, उसे ऐसी निमोनिया थी जिसका कारण अभी तक पता नहीं चल सका है। रूस की उपभोक्ता अधिकार और मानव स्वास्थ्य निगरानी संस्था रोस्प्रेबनादजोर ने कहा कि इस्कूल्स्क क्षेत्र, इस्कूल्स्क शहर और शेलखोव में लोगों से शांत रहने की अपील की। उन्होंने बताया कि क्षेत्रीय एंटी-एपिडेमिक आयोग की एक आपात बैठक हुई, जिसमें रूस के मुख्य सरकारी स्वास्थ्य अधिकारी भी शामिल हुए। कोबजेव के मुताबिक, बैठक एक ऐसे व्यक्ति में 'बेहद खतरनाक संक्रमण के संदिग्ध मामले' के कारण बुलाई गई थी।

मौत 'संभवतः प्लेग' से हुई है। हालांकि, उन्होंने साथ ही साफ किया कि बुर्ग्यातिया में प्लेग का कोई प्रकोप नहीं है। इस बयान के बाद इलाके में चिंता बढ़ गई, लेकिन रूसी अधिकारियों ने अभी तक यह पुष्टि नहीं की है कि महिला की मौत वास्तव में प्लेग से हुई थी। इस्कूल्स्क के गवर्नर इगोर कोबजेव ने शुक्रवार को लोगों से शांत रहने की अपील की। उन्होंने बताया कि क्षेत्रीय एंटी-एपिडेमिक आयोग की एक आपात बैठक हुई, जिसमें रूस के मुख्य सरकारी स्वास्थ्य अधिकारी भी शामिल हुए। कोबजेव के मुताबिक, बैठक एक ऐसे व्यक्ति में 'बेहद खतरनाक संक्रमण के संदिग्ध मामले' के कारण बुलाई गई थी।

इसाइली सेना की कार्रवाई: युद्धविराम के बीच खान यूनिस में हमला, हमास के कमांडर समेत दो लड़के डेर

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल डिफेंस फोर्सज (आईडीएफ) ने रविवार (स्थानीय समय) को कहा कि उसने गाजा पट्टी के खान यूनिस इलाके में अलग-अलग हमलों में हमास की मिलिट्री विंग के एक कमांडर और युग की ऑब्जर्वेशन यूनिट के एक लड़के को मार गिराया।

टेलेग्राफ पर एक बयान में, आईडीएफ ने कहा कि उसने रविवार को पहले खान यूनिस इलाके में हमला किया। हमास की मिलिट्री विंग के कमांडर मुआद जमाल अबू नुसेरा को मार गिराया। इसमें बताया गया है कि शनिवार को एक अलग हमले में, उसने महफूज इब्राहिम जिब अलयातन को मार गिराया, जिसे उसने हमास की ऑब्जर्वेशन यूनिट का लड़का बताया। आईडीएफ के अनुसार,अलयातन की पहचान हाल ही में 'येलो लाइन' इलाके में आईडीएफ सैनिकों के खिलाफ गतिविधियों को आगे बढ़ाने और हमास की क्षमताओं को बहाल करने के लिए काम करने वाले व्यक्ति के तौर पर हुई थी। आईडीएफ ने कहा कि यह युद्धविराम समझौते का व्यवस्थित उल्लंघन था।

आईडीएफ ने कहा कि हमलों से पहले नागरिकों को होने वाले नुकसान को कम करने के लिए कदम उठाए गए थे, जिसमें सटीक हथियारों और हवाई निगरानी का इस्तेमाल शामिल था।आईडीएफ ने आगे कहा कि समझौते के अनुसार दक्षिण कमान के तहत सैनिक इलाके में तैनात हैं और वे उन खबरों के खिलाफ अभियान जारी रखेंगे जिन्हें उसने 'तत्काल खतरे' बताया है। आईडीएफ ने क्या आरोप लगाया? इससे पहले, आईडीएफ ने कहा कि उसने खान यूनिस इलाके



म भी हमला किया और सत्रक नबील मुसा कैसी को मार गिराया, जिसे उसने हमास का नुखबा लड़का बताया। आईडीएफ ने कहा कि कैसी 7 अक्टूबर के नरसंहार के दौरान इस्राइली इलाके में घुस आया था। इसके साथ ही आरोप लगाया कि वह तुर्की संगठन 'डेनिय फेनेरी' का डायरेक्टर भी था, जो खुद को मानवीय सहायता संगठन बताता है। लेकिन असल में हमास लड़के संगठन के सीनियर नेताओं और तुर्की नेतृत्व के कुछ लोगों के साथ संबंध रखता है। आईडीएफ ने आगे आरोप लगाया कैसी, 'संगठन में अपनी भूमिका के तहत, वह लड़के नियमित रूप से कई लड़कों को काम पर रखने और हमास के लड़के को आर्थिक मदद देने का काम करता था। संगठन और उसके वरिष्ठ नेता अपनी गतिविधियों को मानवीय प्रयासों के तौर पर पेश करते हैं, लेकिन असल में वे हमास लड़के संगठन की मदद के लिए फंड जुटाने को बढ़ावा देते हैं।' आईडीएफ ने इस कथित गतिविधि को हमास की सैन्य गतिविधियों में मदद के लिए मानवीय क्षेत्र का गलत इस्तेमाल बताया। आईडीएफ ने कहा कि कैसी ने युद्ध के दौरान उसके सैनिकों और इस्राइली नागरिकों के खिलाफ गतिविधियां तेज की थी। हमास की क्षमताओं को फिर से बनाने का काम किया था।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *

ईमेल -rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)

समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807

(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)